एकमात्र

सत्य को जानो

सेबेस्टियन सैंटिस्टेबान

KNOW
THE ONLY
TRUTH

SEBASTIÁN SANTISTEBAN

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

सर्वाधिकार सुरक्षित।
प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना, इसका उपयोग करना सख्त वर्जित है।
कानून द्वारा स्थापित प्रतिबंध। किसी भी माध्यम से इस कृति का आंशिक या पूर्ण पुनरुत्पादन प्रतिबंधित है।
या प्रक्रिया, जिसमें पुन: फोटोग्राफी और कंप्यूटर प्रसंस्करण, और वितरण शामिल है
इस कृति की प्रतियां किराये पर या सार्वजनिक उधार के माध्यम से उपलब्ध हैं।

परिचय
मानवता पर नियंत्रण
महामारी और हमारी मानसिक शक्ति समझ से परे और अवास्तविक शून्यता और सब कुछ
वे नहीं चाहते कि हम जागें अंतिम चिंतन

परिचय
कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो हमेशा हमारी परंपराओं से परे ही रहेंगी।
हमारी समझ इसलिए कमज़ोर हो जाती है क्योंकि हम बहुत ज़्यादा अभ्यस्त हो चुके हैं। और कई पीढ़ियों से ऐसा ही होता आया है। हो सकता है कि अब बहुत सारी सूचनाओं तक व्यापक पहुँच होने के कारण हम उन बातों को ज़्यादा जानने लगे हैं जो अब तक छिपी हुई थीं, लेकिन इसी व्यापकता के कारण छिपी हुई सच्चाइयों को उजागर करने वाले बिंदुओं को जोड़ना मुश्किल हो जाता है।
एक ही सत्य है, और यही वह कारण है जिसके लिए आपने इस पुस्तक में प्रवेश किया है, कि बहुत कुछ है।
सत्य। आपका, मेरा, और जिसे मैं सबसे शक्तिशाली मानता हूँ, वह सत्य/वास्तविकता जिसे हम सभी एक वैश्विक समुदाय के रूप में मिलकर बनाते हैं।
मैं व्यक्तिगत विकास के बारे में जितना लिखता हूँ, कभी-कभी मुझे इस तरह की किताबें भी पढ़ने को मिलती हैं।
ये विचार मुझे एक संदेश के रूप में आते हैं। मैं अपने दांत ब्रश कर रहा होता हूँ, व्यायाम कर रहा होता हूँ, या फिर कहीं सुनसान जगह पर खोया हुआ होता हूँ, या फिर बहुत सारे लोगों से घिरा होता हूँ, तभी अचानक एक विचार मेरे मन में आता है और फुसफुसाता है, "यह नई किताब का शीर्षक है, अभी इसकी विषयसूची लिख लो।"
मैं रहस्यों के प्रति बेहद आकर्षित हूं, मैं यह स्वीकार करता हूं, अगर ऐसा नहीं है तो मैं उन्हें पढ़ता या देखता हूं।
कहीं न कहीं, मैं खुद ही सोचने लगता हूँ और ऐसे स्तरों तक पहुँच जाता हूँ जहाँ मैं अपने दिमाग को नियंत्रण में रखता हूँ ताकि यह महसूस कर सकूँ कि यह भौतिक और त्रि-आयामी तक ही सीमित है।

लेकिन निराश हुए बिना, इस पुस्तक में हम इस विषय पर विस्तार से चर्चा करेंगे।
हम सभी पर अवचेतन स्तर पर जो नियंत्रण किया जाता है, और यह किस प्रकार इन लोगों को भविष्य की घटनाओं का "पूर्वानुमान" करने में सक्षम बनाता है, या यहाँ तक कि हमें उन्हीं घटनाओं को रचने के लिए प्रेरित करता है जिन्हें हम बाद में पूर्वानुमान के रूप में दर्ज करते हैं। इसके परिणामस्वरूप, कोविड और महामारी जैसी स्थिति उत्पन्न होती है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इसकी हेरफेर की गुप्त रणनीति को उजागर करने के लिए अपनी आँखें खोलें और इसे अब और हम पर हावी न होने दें। अंतिम दो अध्यायों में हम अपने मन की सीमाओं को परखेंगे ताकि स्वयं, अतीत, पृथ्वी और भविष्य के बारे में हमारी समझ और दृष्टिकोण का विस्तार हो सके। इन अध्यायों में, आप अपने मन में घर कर चुकी उन झूठी सीमाओं और मान्यताओं को साझा करने के लिए तैयार हो सकते हैं।
यह ध्यान रखना चाहिए कि मैं यहाँ उद्धारकर्ता या सर्वशक्तिमान ईश्वर के रूप में नहीं आया हूँ।
आपको जिन उत्तरों की आवश्यकता है, वे न तो मेरे पास हैं और न ही मैं वह व्यक्ति हूं जो सबसे अधिक जानता है या सबसे अच्छा जानता है।
मुझे बस इतना महसूस होता है कि मेरे पास एक बेहतरीन साधन (लेखन) और एक महान शक्ति है।
एक ऐसा संचार माध्यम जिसके जरिए मैं इस तरह के संदेश लाखों लोगों तक पहुंचा सकता हूं।
मेरा उद्देश्य क्या है? अपनी आंखों पर बंधी पट्टियों को धीरे- धीरे हटाना ताकि मैं आसानी से

मेरे सार से जुड़ें और यह महसूस करें कि मैं एक आध्यात्मिक प्राणी हूँ जो मानवीय अनुभव जी रहा हूँ। मैं भौतिक शरीर नहीं हूँ, बल्कि एक शरीर में निवास कर रहा हूँ। मैं कुछ भी नहीं हूँ और कोई भी नहीं हूँ, लेकिन मैं सब कुछ हूँ और हर कोई हूँ। और इसी का सीधा परिणाम यह है कि आप भी वही हैं।

[redacted]

जो लोग इस पुस्तक को पढ़ रहे हैं, वे शायद पहले से ही जानते हैं कि
जनमानस पर सबसे अधिक नियंत्रण प्रतिदिन मीडिया के माध्यम से ही किया जाता है। आज भी, टीवी ही वह माध्यम है जहाँ अधिकांश लोग विश्व की खबरें देखते हैं और जहाँ सबसे अधिक नाटकीय घटनाएँ देखने को मिलती हैं। दुर्भाग्य से, यह वायरस अब अन्य सामाजिक नेटवर्कों में भी फैल रहा है और आप जहाँ भी हों और जो भी कर रहे हों, आपको कुछ न कुछ सनसनीखेज खबरें देखने को मिलेंगी, और यदि यह किसी समूह या पूरी मानवता को प्रभावित करती है, तो और भी अधिक चिंता की बात है।
मैं और अधिक स्पष्ट रूप से बताऊंगा ताकि हम इस विषय में गहराई से जा सकें। पिछले पैराग्राफ में "वायरस" कहने का मेरा क्या तात्पर्य है? उसमें, "महान" द्वारा प्रयोग किया जाने वाला हेरफेर का सबसे बड़ा हथियार...
"वे लोग" (जिन्हें हम अभिजात वर्ग भी कहेंगे) भय पैदा करते हैं। भय, अनिश्चितता और बार-बार एक ही बात दोहराने से वे हमारे मन में "दुनिया में अराजकता फैली है", "हम सब मरने वाले हैं", "लोग X कारण से मर रहे हैं", "तीसरा विश्व युद्ध आने वाला है", आदि जैसे विचार स्थापित कर देते हैं।
और हां, सिर्फ इतना ही नहीं। इसी समय कुछ बहुत बड़ा होने वाला है।
ऐसा होता है (जिससे हेरफेर स्पष्ट हो जाता है), लेकिन साल के बाकी समय में या उस समय जब इस तरह की किसी चीज के बारे में बताने/आविष्कार करने के लिए कुछ नया नहीं होता है, तो वे समाचारों में केवल डकैतियों, मौतों, दुर्घटनाओं या सामने आने वाली नई बीमारियों को ही दिखाते हैं।

लेकिन आप जानते हैं, मैं उन्हें दोष नहीं देता, मुझे नहीं लगता कि किसी को भी दोष देना चाहिए।
किसी भी बात के लिए। लेकिन मैं एक शब्द में विश्वास रखता हूँ: जिम्मेदारी।
मुझे विश्वास है कि आप और मैं इस बात के लिए जिम्मेदार नहीं हैं कि वे क्या दिखाते हैं।
समाचार, लेकिन वह समाचार जिसे हम उपभोग करना चुनते हैं।
या आपको ऐसा क्यों लगता है कि वे सिर्फ इसी तरह की चीजें दिखाते हैं?
क्योंकि लोग यही खाना पसंद करते हैं!
इसे देखने से एक प्रकार की लत और जिज्ञासा उत्पन्न होती है। ऐसा हो सकता है
इसके पीछे कारण हो सकते हैं: "ताज़ा ख़बरों से वंचित न रहना", "जानकारी रखना" या कुछ भी। लेकिन सच्चाई यह है कि यह उनके दिमाग के लिए एक लत मात्र है। यह देखना भी मज़ेदार है कि वे रंगों के साथ कैसे खेलते हैं और लाल रंग (जिसे दिमाग के लिए खतरा माना जाता है) का इस्तेमाल करके हमारा ध्यान और भी ज़्यादा आकर्षित करते हैं ताकि हम टीवी से अपनी नज़रें न हटा सकें।
इसके अलावा, ईमानदारी से कहें तो, दुनिया जिस तरह से वैश्वीकृत हो चुकी है, उसे देखते हुए प्रसार
यह अफवाह कि कोई नई बीमारी फैल रही है या तीसरा विश्व युद्ध आने वाला है और इसलिए आप और मैं बुरी तरह डर जाएंगे, यह एक बहुत ही आम बात है।
जी वाई जी वाई

आसान है। बस फोन उठाओ और उनसे कहो कि वे इस तरह की कोई बात उन सभी कठपुतलियों के सामने प्रकाशित कर दें जिन्हें वे जनता के बीच मुख्य नेता बनाकर रखते हैं।
लेकिन वे ऐसा क्यों करेंगे? इसका जवाब सरल है।
और हमने इसे नियंत्रण के लिए पहले ही दे दिया है।
अगर उनके आस-पास लाखों लोग हों तो काम करना आसान हो जाता है।
बिना किसी सवाल के एक ही तरह से सोचना और अपनी आस्तीन ऊपर उठाना।
अगर कोई सवाल न उठाए तो वे अपने नियमों के अनुसार मनमानी करना आसान पाते हैं।
हर कार्य की सत्यता पर जरा सा भी संदेह होना चाहिए।
आपने अभी जो पढ़ा है वह आलोचना नहीं है, बिलकुल भी नहीं। यह कोई टिप्पणी भी नहीं है।
इस व्यापक नियंत्रण के प्रति मेरी ओर से एक तरह की भड़ास है। यह एक सच्चाई है और मेरी वास्तविकता से यही झलकता है। लेकिन यह सच होना ज़रूरी नहीं है।
वैसे भी, मुझे लगता है कि गहराई से और गहराई तक जाने में सक्षम होना उपयोगी है।
इस किताब को पढ़िए और इस अनोखे सत्य का निर्माण कीजिए। उसने अभी कुछ नहीं देखा है, मैंने उससे अभी ज्यादा कुछ नहीं पूछा है। लेकिन अगर आप अगले पन्नों में चौंकना नहीं चाहते हैं, तो अपनी कमर कस लीजिए।
एक कहावत है, "जो मीडिया को नियंत्रित करता है, वही लोगों के दिमाग को नियंत्रित करता है।" अगर दुनिया की सबसे बड़ी महामारियों और वैश्विक महामारियों के बारे में आप क्या कहेंगे?

क्या इतिहास योजनाबद्ध था? बिल्कुल, कोविड भी। और मैं इस बात पर अभी ज़ोर दे रहा हूँ (भले ही यह अगले अध्याय का विषय है) क्योंकि दो साल से फैल रहा यह वायरस उस भय-आधारित नियंत्रण का स्पष्ट उदाहरण है जिसका मैं आपसे ज़िक्र कर रहा हूँ। इसके प्रकट होने के बाद से, समाचार और सोशल नेटवर्क ही चर्चा का विषय रहे हैं। और अगर आप सिर्फ़ यही पढ़ते और सुनते हैं कि हज़ारों लोग इस बीमारी से मर रहे हैं, तो क्या आपको बीमार होने से थोड़ा डर नहीं लगता? इसीलिए असली वायरस डर है!
इन सब बातों से मुझे आपको कुछ ऐसा दिखाने का मौका मिलता है जो आपको आश्चर्यचकित कर देगा।
मुंह खुला रखकर: द इकोनॉमिस्ट पत्रिका।
दुनिया के सबसे प्रभावशाली मीडिया संस्थानों में से एक द इकोनॉमिस्ट है, जो एक
लंदन स्थित साप्ताहिक प्रकाशन, जो अक्सर अंतरराष्ट्रीय संबंधों की समसामयिक घटनाओं और वैश्विक परिप्रेक्ष्य से अर्थव्यवस्था की स्थिति को कवर करता है।
साप्ताहिक पत्रिका का पहला अंक सितंबर 1843 में प्रकाशित हुआ था।
जेम्स विल्सन के निर्देशन में शुरू हुआ यह प्रमुख प्रकाशन आज शक्तिशाली समूह द इकोनॉमिस्ट ग्रुप के स्वामित्व में है, जो एक प्रकाशन कंपनी है जिसमें रोथ्सचाइल्ड और एग्नेली परिवारों की 50% हिस्सेदारी है।
हालांकि हम यहां सबसे धनी परिवारों के बारे में बात नहीं करेंगे
विश्व में (हमने इस विषय पर 'सत्सेउप्सर' पुस्तक में चर्चा की है) यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि रोथ्सचाइल्ड परिवार विश्व का

सबसे बड़ा बैंकिंग परिवार है, जिसके नाम पर लगभग सारा कर्ज है। इसलिए, हाँ, यह आज के सबसे शक्तिशाली परिवारों में से एक है, जिसका अर्थ यह भी है कि यह उन परिवारों में से एक है जो सबसे अधिक नियंत्रण स्थापित कर सकते हैं।
पूर्वसूचक आवरण
यदि आप द इकोनॉमिस्ट पत्रिका के विभिन्न संस्करणों के कवर का विश्लेषण करें, तो आप देख सकते हैं कि कैसे, क्रिप्टोग्राफी की तरह, वे छिपे हुए संदेशों को प्रसारित करते हैं जो अंततः इस बात की भविष्यवाणी बन जाते हैं कि दुनिया किस दिशा में जा रही है। यह वर्ष 2022 की पत्रिका है:

आइए उनकी भविष्यवाणियों पर करीब से नजर डालें:
1. लोकतंत्र बनाम तानाशाही। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव
चुनाव और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की कांग्रेस दोनों प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक प्रणालियों के बीच स्पष्ट अंतर को उजागर करेंगे। स्थिरता, विकास और नवाचार प्रदान करने में कौन बेहतर है? यह प्रतिद्वंद्विता व्यापार से लेकर प्रौद्योगिकी

विनियमन, टीकों से लेकर अंतरिक्ष स्टेशनों तक हर क्षेत्र में देखने को मिलेगी। राष्ट्रपति जो बाइडेन लोकतंत्र के झंडे तले स्वतंत्र विश्व को एकजुट करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनका अव्यवस्थित और विभाजित देश इसकी खूबियों का एक बुरा उदाहरण प्रस्तुत करता है।
2. महामारी से स्थानिक रोग की ओर। नई एंटीवायरल गोलियां, बेहतर एंटीबॉडी उपचार और अधिक टीके आने वाले हैं।
विकसित देशों में टीकाकरण होने के बाद, यह वायरस जानलेवा नहीं रहेगा। लेकिन विकासशील देशों में यह अभी भी एक घातक खतरा बना रहेगा। जब तक टीकों का बड़े पैमाने पर उत्पादन नहीं हो जाता, कोविड-19 उन अनेक स्थानिक बीमारियों में से एक बन जाएगा जो गरीबों को तो प्रभावित करती हैं, लेकिन अमीरों को नहीं।
3. मुद्रास्फीति संबंधी चिंताएँ। आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और
ऊर्जा की बढ़ती मांग ने कीमतों को बढ़ा दिया है। केंद्रीय बैंक के अधिकारियों का कहना है कि यह अस्थायी है, लेकिन हर कोई उनकी बात से सहमत नहीं है। ब्रेक्जिट के बाद श्रम की कमी और महंगी प्राकृतिक गैस पर निर्भरता के कारण ब्रिटेन विशेष रूप से मुद्रास्फीति और आर्थिक मंदी के खतरे में है।
4. कार्य का भविष्य। इस बात पर व्यापक सहमति है कि
भविष्य "हाइब्रिड" है और अधिक लोग घर से काम करने में अधिक दिन बिताएंगे। लेकिन इसके विवरण को लेकर असहमति की काफी गुंजाइश है
- कितने दिन और कौन से दिन, और क्या यह उचित होगा? सर्वेक्षणों से पता चलता है कि महिलाओं में कार्यालय लौटने की इच्छा कम है, इसलिए उन्हें पदोन्नति से वंचित किए जाने का खतरा हो सकता है।

इसके अलावा, कर नियमों और कर्मचारियों की दूरस्थ निगरानी को लेकर भी बहस जारी है।
5. नई तकनीकी प्रतिक्रिया। अमेरिका और यूरोप में नियामक।
हम वर्षों से तकनीकी दिग्गजों पर लगाम लगाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी वृद्धि या मुनाफे पर कोई खास असर नहीं डाल पाए हैं। अब चीन ने मोर्चा संभाल लिया है और अपनी तकनीकी कंपनियों पर बेरहमी से कार्रवाई कर रहा है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग चाहते हैं कि ये कंपनियां गेमिंग और शॉपिंग जैसी फालतू चीजों पर ध्यान देने के बजाय भू-रणनीतिक लाभ प्रदान करने वाली "गहन तकनीक" पर ध्यान केंद्रित करें। लेकिन क्या इससे चीनी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा या उद्योग की गतिशीलता दब जाएगी?
6. क्रिप्टोग्राफी का विकास हो रहा है। सभी क्रांतिकारी तकनीकों की तरह,
नियामक नियमों को सख्त करते जा रहे हैं, जिससे क्रिप्टोकरेंसी पर लगाम कसी जा रही है। केंद्रीय बैंक भी अपनी केंद्रीकृत डिजिटल मुद्राएं शुरू करने की तैयारी में हैं। इसका नतीजा यह है कि वित्त के भविष्य के लिए तीन तरफा संघर्ष छिड़ गया है - क्रिप्टो-ब्लॉकचेन-डीईएफआई के समर्थकों, पारंपरिक तकनीकी कंपनियों और केंद्रीय बैंकों के बीच - जो 2022 में और भी तीव्र होगा।
7. जलवायु संकट। जैसे-जैसे जंगल की आग, लू और बाढ़
आवृत्ति में वृद्धि के बावजूद, जलवायु परिवर्तन से निपटने के मामले में नीति निर्माताओं के बीच आश्चर्यजनक रूप से तत्परता की कमी देखी जा रही है।

जी पी वाई जी
परिवर्तन। इसके अलावा, भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के गहराते जाने के साथ-साथ, कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए पश्चिम और चीन दोनों के सहयोग की आवश्यकता है। हार्वर्ड के शोधकर्ताओं द्वारा 2022 में किए जाने वाले सौर इंजीनियरिंग प्रयोग पर ध्यान दें, जिसमें वे एक गुब्बारे से उच्च ऊंचाई पर धूल छोड़ेंगे। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, यह तकनीक दुनिया को कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए और समय देने के लिए आवश्यक हो सकती है।
8. यात्रा संबंधी समस्याएं: अर्थव्यवस्थाओं में गतिविधि बढ़ने के साथ-साथ यात्रा संबंधी समस्याएं भी बढ़ रही हैं।
फिर से खुलना शुरू हो गया है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे जिन देशों ने शून्य कोविड "दमन" रणनीति अपनाई थी, उन्हें अब ऐसी दुनिया में ढलने की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है जहां वायरस स्थानिक रूप से फैल चुका है। इस बीच, लगभग आधी व्यावसायिक यात्राएं पूरी तरह से रद्द हो गई हैं। यह ग्रह के लिए तो अच्छा है, लेकिन उन पर्यटकों के लिए बुरा है जिनकी यात्रा का खर्च व्यावसायिक यात्रियों द्वारा वहन किया जाता था।
9. अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा। 2022 पहला ऐसा वर्ष होगा जिसमें अधिक
लोग सरकारी कर्मचारियों के बजाय पैसे देकर अंतरिक्ष में जा रहे हैं, जिन्हें प्रतिद्वंद्वी अंतरिक्ष पर्यटन कंपनियों द्वारा ले जाया जाता है। चीन अपना नया अंतरिक्ष स्टेशन पूरा कर रहा है। फिल्म निर्माता सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में फिल्में बनाने के लिए होड़ कर रहे हैं। और नासा एक अंतरिक्ष यान को क्षुद्रग्रह

से टकराने जा रहा है, एक वास्तविक जीवन मिशन में जो किसी हॉलीवुड फिल्म जैसा लगता है।
10. पेलेट्स नीतियां। बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक और
कतर में होने वाला विश्व कप इस बात की याद दिलाएगा कि खेल किस तरह दुनिया को एकजुट कर सकता है, लेकिन साथ ही यह भी कि कैसे बड़े खेल आयोजन अक्सर राजनीतिक गद्दी बन जाते हैं। दोनों मेजबान देशों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन होने की आशंका है, हालांकि राष्ट्रीय टीमों के बहिष्कार की संभावना कम ही है। इसके अलावा, एक बहुत ही स्पष्ट बात जो हम देख सकते हैं वह है लोगो।
कार्डानो, एथेरियम, लाइटकॉइन और बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी, शायद इस तथ्य का जिक्र करते हुए कि ये क्रिप्टोकरेंसी वह निकट भविष्य हैं जिसकी ओर हम अग्रसर हैं।
जो लोग अधिक जिज्ञासु हैं, उनके लिए मेरा सुझाव है कि वे YouTube पर जाएं।
"द इकोनॉमिस्ट मैगज़ीन प्रेडिक्शन्स" सर्च इंजन पर सर्च करें और फिर वह वर्ष डालें जिसके परिणाम आप देखना चाहते हैं। वहां आपको घंटों का ऐसा कंटेंट मिलेगा जिसमें लोग हर मैगज़ीन का विश्लेषण कर रहे हैं, और चूंकि पिछले वर्षों के कई विश्लेषण उपलब्ध हैं, इसलिए आप देख पाएंगे कि हर मैगज़ीन में की गई भविष्यवाणियां किस प्रकार सच हुईं।
और चूंकि हम भविष्यवाणियों की बात कर रहे हैं... कितने लोग जानते हैं कि...
क्या यह सिम्पसन्स सीरीज़ है?
साजिशों की दुनिया में, यह टीवी सीरियल काफी लोकप्रिय हो गया है।

क्योंकि इस सीरीज में घटित होने वाली घटनाएं और फिर वास्तविकता में घटित होने वाली घटनाएं अविश्वसनीय रूप से "संयोग" का नतीजा होती हैं।
आइए देखते हैं इस टीवी सीरीज से जुड़ी कुछ सबसे प्रसिद्ध भविष्यवाणियां।
जो बातें कही गईं और जो सच हो गईं:

सिम्पसन्स भविष्य से सीधे जुड़ने का एक माध्यम है।
11-एस

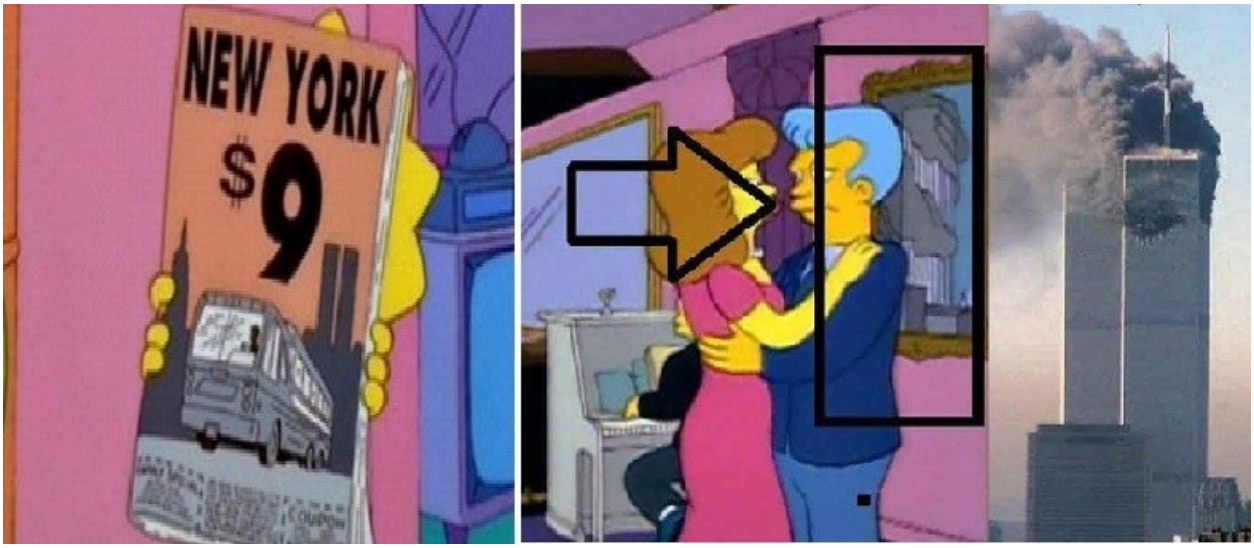

जब लीसा बार्ट को एक पोस्टर दिखाती है, तो उस पर लिखा होता है कि संख्या 9 और दो टावर मिलकर 11 सितंबर की तारीख बनाते हैं, जो चार साल पहले हुए हमले की भविष्यवाणी थी। हमले के बाद, इस एपिसोड को हटा दिया गया था, लेकिन 2017 से इसका पुनः प्रसारण शुरू हो गया।

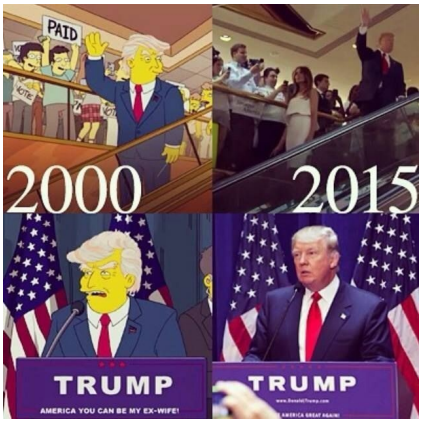

डोनाल्ड ट्रम्प का राष्ट्रपति कार्यकाल
प्रसिद्ध एपिसोड "बार्ट टू द फ्यूचर" में, लीसा सिम्पसन राष्ट्रपति, जिन्हें समझना बहुत मुश्किल नहीं है। लेकिन अजीब बात यह है कि 2000 में प्रसारित इस प्रकरण में यह भविष्यवाणी की गई थी कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की उत्तराधिकारी बनेंगी।

टाइगर ए एक
सीज़न 5 के एपिसोड 91, स्प्रिंगफील्ड में, एक बाघ अपने एक प्रशिक्षक रॉय पर हमला कर देता है। यह 16 दिसंबर, 1993 को प्रसारित हुआ था, और एक दशक बाद यह घटना लास वेगास के एक शो में सचमुच घटित हुई, जिसमें असली रॉय मुख्य किरदार में थे।
रिचर्ड ब्रैनसन की अंतरिक्ष यात्रा

नहीं, उन्होंने उसका नाम रिचर्ड ब्रैनसन नहीं लिया, लेकिन वर्जिन ने भी ऐसा ही किया।

अटलांटिक ने महसूस किया कि अंतरिक्ष में एक अरबपति के 2008 के एक एपिसोड की शक्ल रिचर्ड ब्रैनसन से काफी मिलती-जुलती थी, जो 2021 में (वास्तव में) एक विमान में सवार हुए और समताप मंडल की ओर बढ़े, 85 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचे और वर्जिन के कर्मचारियों के एक दल के साथ वहां मंडराते रहे।

2014 □□□□□ □□

□□□□□ 25 □□ □□□□□□ 546, '□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□' □□□,

□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□, □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□ 16 □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□□□□, □□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□ 7-1 □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□

वीडियो कॉल और वर्चुअल रियलिटी

जब लीसा और बार्ट बड़े होते हैं, तो सिम्पसन्स परिवार का पूरा वातावरण नई तकनीकों से भर जाता है, जो उस समय उतनी व्यापक नहीं थीं जितनी अब हैं। छठे सीज़न के एपिसोड 122, 'लीसा की शादी', जो 1995 में प्रसारित हुआ था, में हम देखते हैं कि इंग्लैंड में रहने वाली लीसा वीडियो कॉल के ज़रिए मार्ज से संपर्क करती है। वहीं दूसरी ओर, बार्ट 'भविष्य का बार्ट' एपिसोड में वर्चुअल रियलिटी गेम्स का परिचय देता है, जो 19 मार्च 2000 को रिलीज़ हुआ था, यानी इनके व्यापक उपयोग से 15 साल पहले।
वायरस

द सिम्पसन्स ने कुछ ऐसे वायरस की भविष्यवाणी की थी जिन्होंने सबसे ज्यादा प्रभावित किया।
हाल के वर्षों में विश्व की जनसंख्या पर प्रभाव: इबोला और कोरोनावायरस। 1997 के एपिसोड 'लिसाज़ सैक्सोफोन' में, मार्ज बार्ट को एक किताब दिखाती है जिसके कवर पर इबोला से पीड़ित एक व्यक्ति की तस्वीर है; वर्षों बाद, इस वायरस ने लाइबेरिया में एक खतरनाक महामारी फैला दी। दूसरी ओर, हालांकि कोरोनावायरस की भविष्यवाणी नहीं की गई थी, 1993 के अध्याय 'मार्ज इन प्रिज़न' में दिखाया गया है कि कैसे होमर द्वारा मंगवाए गए एक पैकेज में चीन से एक वायरस आया और कैसे इस बीमारी ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया।

जनवरी 2021
पिछली भविष्यवाणी जनवरी 2021 की थी जिसमें से एक में
सीज़न 32 के नए एपिसोड में मार्ज और स्प्रिंगफील्ड के कई पड़ोसियों को मास्क पहने हुए देखा गया।
जैसा कि हम देख सकते हैं, कई भविष्यवाणियां की गई हैं।
बाहर। और निश्चित रूप से, इस पर विचार करने से हमारे मन में इसके बारे में सैकड़ों संदेह और सिद्धांत उत्पन्न हो जाएंगे। वास्तव में, चाहे हम इस बात पर विश्वास करना चाहें या न चाहें, यह एक ऐसी चीज है
ऐसा हो रहा है और सालों पहले भी हो चुका है। सिम्पसन्स किसी न किसी तरह भविष्य की भविष्यवाणी कर रहे हैं, या शायद, उसे बना रहे हैं।
हम इस संभावना से इनकार नहीं कर सकते कि लाखों लोग इससे प्रभावित हुए हैं।
यह टीवी सीरियल। मेरा मतलब है, क्वांटम स्तर पर, जहाँ हम सब आपस में जुड़े हुए हैं और सारी जानकारी एक ही है, यह निष्कर्ष निकालना गलत नहीं होगा कि सब कुछ पहले से ही मौजूद है। और अगर सब कुछ पहले से ही मौजूद है, तो इसका मतलब है कि हम अतीत और भविष्य दोनों में जी रहे हैं। इसलिए, न तो अतीत होगा और न ही भविष्य,

बल्कि संभावनाओं का एक अनंत सागर होगा जहाँ हम इंसान कुछ संभावनाओं को चुनकर उस वास्तविकता में प्रवेश कर सकते हैं। और यह कैसे संभव है कि वैश्विक स्तर पर ऐसी घटनाएँ घटित होती हैं जो भविष्यवाणियों जैसी लगती हैं? शायद इसलिए कि इस टीवी सीरियल के प्रभाव में लाखों लोग एक ही वास्तविकता का निर्माण कर रहे हैं। दूसरे शब्दों में: एक ही क्वांटम जानकारी तक पहुँच रहे हैं।
एक "सरल" बोर्ड गेम
और इन भविष्यवाणियों के अलावा, हम इलुमिनाती को भी नहीं भूल सकते।
ले एर्स। हालाँकि इन ले एर्स के बारे में आपको सैट्सेप्सर नामक पुस्तक में और भी अधिक जानकारी मिलेगी, चलिए कुछ अन्य लोगों को देखते हैं या उन लोगों को देखते हैं जो सिम्पसन्स द्वारा की गई भविष्यवाणियों से सहमत हैं।
विषय पर चर्चा शुरू करने से पहले, आइए पहले संदर्भ को समझ लें। वर्ष 1994 में, स्टीव जैक्सन ने "इल्यूमिनाती न्यू वर्ल्ड ऑर्डर" नामक एक रोल-प्लेइंग गेम का आविष्कार किया। इस खेल का उद्देश्य क्या था या यह खेल किस बारे में था?
इस खेल का उद्देश्य सत्ता संरचना को विकसित और सुदृढ़ करना है। जिसमें आप अपने चुने हुए संगठन के नाम पर परदे के पीछे से दुनिया पर राज कर सकते हैं, समाज को अपने हिसाब से चला सकते हैं और अपने विरोधियों को विनाशकारी प्रहार दे सकते हैं। दिलचस्प और... मज़ेदार?
इसके अलावा, यह महत्वपूर्ण है कि हम सृष्टि की तिथि पर कायम रहें, क्योंकि

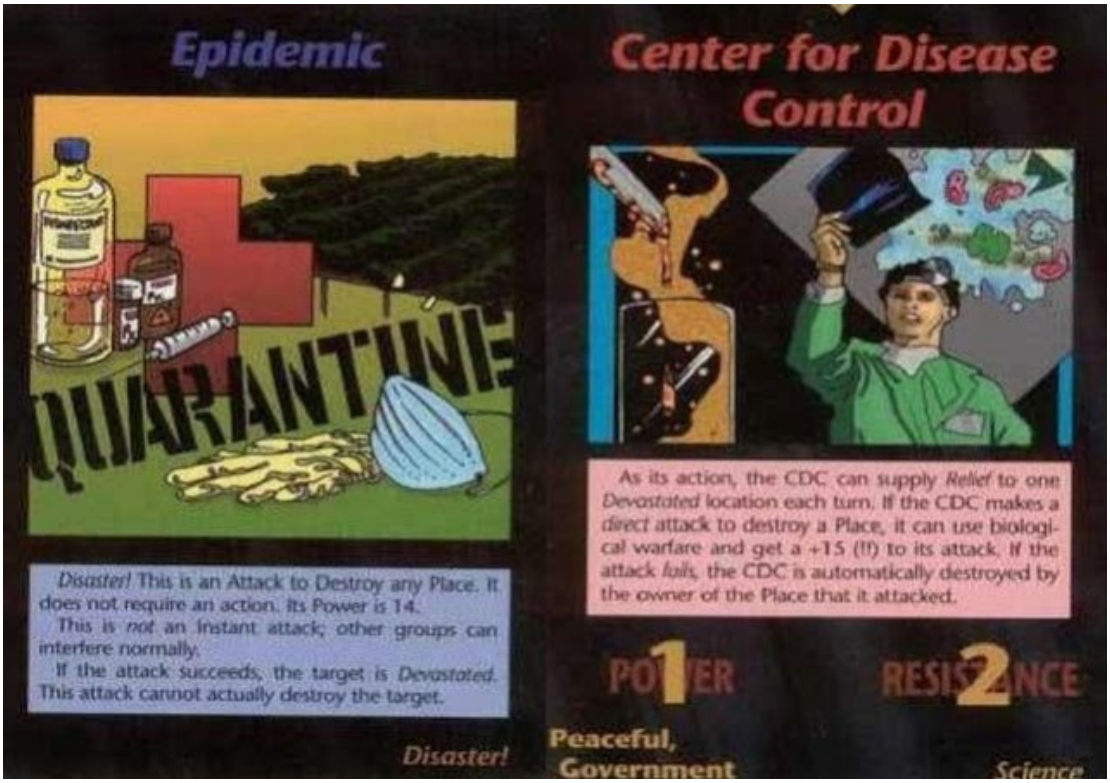

[redacted] 1: [redacted]

[redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted]: [redacted]! [redacted] [redacted]

[redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted]...

[redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted], [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted]

[redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted], [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] ACK [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted], "[redacted]" [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted]

दो वर्षों से जी रहे हैं। क्वारंटाइन, मास्क और कोविड नामक फ्लू।
कार्ड 2: रोग नियंत्रण
विवरण में यह लिखा है: एक कार्रवाई के रूप में, सीडीसी
(रोग नियंत्रण केंद्र का संक्षिप्त रूप) एक समय में केवल एक ही तबाह स्थल को राहत प्रदान कर सकता है। यदि सीडीसी किसी स्थल को नष्ट करने का सीधा आदेश देता है, तो वह जैविक युद्ध का उपयोग कर सकता है और उस आदेश में +15 अंक प्राप्त कर सकता है। यदि आदेश विफल हो जाता है, तो सीडीसी उस स्थल के स्वामी द्वारा स्वतः ही नष्ट कर दिया जाएगा।
यह कोविड के शुरुआती दौर में सामने आई थ्योरीज़ को संदर्भित कर सकता है।
अमेरिका और चीन के बीच तनाव से संबंधित दिनों में, जब वायरस फैला, तो शेयर बाजार (जहां दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियां सूचीबद्ध हैं) में इतिहास की सबसे बड़ी गिरावट आई।
जैसा कि हम अगले पृष्ठ में देखेंगे, सब कुछ घूम रहा होगा। बाजार में हेरफेर के इर्द-गिर्द यह मामला घूमता रहता है और इसका उद्देश्य केवल आर्थिक हो सकता है। वास्तव में, यदि यह स्पष्ट है कि कहीं सबसे अधिक नियंत्रण किया जा रहा है, तो वह मौद्रिक प्रणाली के माध्यम से ही है।

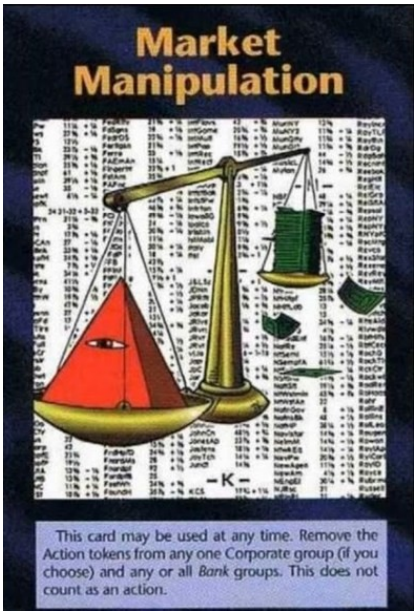

कार्ड 3: बाजार में हेरफेर
विवरण में यही लिखा है: इस कार्ड का उपयोग किसी भी स्थान पर किया जा सकता है।
समय....
और सच्चाई यह है कि वे इसका इस्तेमाल करते हैं, कभी भी और बिना किसी रोक-टोक के।
बेशक, पहले से ही चेतावनी देना ज़रूरी है। न तो आप और न ही मैं यह जान पाएंगे कि अगला विश्व संकट कब आएगा या अर्थव्यवस्था पर अगला असर कब पड़ेगा। संयोग से, जब भी ऐसा होता है, तो हमेशा किसी न किसी बाहरी कारक के कारण होता है, जो रहस्यवाद और सिद्धांतों में लिपटा रहता है।
चलिए देखते हैं, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि शेयर बाजार के लिए यह स्वाभाविक नहीं है।

मैं आपको यह दिखाना चाहता हूँ कि वे अपने फायदे के लिए इसका दुरुपयोग कैसे करते हैं। असल में, यह सब डर फैलाने के बारे में है, जो सबसे बड़ा वायरस है।
मेरे विचार से, यह प्रक्रिया बहुत सरल है: पहले वे अर्थव्यवस्था की योजना बनाते हैं और फिर उसे नष्ट कर देते हैं।
लोग घबरा जाते हैं और नई विश्व व्यवस्था के नए नियमों को आसानी से स्वीकार कर लेते हैं। कुछ इस तरह... एक वायरस बनाओ, मीडिया के ज़रिए डर फैलाओ, फिर उसका समाधान (टीका) बनाओ और शो के हीरो बन जाओ।
कार्ड 4: मृत्यु का मुखौटा

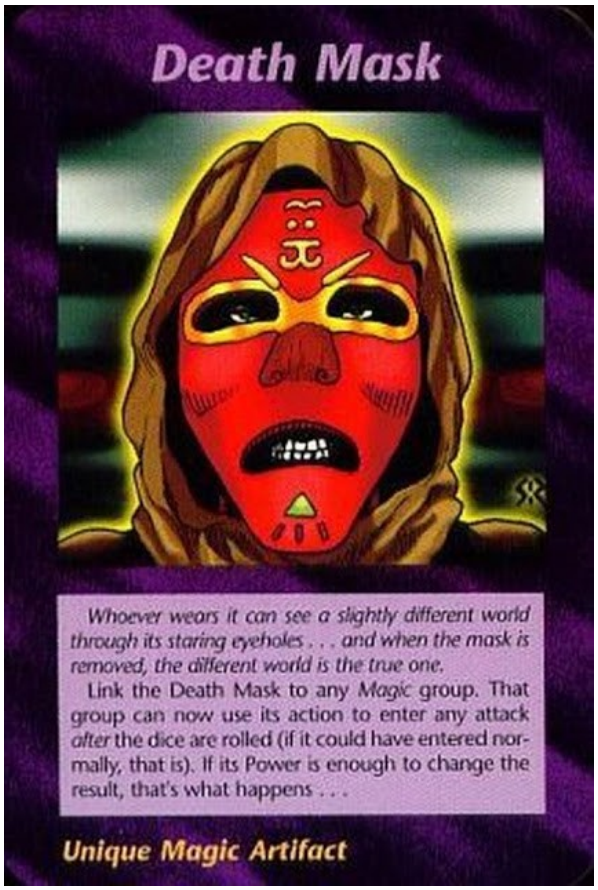

जो भी इसे पहनता है, वह अपनी आंखों से एक थोड़ी अलग दुनिया देख सकता है...
और जब मुखौटा उतरता है, तो वह दूसरी दुनिया ही असली दुनिया बन जाती है।
इस पत्र में प्रत्यक्ष रूप से कोई भविष्यवाणी या अन्य षड्यंत्र का उल्लेख नहीं है।
यह सैद्धांतिक है, लेकिन इससे मुझे इस पुस्तक के विषय और जो मैं आपको यहां दिखा रहा हूं, उसके बारे में थोड़ा और विस्तार से बताने का अवसर मिलता है।
जब आप अपने ऊपर से मुखौटा या पट्टी हटाते हैं, तो आप धीरे-धीरे ऐसी चीजें देखें जो दूसरे नहीं देख पाते, या ऐसी चीजें जो हमेशा से मौजूद थीं लेकिन आप उन्हें पहले नहीं देख पाते थे क्योंकि शायद आपने कभी उनके अस्तित्व की कल्पना भी नहीं की थी।
मेरी राय में, इस कार्ड को "मौत का मुखौटा" इसलिए कहा जाता है क्योंकि हम
इसे पहने रहने से हम उन "सच्चाइयों" के आदी हो जाते हैं जिन्हें हमें सच मानकर बेचा गया है, लेकिन एक बार जब हम इसे उतार देते हैं, तो हम संभावनाओं के अनंत संसार तक पहुँच सकते हैं। साथ ही, मुझे लगता है कि इसी में यह स्पष्ट है कि इसे "मृत्यु" क्यों कहा जाता है क्योंकि जिस त्रि-आयामी भौतिक संसार में हम रहते हैं, उसमें मृत्यु एक वास्तविकता है, जबकि वास्तव में आध्यात्मिक स्तर पर ऐसा नहीं है। क्या मृत्यु महज़ एक सामाजिक रचना हो सकती है? क्या ऐसा है कि यदि हम ऊर्जा हैं और सब कुछ ऊर्जा है... तो कोई भी चीज़ कैसे मर सकती है? हालाँकि, असली सवाल और वह सवाल जो मुझे आपसे पूछने के लिए सबसे ज़्यादा उत्सुक करता है, वह यह है... क्या आप अपना मुखौटा उतारने को तैयार होंगे?

आपको शायद यह पूछना हास्यास्पद लगे क्योंकि अगर आप यह किताब पढ़ रहे हैं तो...
ऐसा इसलिए है क्योंकि आप किसी भी चीज़ से नहीं डरते, खासकर सच जानने से। लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप इस सवाल को गंभीरता से महसूस करें। अगर यहाँ जो कुछ भी आप देखेंगे, उसका कम से कम एक हज़ारवाँ हिस्सा भी सच हो जाए, तो आपको कैसा लगेगा?
लोग कहते हैं कि कुछ बातें अज्ञात ही रहनी चाहिए। मैं सहमत हूँ। लेकिन मैं
मेरा यह भी मानना है कि हमें सब कुछ जानने का पूरा अधिकार है और यह सब हमें तभी प्राप्त होगा जब हम इसे ग्रहण करने के लिए तैयार होंगे। जब हम उस स्तर तक पहुँचते हैं, उससे जुड़ते हैं और इस आयाम में अपने वर्तमान अनुभव को संजोते हैं, तब तक यह सब हमें प्राप्त होगा।
अंत में, स्वयं इस कार्ड और इसकी तुलना एक अन्य कार्ड से करके देखें।
एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना। 11 सितंबर के हमले।
कार्ड 5 और 6: आतंकवादी परमाणु बम और पेंटागन

ट्विन टावर्स के बारे में बहुत कुछ कहा जा चुका है और
इनमें से कई दावों को पागलपन और यहां तक कि मूर्खतापूर्ण करार दिया गया है। इनमें से एक दावा यह है कि जुड़वां टावरों को किसी हवाई जहाज से नहीं, बल्कि टावर के अंदर से किए गए विस्फोटकों से ध्वस्त किया गया था। इस बात का समर्थन इस तथ्य से होता है कि यह

थोड़ा असंभव लगता है कि स्टील के बीम केवल विमानों के ईंधन और उनके विस्फोट से गिर गए हों, भले ही यह ध्यान में रखा जाए कि कथित दुर्घटना 47 वीं मंजिल की ऊंचाई पर हुई थी।
इसके अलावा, हमारे पास वह इलुमिनाती कार्ड भी है जिसे आप देख रहे हैं।
आपके बाईं ओर "टेररिस्ट न्यूक" यानी "आतंकवादी परमाणु बम" शीर्षक वाला लेख है।
और याद रखें, ये कार्ड 6 साल पहले बनाए गए थे।
बमबारी।
मानो इतना ही काफी नहीं था, अभी और भी बहुत कुछ है। कुछ लोगों का कहना है कि मीडिया भी इस साजिश का हिस्सा था क्योंकि वे
कहा जाता है कि उसे होने वाली हर एक घटना का पूरा अंदाजा था। ऐसा कहा जाता है कि मुख्य चैनलों के पास एक स्क्रिप्ट थी और इसे साबित करने के लिए,
बीबीसी की पत्रकार जेन स्टैंडली का एक वीडियो है जिसमें उन्हें टावरों में लगी आग की पृष्ठभूमि में घटनाओं की रिपोर्टिंग करते हुए देखा जा सकता है।
प्रसारण के बीच में, उसके चेहरे के बीचोंबीच एक बैनर दिखाई दिया।
रिपोर्ट में बताया गया कि 7 वर्ल्ड ट्रेड सेंटर भी ढह गया है। यह संदेश स्क्रीन पर एक मिनट से अधिक समय तक रहा। हालांकि, उस समय तक इमारत ढही नहीं थी। यह कुछ मिनट बाद गिरी।
कार्ड 6: पेंटागन
खैर, ट्विन टावर्स के नीचे वाली दूसरी तस्वीर और कोई नहीं बल्कि वही है।

पेंटागन, जिस पर उसी दिन कथित तौर पर आतंकवादी हमला हुआ था। हालांकि इस बारे में ज़्यादा सिद्धांत नहीं हैं क्योंकि ध्यान मुख्य रूप से ट्विन टावर्स पर केंद्रित था, फिर भी मैं इस पत्र और उससे संबंधित असली तस्वीर को संलग्न कर रहा हूँ ताकि इस बात की पुष्टि हो सके। इलुमिनाती के चार्ट्स ने इन घटनाओं की विस्तृत भविष्यवाणी की थी। हालांकि, मैं सुधार करना चाहूँगा, इन पत्रों ने केवल हमें पहले से ही कुछ ऐसी बात बताई जो पहले से तय थी। कुछ ऐसा जो पूरी आबादी को पता नहीं था कि होने वाला है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह पहले से ही लिखा हुआ था।
अंत में, और इस अध्याय को समाप्त करने के लिए, मैं चाहता हूं कि हम किसी चीज़ पर नज़र डालें।
असली कारोबार: पेटेंट
इस समय मुझे पता है कि अब तक हमने जो जानकारी देखी है वह ज्यादातर चौंकाने वाली बातें हैं, लेकिन मैंने कुछ और बातें आखिर के लिए बचाकर रखी हैं। क्या आप जानते हैं कि न केवल बीमारियों के लिए बल्कि "बाह्य अंतरिक्षीय" तकनीक के लिए भी पेटेंट पंजीकृत हैं?
जब कोई व्यक्ति कुछ बनाता है और उस पर अपना मालिकाना हक चाहता है, तो वे
इसका पेटेंट कराना आवश्यक है। और इनमें से कई पेटेंट गूगल पर सूचीबद्ध हैं और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं।
तो चलिए देखते हैं कि उनमें से कुछ क्या कहते हैं:
आगे बढ़ने से पहले, एक जानकारी के तौर पर, यदि आप देखना चाहते हैं तो
मैं आपको यही तरीका यहां भी दिखाऊंगा, बस गूगल सर्च इंजन में पेटेंट का कोड टाइप करें।

पेटेंट संख्या 1: कोरोनावायरस

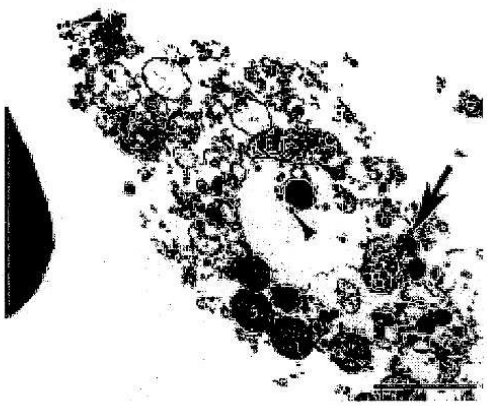

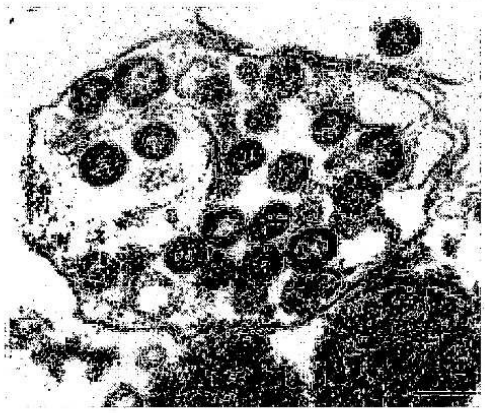

कोड: US7220852B1
गूगल पर इसके बारे में यह लिखा है:
हाल ही में अलग किया गया एक मानव कोरोनावायरस (SARS-CoV), जो इस बीमारी का कारण है
इस लेख में गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम (SARS) के कारक का खुलासा किया गया है। साथ ही, SARS-CoV जीनोम के न्यूक्लिक एसिड अनुक्रम और SARS-CoV ओपन रीडिंग फ्रेम के अमीनो एसिड अनुक्रम, और इन अणुओं का उपयोग करके SARS-CoV का पता लगाने और SARS-CoV संक्रमण का पता लगाने की विधियाँ भी प्रदान की गई हैं।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] 2: [illegible] [illegible] [illegible]

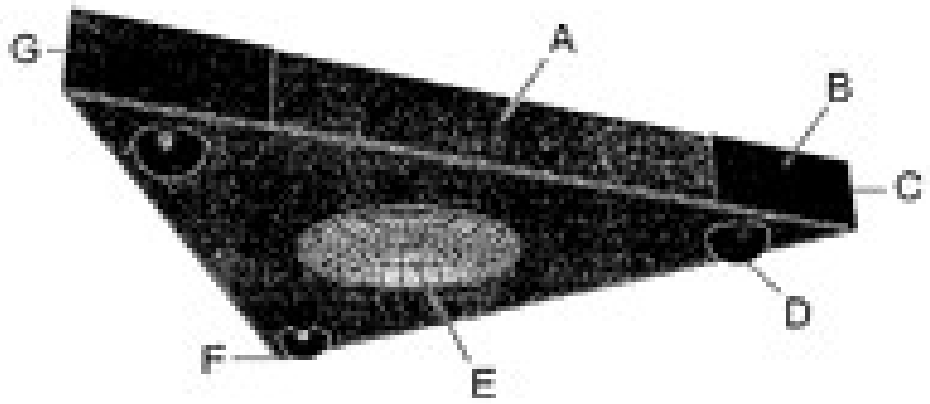

□□□: US20060145019A1

□□□□ □□ □□□ □□□□ □□:

□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□

□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□, □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□, □□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□

□□□□□□ □□□□□□ 3: □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□?

Figure 4

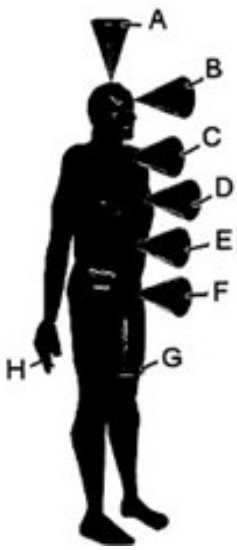

Figure 5

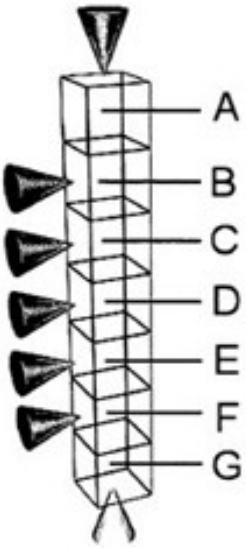

Figure 11

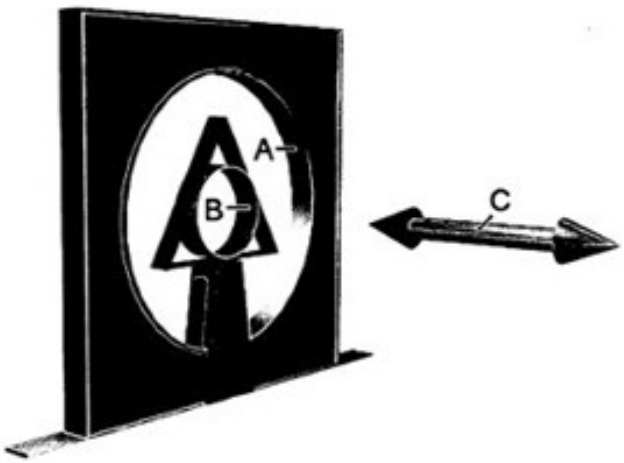

□□□: US20060071122A1

□□□□ □□ □□□ □□□□ □□:

□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□

□□□□□□ □□□□□□ 4: □□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□

□□□□□□ □□

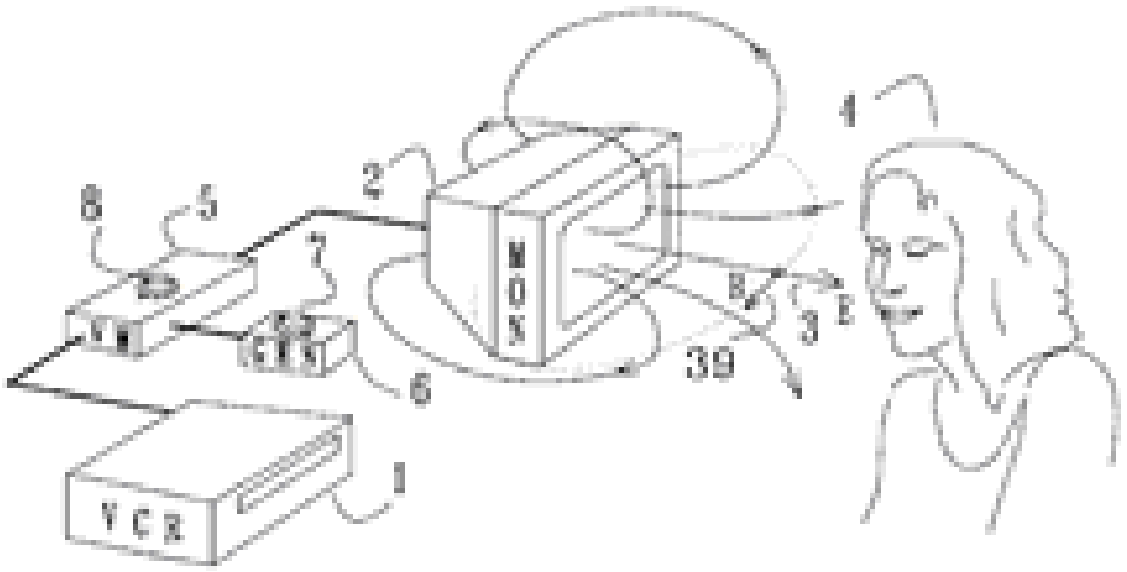

कोड: US6506148B2
गूगल पर यही लिखा है:
एक मानव विषय में शारीरिक प्रभाव देखे गए हैं
त्वचा को कुछ आवृत्तियों (लगभग ½ हर्ट्ज़ या 2.4 हर्ट्ज़) पर स्पंदित कमजोर विद्युत चुम्बकीय क्षेत्रों से उत्तेजित करने पर संवेदी अनुनाद उत्पन्न हो सकता है। कई कंप्यूटर मॉनिटर और टीवी ट्यूब, स्पंदित छवियों को प्रदर्शित करते समय, पर्याप्त आयाम के स्पंदित विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र उत्सर्जित करते हैं जो इस प्रकार की उत्तेजना उत्पन्न कर सकते हैं। इसलिए, पास के कंप्यूटर मॉनिटर या टीवी सेट पर प्रदर्शित छवियों को स्पंदित करके किसी व्यक्ति के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करना संभव है। बाद वाले मामले में, स्पंदित छवि को प्रोग्राम सामग्री में एम्बेड किया जा सकता है, या इसे आरएफ सिग्नल या वीडियो सिग्नल के रूप में वीडियो स्ट्रीम को मॉड्यूलेट करके सुपरइम्पोज़

किया जा सकता है। कंप्यूटर मॉनिटर पर प्रदर्शित छवि को एक साधारण कंप्यूटर प्रोग्राम द्वारा प्रभावी रूप से स्पंदित किया जा सकता है।
पेटेंट संख्या 5: विद्युत द्विध्रुवीय अंतरिक्ष यान

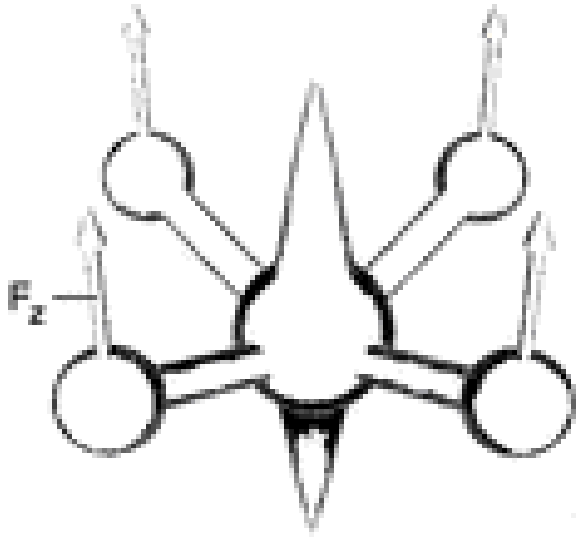

कोड: US20060038081A1
गूगल पर इसके बारे में यह लिखा है:
यह आविष्कार एक घूर्णनशील अंतरिक्ष यान है जो चार घूर्णनशील गोलाकार चालक गुंबदों में एक विद्युत द्विध्रुव उत्पन्न करता है जो एक समान गोलाकार विद्युत क्षेत्र को विक्षोभित करके एक चुंबकीय क्षण उत्पन्न करता है जो चुंबकीय क्षेत्र के ढाल के साथ परस्पर क्रिया करता है और पतवार पर उत्प्लावन बल उत्पन्न करता है।
पेटेंट संख्या 6: इबोला

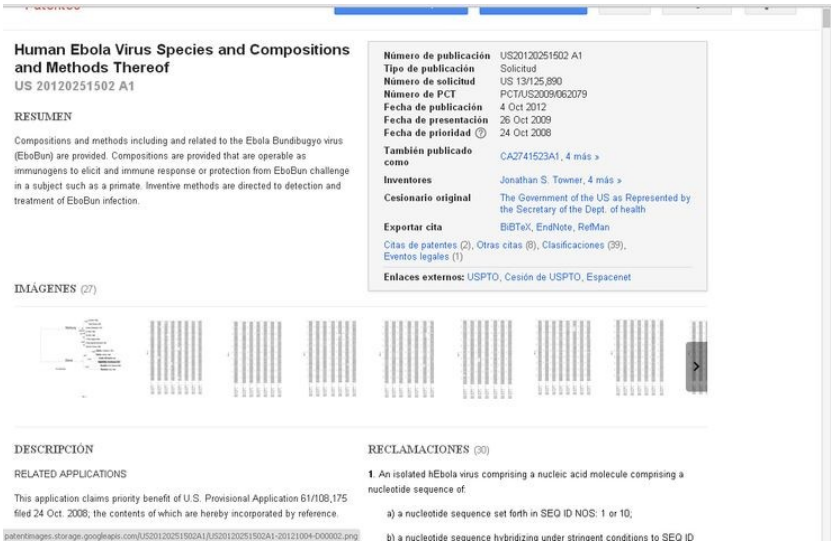

Human Ebola Virus Species and Compositions and Methods Thereof

US 20120251502 A1

RESUMEN

Compositions and methods including and related to the Ebola Bundibugyo virus (EboBun) are provided. Compositions are provided that are operable as immunogens to elicit and immune response or protection from EboBun challenge in a subject such as a primate. Inventive methods are directed to detection and treatment of EboBun infection.

Número de publicación	US20120251502 A1
Tipo de publicación	Solicitud
Número de solicitud	US 13/125,890
Número de PCT	PCT/US2009/062079
Fecha de publicación	4 Oct 2012
Fecha de presentación	26 Oct 2009
Fecha de prioridad	24 Oct 2008
También publicado como	CA2741523A1, 4 más »
Inventores	Jonathan S. Towner, 4 más »
Cesionario original	The Government of the US as Represented by the Secretary of the Dept. of health
Exportar cita	BiBTeX, EndNote, RefMan

Citas de patentes (2), Otras citas (8), Clasificaciones (39), Eventos legales (1)

Enlaces externos: USPTO, Cesión de USPTO, Espacenet

IMÁGENES (27)

DESCRIPCIÓN

RELATED APPLICATIONS

This application claims priority benefit of U.S. Provisional Application 61/108,175 filed 24 Oct. 2008, the contents of which are hereby incorporated by reference.

RECLAMACIONES (30)

1. An isolated hEbola virus comprising a nucleic acid molecule comprising a nucleotide sequence of:

a) a nucleotide sequence set forth in SEQ ID NOS: 1 or 10;

b) a nucleotide sequence hybridizing under stringent conditions to SEQ ID

patentimages.storage.googleapis.com/US20120251502A1/US20120251502A1-20121004-D00002.png

□□□: US20120202511501502A1

□□□□ □□ □□□ □□□□ □□:

□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ (□□□□□□) □□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□, □□□□ □□ □□□□□□□□, □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□

2014-2016 □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□, □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ 2008 □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□, 2016 □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□

□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ 1947 □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□, □□ □□□□□ □ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□, □□□□□ □□ □□

वे इसे 600 यूरो में बेच रहे थे। कौन? रॉकफेलर परिवार, जो मानव जाति के सबसे शक्तिशाली और धनी परिवारों में से एक है। हालांकि हमारे पास ला एर का पेटेंट कोड नहीं है, लेकिन यह बिल्कुल भी नहीं है
इसे एक बहुत ही संभावित संभावना के रूप में सोचना अजीब लगता है। हालांकि, एक प्रतिबिंब के रूप में, इस पर जोर देना और इसे छोड़ना भी आवश्यक है।
संदेह की गुंजाइश है। यह संभव है कि, हालांकि यह सब संभव है, वास्तव में यह नकली हो। मुझे पता है, इसे पढ़कर अब आपको थोड़ी निराशा हो रही होगी क्योंकि आपका मन पहले से ही एक नई वास्तविकता या विश्वदृष्टि के प्रति आश्वस्त होने लगा था। और मुझे लगता है कि समस्या यहीं है और मैं नहीं चाहता कि आप इस पर चर्चा करें। क्योंकि मैं आपको समझाने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ, न ही मैं आपको उस रास्ते पर जाने का सुझाव दे रहा हूँ।
एक विश्वास से दूसरे विश्वास की ओर जाने से आप केवल उसी में डूबे रहेंगे।
विचार और अधिक संदेह।
इस पुस्तक और इस जानकारी को सावधानीपूर्वक ही स्वीकार करना चाहिए।
और यह मनोरंजन से कहीं अधिक है।
दरअसल, मेरा मानना है कि जीवन में हर चीज को इसी नजरिए से देखना चाहिए। मुझे सबसे ज्यादा मदद इस बात से मिली है कि मैं हर चीज पर पूरी तरह से सवाल उठाऊं।
और फिर, वहाँ से, यह चुनें कि आप किस पर विश्वास करना चाहते हैं। लेकिन किसी ज़रूरत के कारण चुनाव न करें, न तो आपको और न ही मुझे किसी चीज़ पर विश्वास करने की आवश्यकता है। लेकिन इस अनुभव में

[illegible]

चूंकि यह सबसे हालिया घटना है, इसलिए कोविड से संबंधित सिद्धांतों, इसके हेरफेर और योजना के इर्द-गिर्द घूमने वाली हर बात सच नहीं हो सकती और हम किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते। मेरे दृष्टिकोण से, कुछ चीजें स्पष्ट हैं जिन पर हम कम से कम टिप्पणी कर सकते हैं:
मास्क का उपयोग
ठीक है, मान लीजिए कि यह सच है कि वायरस बेहद संक्रामक है और कोई भी इससे अछूता नहीं है, लेकिन मास्क के उपयोग से यह लगभग 0 प्रतिशत तक कम हो जाएगा।
खैर, यह बात मुझे समझ में नहीं आती। हालांकि मास्क का इस्तेमाल कोई नई बात नहीं है, क्योंकि यह चिकित्सा केंद्रों में बहुत आम है, फिर भी अब पूरी दुनिया की आबादी में एक ही डर बैठा हुआ है: अगर मैं मास्क नहीं लगाऊंगा, तो मुझे संक्रमण हो सकता है, इसलिए मैं इसे (भले ही मैं न लगाना चाहूं) लगा रहा हूं ताकि मुझे संक्रमण न हो। फिर देखते ही देखते संक्रमण फैल जाता है। मास्क लगाने की बात वैसी ही है जैसे उंगली से सूरज को ढकने की कोशिश करना। यह अंदरूनी डर का बाहरी समाधान है।
सोशल डिस्टन्सिंग
सामाजिक प्राणी होने के नाते, दूसरों के साथ संबंध स्थापित करना और
गुणवत्तापूर्ण समय बिताने से हमारे शरीर पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अध्ययनों से पता चलता है कि केवल गले लगाने मात्र से ही हम अधिक आराम महसूस करते हैं, आत्मविश्वास बढ़ता है और तनाव कम होता है।
हम ऐसा काम करना क्यों बंद कर देंगे जिसके इतने अच्छे परिणाम दिखते हैं?

हमारे स्वास्थ्य पर इसके क्या प्रभाव होंगे?
मैं उन लोगों में से एक था जो शुरू में सभी के प्रति बहुत सहानुभूति रखते थे।
सोशल डिस्टेंसिंग के विचारों ने मुझे इतना जकड़ लिया था कि मैं हर बार किसी चीज को छूने के बाद हाथ धोने के लिए जुनूनी हो गई थी और यहां तक कि अपनों से मिलने-जुलने के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भी जाना बंद कर दिया था, ताकि मुझे संक्रमण न हो जाए। सौभाग्य से, मैं इस दौर से बाहर निकल पाई और मुझे एहसास हुआ कि मैं बेवजह डर रही थी। इससे मुझे यह स्वीकार करने में मदद मिली कि सब कुछ जैसा है वैसा ही ठीक है।

टीके
समस्या उत्पन्न होने के बाद से, यही सबसे अधिक वांछित रहा है। और अधिकांश लोगों द्वारा अपेक्षित समाधान। एक बार फिर, एक आंतरिक समस्या का बाहरी समाधान। मेरे लिए यह देखना हास्यास्पद था कि कैसे उन्होंने एक वैक्सीन लॉन्च की और कुछ ही समय बाद उन्होंने कहा कि एक और खुराक देनी होगी क्योंकि पिछली खुराक उतनी प्रभावी नहीं थी। और फिर वे लोग जो बेहतर दिखने वाली वैक्सीन के पीछे भागे। कई बार मुझे आश्चर्य हुआ, "क्या सच में कोई इस पर सवाल नहीं उठाता?"
मैं समझ सकता हूँ कि कई लोगों के पास उस समय कोई विकल्प नहीं रहा होगा।
कुछ लोग समय के साथ-साथ इस प्रक्रिया का हिस्सा बने बिना ही आगे बढ़ते रहे, लेकिन दूसरे लोग, अन्य लोग टीका लगवाने के लिए पागल हो गए।
मैं अगले कुछ पृष्ठों में इस उपकरण पर अधिक विस्तार से चर्चा करूंगा।
किसी आंतरिक समस्या का बाहरी समाधान और इस प्रक्रिया में हमारी मानसिक शक्ति।

समाचार प्रसारण
अगर आप खबरों पर गौर करें, खासकर कोविड और महामारी से जुड़ी खबरों पर, तो यह बात साफ नजर आती है कि वे कितनी बेशर्मी और बढ़ा- चढ़ाकर बातें कर रही थीं। वे बस यही कह रहे थे कि लोग इस वायरस से मर रहे हैं और असल में हो सिर्फ रहा यह था कि इसका प्रसार बढ़ रहा था। जाहिर है, लंबे समय तक कोविड के अलावा किसी और बीमारी से कोई नहीं मर रहा था। इतना ही नहीं, वे हमेशा यह कहकर अपनी बात को सही ठहराते थे कि वे पूरी सच्चाई इसलिए नहीं बताते ताकि "घबराहट न फैले", लेकिन महामारी के मामले में तो मामला बिल्कुल उल्टा था। अजीब बात है।
बाजार और अर्थव्यवस्था
मुझे याद है उस समय मैं वित्तीय बाजारों का विश्लेषण कर रहा था और
मैं वैश्विक मुद्राओं की खरीद-बिक्री पर सट्टा लगाकर लेन-देन से पैसा कमाता था। हालाँकि मेरी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, फिर भी मैं वैश्विक खबरों में बहुत दिलचस्पी रखता था क्योंकि ये वो खबरें होती हैं जो बाज़ार को सबसे ज़्यादा प्रभावित करती हैं, जो विशुद्ध रूप से सामूहिक भावनात्मकता पर आधारित होती हैं। उस समय समाचार पढ़ना और दुनिया में वित्तीय रूप से क्या हो रहा है, इसकी जानकारी रखना मेरे दैनिक जीवन का हिस्सा था। मैंने वर्षों तक प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि अर्थव्यवस्था को किस प्रकार हेरफेर करके चलाया जाता है।
अंदरूनी घटनाक्रम। वे किस तरह फर्जी या विलंबित खबरों के जरिए कीमतों में लगातार हेरफेर करते हैं ताकि वे और अधिक धन जमा कर सकें और बड़ी कंपनियां लगातार अमीर होती जा रही हैं।
उस समय काफी चर्चा थी कि बाजार इस तरह से आगे नहीं बढ़ सकते।

यह तब से है जब वे अपने चरम पर थे। हर वो चीज़ जो ऊपर जाती है, उसे नीचे आना ही पड़ता है और किसी भी क्षण कुछ भी हो सकता है।
लेकिन ज़ाहिर है, सब कुछ यूं ही नहीं हो जाता। कुछ चीज़ों की ज़रूरत होती है।
किसी वैश्विक आपदा जैसी बाहरी घटना से बाजार में तीव्र गिरावट आ सकती है। कोविड इसके लिए एकदम सही साधन साबित हुआ।

विश्व जनसंख्या
एक अफवाह फैल रही थी कि धरती पर हमारी आबादी पहले से ही बहुत ज़्यादा हो गई है और एक तरह से सफ़ाई अभियान ज़रूरी है। और चूंकि वायरस मुख्य रूप से बुज़ुर्गों को प्रभावित करता है, जिन्हें अर्थव्यवस्था पर बोझ माना जाता है, इसलिए इस धंधे का भरपूर फ़ायदा उठाया गया। एक बेहद संक्रामक वायरस फैलाओ और सभी निवासियों में डर पैदा करो ताकि यह और भी कारगर हो सके। मुझे पता है यह काफ़ी क्रूर लगता है, लेकिन इसके पीछे तर्क है। ऐसे स्तरों पर जिनके बारे में हमें कोई जानकारी नहीं है, सब कुछ सिर्फ़ एक शुद्ध व्यापार है।
शक्तियों के बीच युद्ध
महामारी फैलने से कुछ समय पहले, अमेरिका और के बीच हालात
चीन बेहद तनाव में था। कहा जाता है कि यह वास्तव में अमेरिका द्वारा आर्थिक उद्देश्यों के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में योजनाबद्ध था, क्योंकि चीन विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बनने की राह पर है, यदि वह पहले से ही नहीं है। इसलिए, इस वायरस को वहाँ फैलाकर, जिसकी मुख्य विशेषता अत्यधिक संक्रामक होना है, चीन द्वारा निर्यात किए जाने वाले सभी उत्पादों को खतरनाक माना जाएगा, जिससे उनकी आय कम हो जाएगी। (यह शुरुआत में अधिक था, तब से हालात बदल चुके हैं)।
इसके अलावा, कुछ अन्य लोग यह भी कहते हैं कि वास्तव में चीन ही वह देश था जिसने ऐसा किया।
उन्होंने इस वायरस का निर्माण कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया, जैसे कि अपने देश में स्थित बड़ी अमेरिकी कंपनियों पर कब्जा करना, जो महामारी के उद्भव से बुरी तरह प्रभावित हुई थीं।

निःसंदेह, यह एक ऐसा सत्य है जो हमारी जानकारी से परे है। इकट्ठा होना तो ठीक है, लेकिन इसमें एक पेंच है। मेरा मानना है कि यहाँ किसी अपराधी को ढूंढने का सवाल नहीं है, बल्कि यह जानने का सवाल है कि हम सभी में भारी भय पैदा करके हमें कितनी आसानी से हेरफेर और धोखा दिया जा सकता है।
डिजिटल क्षेत्र में तेजी
यह स्पष्ट था कि प्रौद्योगिकी और दूरस्थ कार्य की बाढ़
इसका आना तय था, लेकिन क्वारंटाइन के चलते इसे लागू करने की गति लोगों की उम्मीद से कहीं अधिक तेज और अचानक थी। कई व्यवसायों को बंद करना पड़ा और कई अन्य दिवालिया हो गए क्योंकि वे डिजिटल नहीं हुए, या उन्हें डिजिटल होने का तरीका नहीं पता था।
यह सब एक साधारण वायरस के पीछे का कारण है, लेकिन इसके पीछे डर का भाव छिपा है।
और डर को हेरफेर के हथियार के रूप में इस्तेमाल करना भी कोई नई बात नहीं है।

जी पी पी जी
चर्च अपने आरंभ से ही ऐसा करता आ रहा है, हमें यह बताता आ रहा है कि कुछ ऐसे जघन्य पाप हैं जो सीधे नरक की ओर ले जाते हैं।
हमारा मन अवचेतन रूप से दर्द से बचने के लिए प्रतिप्रवृत्त है। इससे यह होता है
हमें प्रेम से अधिक भय के कारण आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसलिए यदि हम बाहर केवल संक्रमण और मृत्यु ही देखते हैं, तो भय का बीज तब तक बढ़ता रहता है जब तक कि हम उस बिंदु पर नहीं पहुँच जाते जहाँ हमें इस बात पर कोई संदेह नहीं रहता कि यह सब सच है।
मैं यह भी नहीं कह रहा कि यह गलत है। लोग संक्रमित होते हैं और लोग मर भी जाते हैं।
वे मर जाते हैं, लेकिन फिर भी वे व्यक्तिगत और संपूर्ण विश्वास बने रहते हैं। एक सब में और सब संपूर्ण में।
तो, आप सोच रहे होंगे कि क्या मुझे पूरी तरह से अनदेखा कर देना चाहिए?
दुनिया में क्या चल रहा है?
जरूरी नहीं। मेरा मानना है कि इस दुनिया में कई हैं। दुनियाएँ। उदाहरण के लिए, आपका मन एक दुनिया है, साथ ही आपके पड़ोसी, आपके साथी या आपके माता-पिता का मन भी। प्रत्येक व्यक्ति अपनी-अपनी वास्तविकता में रहता है और यहीं से वह समग्र वास्तविकता का निर्माण करता है और उसमें योगदान देता है। इसलिए आपको बाकी चीजों को नजरअंदाज करने की जरूरत नहीं है, इतना ही काफी है।
अपने आप को जानो।
आप इसे महामारी और उससे जुड़ी हर चीज़ पर कैसे लागू करेंगे?

है?
यदि हमें मास्क पहनने के लिए कहा जाता है, तो इसे केवल निर्देशों का पालन करने के लिए पहनें।
लेकिन यह मानना सही नहीं है कि मास्क ही समाधान है।
अगर वे आपसे कहें कि काम जारी रखने के लिए आपको टीका लगवाना होगा
या फिर, अगर आपके पास कोई और विकल्प नहीं है तो X काम करें, लेकिन यह जानते हुए कि टीका भी समाधान नहीं है।
जो व्यक्ति लोगों के भय को जानता है, वही उनका स्वामी बन जाता है।
आत्माएँ। -अनाम
मैं और भी बहुत कुछ कह सकता हूँ। लेकिन फिर, समाधान क्या है? यह जानना कि कोई समस्या नहीं है। कि केवल मान्यताएँ हैं। यदि
कोई समस्या नहीं है, आपको समाधान की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, जब किसी समस्या को हल करने की आवश्यकता ही न हो, तो आप उस पर ध्यान केंद्रित न करें, बल्कि अपने जीवन को जीने पर ध्यान दें। हम पर लागू नियमों को देखने का एक और तरीका यह है कि हम ऐसा करें: विलोम।
यदि आपको स्वयं को अलग-थलग रखने, गले न लगाने, मुट्ठी न मिलाने या हाथ न धोने के लिए कहा जाता है
हर क्षण अपने हाथों को इसके विपरीत रखें।
हां हां
एक दूसरे के साथ समय बिताएं, खूब गले मिलें, खुशी से हाथों को कसकर पकड़ें और अपने हाथ धोएं।
अगर आप चाहें तो हाथ लगा सकते हैं।

मेरा मतलब क्या है? डर के मारे कुछ मत करो। वही करो जो तुम सच में करना चाहते हो।
ऐसा करें, लेकिन इसके पीछे की अपनी भावना के प्रति सचेत रहें। आप प्यार की वजह से भी खुद को अलग-थलग कर सकते हैं। आप गले नहीं लगा सकते क्योंकि...
बस मन न करे तो मुट्ठी मिला लो, क्योंकि इसमें तुम्हें ज़्यादा मज़ा आता है। हम हर चीज़ को कई नज़रियों से देख सकते हैं और उनमें से कोई भी सही या गलत नहीं होगा, सिवाय उस नज़रिए के जो तुम्हें सही लगे। तुम्हारे भीतर की भावना से, न कि तुम्हारे मन में किसी बात के डर से।
इन सब बातों से अब हमें उस मानसिक शक्ति के बारे में बात करने का अवसर मिलता है जो हम सभी के पास होती है।
पास होना।
इलाज आपकी सोच से कहीं ज्यादा करीब है।
क्या आपने अपने जीवन में कभी ऐसा कुछ कहा है, जैसे "मैं
मैं इसे इसलिए लेने जा रहा हूँ क्योंकि यह मेरे लिए अच्छा है" या "जब मैं ऐसा करता हूँ तो मुझे हमेशा बेहतर महसूस होता है"?
यह आपके शरीर को स्वयं से ही अनुकूलित करने के अलावा और कुछ नहीं था।
किसी विशिष्ट क्रिया को करने पर एक निश्चित तरीके से प्रतिक्रिया करना। यह प्लेसीबो प्रभाव जैसा है: किसी चीज़ के बारे में आपके शब्द और विचार उस चीज़ के संभावित प्रभाव को निर्धारित करते हैं।
प्लेसीबो प्रभाव, हालांकि इसके बारे में ज्यादा बात नहीं की जाती है, उन प्रभावों में से एक है जो

सबसे अविश्वसनीय रहस्य जो हम सभी से संबंधित है, क्योंकि हम सभी इसे जीते हैं और इसका उपयोग करते हैं, भले ही हम इसे जानते न हों।
यह एक बेहतरीन किताब है जिसे पढ़कर आप काफी ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।
इस विषय पर डॉक्टर जो डिस्पेंसा द्वारा लिखित पुस्तक "द प्लेसीबो इज यू" उपलब्ध है।
प्लेसीबो प्रभाव को संक्षेप में समझाने के लिए हम कह सकते हैं कि
अगले:
अगर आप डॉक्टर के पास जाते हैं और वे आपको बताते हैं कि X दवा अगर दवा उस समय आपके साथ जो हो रहा है, उसके लिए कारगर है, तो आप उस पर विश्वास कर लेते हैं। भला आप इस पर शक कैसे कर सकते हैं? लेकिन अगर दवा में रासायनिक गुण होने के बजाय, वह सिर्फ एक गोली में लिपटी चीनी हो तो क्या होगा?
दूसरे शब्दों में कहें तो, आपको वही दवा दी जाती है, लेकिन असल में क्या होता है?
इसमें एक ऐसी चीज शामिल है जिसका आप हर दिन सेवन करते हैं और आप इसे औषधीय गुणों से नहीं जोड़ते हैं।
क्या आपको लगता है कि इसका असर असली दवा जैसा होगा? जी हाँ, यह साबित हो चुका है कि इसका असर होता है। इसका सीधा सा कारण यह है कि मरीज
अगर उसे विश्वास हो जाता है कि वह जो कुछ भी खाएगा उससे वह ठीक हो जाएगा, तो वह ठीक हो जाता है।

जी जी वाई जी
ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने अपने मन को आदेश दिया है और वह आश्वस्त है कि ऐसा ही होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि डॉक्टर उसे जो दवा दे रहा है, वह उसके लिए लाभकारी ही होगी।
और भले ही यह आपके मन को धोखा देने जैसा लगे,
वास्तव में, इसके विपरीत सच है। एक अध्ययन किया गया जिसमें रोगियों को बताया गया कि वे चीनी की गोलियां लेने जा रहे हैं, लेकिन इसका उनके स्वास्थ्य पर वही सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा जो दवा लेने का होता है, और परिणाम सकारात्मक रहे: रोगियों की सेहत में सुधार हुआ, भले ही उन्हें पता था कि वे प्लेसबो ले रहे हैं। श्री राइट की एक बहुत प्रसिद्ध कहानी है, जिन्हें यह बीमारी थी। 1957 में उन्हें कैंसर हो गया और उनके पास जीने के लिए केवल कुछ ही दिन बचे थे। कैलिफोर्निया के लॉन्ग बीच में संतरे के आकार के ट्यूमर के साथ अस्पताल में भर्ती होने पर, उन्हें पता चला कि घोड़े के सीरम, क्रेबियोजेन, की खोज हुई है जो कैंसर के खिलाफ प्रभावी हो सकता है। उनके डॉक्टर, फिलिप वेस्ट, शुक्रवार की दोपहर को उन्हें यह देने के लिए सहमत हो गए। अगले सोमवार को, अपने "मृत्युशय्या" के बाहर, रोगी नर्सों के साथ मजाक कर रहे थे, और कुछ दिनों बाद उन्होंने पाया कि ट्यूमर "बर्फ के गोलों की तरह पिघल गए थे।"
दो महीने बाद, राइट ने ऐसी रिपोर्टें पढ़ीं जिनमें सीरम को नकली बताया गया था।
इलाज के बाद, उनकी हालत तुरंत बिगड़ गई। डॉक्टर ने राइट से कहा, "अखबारों में जो पढ़ते हो उस पर विश्वास मत करो," और उन्हें पानी का इंजेक्शन लगाया, यह कहते हुए कि यह दवा का "दुगुना असरदार" रूप है। एक बार फिर, ट्यूमर पिघल गया। राइट दो महीने तक बिल्कुल

स्वस्थ रहे, जब तक कि उन्होंने एक रिपोर्ट नहीं पढ़ी जिसमें बताया गया था कि क्रेबियोजेन बेकार था। दो दिन बाद उनकी मृत्यु हो गई।
हालांकि यह कहानी सरल है, लेकिन यह उस बात को सरल बनाती है जिसका मैंने पहले उल्लेख किया था:
आपके मन में आपको ठीक करने और बीमार करने दोनों की बहुत बड़ी शक्ति है।
उपरोक्त कहानी में यह स्पष्ट रूप से दिखाया गया है कि प्लेसीबो प्रभाव कैसे काम करता है, दोनों
अच्छे और बुरे दोनों के लिए। ठीक करने और इलाज करने दोनों के लिए। अब, आइए सिक्के के दूसरे पहलू पर केंद्रित एक और प्रयोग देखें, आइए नोसेबो प्रभाव के बारे में बात करते हैं।
बीमारी एक भ्रम है
समान, लेकिन विपरीत। बल्कि, नोसेबो प्रभाव हमारे व्यवहार का वर्णन करता है।
यह मानने की क्षमता कि कुछ हमारे साथ गलत होगा और यह हमारी अपनी पूर्वसूचना बन जाती है।
1960 में, एक अध्ययन में अस्थमा से पीड़ित व्यक्तियों पर गौर किया गया। शोधकर्ताओं ने 40 लोगों को ये नमूने दिए।
अस्थमा के मरीज़ों को ऐसे इनहेलर दिए गए जिनमें केवल पानी की भाप थी, लेकिन उन्हें बताया गया कि उनमें एलर्जी पैदा करने वाले या जलन पैदा करने वाले तत्व हैं: उनमें से 9 (48 प्रतिशत) को अस्थमा के लक्षण, जैसे कि वायुमार्ग का संकुचन, महसूस हुए और 12 (30 प्रतिशत) को अस्थमा के गंभीर दौरे पड़े। बाद में शोधकर्ताओं ने उन्हें ऐसे इनहेलर दिए जिनमें एक ऐसी दवा थी जिससे उनके लक्षणों में आराम मिला, और उन सभी के वायुमार्ग फिर

से खुल गए, भले ही इनहेलर में केवल पानी की भाप थी। दोनों ही स्थितियों में, अस्थमा के लक्षणों को उत्पन्न करने और उन्हें समाप्त करने में, मरीज़ों ने शोधकर्ताओं द्वारा उनके मन में डाली गई बात पर प्रतिक्रिया दी और ठीक वैसा ही परिणाम प्राप्त हुआ जैसा अपेक्षित था।
यह सवाल पैदा करती है:
हम कितने आसानी से सुझावों से प्रभावित हो जाते हैं? हम अपनी स्थिति को कितना बदल सकते हैं?
क्या हम अपने मन में ऐसी भविष्यवाणियां गढ़ रहे हैं जो हमारी जानकारी के बिना ही पूरी हो सकती हैं?
मुझे लगा कि इस जानकारी को शामिल करना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह
यह कोविड और उससे संबंधित टीकों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। अगर आप मानते हैं कि टीके आपके लिए फायदेमंद हैं, तो निश्चित रूप से ऐसा ही होगा। और अगर आपको बताया जाता है कि एक खुराक पर्याप्त नहीं है, तो निश्चित रूप से आपको और खुराक लेनी पड़ेगी।
बात यह नहीं है कि बाहर जो कुछ भी है वह सच है या नहीं, बात यह है कि यह आप पर निर्भर करता है कि आप उस पर विश्वास करें या नहीं। तय करें कि यह है या नहीं।
और बेशक, इसका विपरीत भी संभव है, कि आपको किसी चीज़ की आवश्यकता ही न हो।
कोविड से बचने के लिए वैक्सीन लगवाएं। लेकिन अगर आप यह मानना चाहें कि आपको वैक्सीन की ज़रूरत है, तो समझ लीजिए कि आपको ज़रूरत पड़ेगी ही।

सिरदर्द, बुखार या किसी अन्य समस्या होने पर हर बार यही होता है।
बीमारी। अगर ऐसी कोई घटना आपके साथ होती है और आप सबसे पहले दवा लेते हैं क्योंकि उससे आपको आराम मिलता है, तो इससे आपको आराम मिलेगा, लेकिन हमेशा याद रखें, यह सिर्फ आपके विश्वास की वजह से है।
आपको यह भी लग सकता है कि आपको किसी दवा की जरूरत नहीं है, कि सिर्फ सचेत रूप से सांस लेने जैसी सरल क्रिया भी आपको ठीक कर सकती है, या फिर सेब खाने से भी ऐसा हो सकता है।
आप जो भी करें, मुख्य बात यह है कि आप इस बात से अवगत हो जाएं कि बाहरी कारक तो बाहरी ही होते हैं, वे आप नहीं होते, लेकिन वे आपको सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं क्योंकि अंततः आप ही तय करते हैं कि उनका क्या प्रभाव होगा। चाहे आपको इसका एहसास हो या न हो, यही होता है।
वैश्विक स्तर पर, अगर हम सभी यह मान लें कि एक वायरस है और यह अति-
संक्रामक होने के कारण, हम केवल अपनी ही भविष्यवाणी के सहभागी बन रहे हैं। अब, हम दुनिया की वास्तविकता को नहीं बदल सकते, लेकिन हम अपनी व्यक्तिगत वास्तविकता को बदल सकते हैं और वहाँ से, विश्व परिवर्तन में योगदान दे सकते हैं।
यदि हमारा मन किसी भी तरह से प्रभावित होने वाला है, चाहे हम चाहें या न चाहें,
आइए कम से कम इसका उपयोग स्वयं को सशक्त बनाने के लिए करें। इसके सहभागी बनने के लिए नहीं, बल्कि इसके स्वामी और निर्माता बनने के लिए।

इस अध्याय में मैं केवल शब्दों और कार्यों के माध्यम से आपको याद दिला रहा हूँ।
कुछ ऐसा जिसे आप जी रहे हैं और जी चुके हैं, लेकिन अगर आप नहीं बदलते हैं तो आप उसे जीते रहेंगे।
इस अध्याय को समाप्त करने के लिए, मैं आपको 3 रोचक कहानियाँ सुनाना चाहता हूँ।
मानव मन की शक्ति, आपके लिए एक अतिरिक्त जानकारी है ताकि आप अपनी मानसिक शक्ति को याद रख सकें। भले ही आप उन लोगों में से न हों, फिर भी आप भी उन्हीं लोगों का हिस्सा हैं।

मन की शक्तियों की रोचक कहानियाँ:
नीना कुलागिना
टेलीकिनेसिस पर हुई महत्वपूर्ण घटना का प्रतीक यह रूसी व्यक्ति है।
एक नागरिक, जिसने मानसिक शक्तियों का दावा किया था। इसी कारण वह भौतिकविदों, डॉक्टरों और पत्रकारों की देखरेख में अपने प्रयोग करने के लिए सहमत हुई।
एक कार्यक्रम में, नीना ने न केवल अपने पास मौजूद वस्तुओं को उठाने में कामयाबी हासिल की।
उसे ये क्षमताएं दी गई हैं। उसने घड़ी की सुइयां भी घुमा दीं, एक मेंढक के दिल को लकवाग्रस्त कर दिया और एक नजर से ही एक स्वयंसेवक की त्वचा को लाल कर दिया।
कोई भी दर्शक उसके काम का खंडन नहीं कर सका, यहाँ तक कि
बीसवीं शताब्दी के अंतिम बीस वर्षों के दौरान सोवियत संघ द्वारा इस मानसिक क्षमता की जांच की गई थी।

जोआकिम अर्गामासिल्ला
1923 में प्रेस में एक असाधारण मामला सामने आया। सांता कारा के मार्क्विस के बेटे जोआकिम अर्गामासिल्ला बंद बक्सों के अंदर की चीज़ें देख सकते थे, जिससे उनकी असाधारण दृष्टि का पता चलता है। आँखों पर पट्टी बाँधकर, 18 वर्षीय यह लड़का बंद बक्सों के अंदर लिखी बातें पढ़ सकता था या ढक्कन बंद होने पर भी घड़ियों का सही समय बता सकता था। मार्क्विस के घर पर कई अधिकारियों - नोटरी, इंजीनियर, डॉक्टर, भौतिक विज्ञानी, राजनेता, लेखक और पत्रकार - की निगरानी में बार-बार परीक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिससे इस मामले को काफी प्रसिद्धि मिली।
इंगो स्वान
स्वयं को चेतना अन्वेषक कहने वाले इंगो स्वान ने
बृहस्पति ग्रह का अध्ययन करने के लिए रिमोट व्यूइंग तकनीक का उपयोग करने वाले एक प्रयोग के बाद, स्वान को अलौकिक क्षमताओं के अध्ययन और परीक्षण में रुचि रखने वाले लोगों के बीच कुछ प्रसिद्धि मिली। यह घटना 1973 में घटी, जब स्वान ने रसेल टार्ग और हेरोल्ड पुटहॉफ को सुझाव दिया कि वे इस तथ्य का लाभ उठाएं कि वॉयजर प्रोब 1979 में बृहस्पति ग्रह का दौरा करेगा, जिससे उन्हें जानकारी सत्यापित करने का अवसर मिलेगा। अन्य बातों के अलावा, स्वान ने कहा कि शनि की तरह बृहस्पति के चारों ओर वलय हैं, जो उस समय वैज्ञानिक चर्चा का विषय था और वॉयजर से जानकारी प्राप्त होने के बाद सिद्ध हो गया।
इस प्रयोग के परिणामस्वरूप स्वान से कई व्यक्तियों ने संपर्क किया।
उन्होंने इतनी गोपनीयता से काम किया कि उन्होंने कभी भी उस संस्था या कार्यक्रम का नाम नहीं बताया जिससे वे जुड़े थे,

[illegible]

इस अध्याय में आप उस ढक्कन को अलविदा कह सकते हैं जो आपके दिमाग। अगर आपने सैट्सेउप्सर किताब पढ़ी है, तो आपको सूरज पर मौजूद विशाल विसंगतियों और चांद पर मौजूद जहाजों के बारे में थोड़ी बहुत जानकारी तो होगी ही, लेकिन मैं आपको बता दूं कि वे अध्याय यहां जो हम देखेंगे उसके सामने कहीं से भी तुलना नहीं कर सकते।
व्यक्तिगत रूप से मेरा मानना है कि सब कुछ एक साजिश है, लेकिन एक बात अलग है।
कुछ षड्यंत्र निराधार होते हैं और कुछ बिल्कुल अलग होते हैं, जिनके समर्थन में कई ठोस तर्क होते हैं। जब हम कुछ कड़ियों को जोड़ेंगे, तो आपको इस दुनिया की विशालता का एहसास होगा। संभावनाओं की इस विशाल दुनिया को समझने और अपनी छोटी सी हैसियत को महसूस करने के लिए, थोड़ा बाहर झांकना जरूरी है। और हम यहाँ यही करेंगे।

बाह्य अंतरिक्ष यानों का विज्ञान और एलियंस
अक्षय ऊर्जा स्रोत।
किसी ने भी परग्रहियों के बारे में इतनी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है।
बॉब लाजर जैसे व्यक्ति, जो अंतरिक्ष यान और अमेरिकी सरकार के बारे में वर्षों से (1989 से) साक्षात्कारों में और नेटफ्लिक्स पर प्रकाशित अपनी प्रसिद्ध वृत्तचित्र में यूएफओ घटना के बारे में अपने प्रत्यक्ष ज्ञान को साझा करते रहे हैं, अंतरिक्ष यान और अमेरिकी सरकार के बारे में जानकारी साझा करते रहे हैं। लाज़र एक पूर्व सरकारी भौतिक विज्ञानी हैं जिन्होंने 1989 में सुर्खियां बटोरी थीं।
जब उन्होंने अमेरिकी सेना के लिए अलौकिक अंतरिक्ष यानों की रिवर्स इंजीनियरिंग पर अपने अध्ययन का अनावरण किया, तो पूरी दुनिया में सनसनी फैल गई। आज भी, इस सज्जन की कहानी को यूएफओ विज्ञान के क्षेत्र में सबसे चौंकाने वाली कहानियों में से एक माना जाता है, इसलिए आइए उनके खुलासों और इस व्यक्ति के बारे में थोड़ा और विस्तार से बात करते हैं।

बॉब लाजर कौन है?
लाजर एक पूर्व वैज्ञानिक हैं जिन्होंने एस 4 नामक एक सुविधा केंद्र में काम किया था।
ग्रूम लेक के ठीक दक्षिण में, एरिया 51 के हिस्से में स्थित, एस 4 के बारे में अफवाह है कि यह पैपूज़ रेंज के भीतर स्थित है। लाज़र का कहना है कि उन्हें उन जहाजों के प्रणोदन और विद्युत स्रोतों की रिवर्स इंजीनियरिंग पर काम करने के लिए नियुक्त किया गया था, जिनके बारे में उनका दावा था कि वे इस दुनिया के नहीं हैं।
लाजर को 1980 के दशक के उत्तरार्ध में तब प्रसिद्धि मिली जब उन्होंने आगे बढ़कर कदम उठाया।
शुरू में डेनिस नाम का इस्तेमाल करते हुए, उन्होंने लास वेगास के स्थानीय समाचारों से एस 4 में अपने काम के बारे में बात की।
1989 में बिना किसी नकली नाम या दिखावटी रोशनी के दिए गए उनके इस खुले साक्षात्कार ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया।
उन्होंने बताया कि उन्होंने एस 4 में उड़न तश्तरियां देखीं और उन पर काम करते हुए उनकी प्रणोदन विधियों को समझने की कोशिश की।

क्या बॉब लाजर सच में मौजूद है?
जब लाजर पहली बार सामने आया, तो उन्होंने उसकी पूरी पृष्ठभूमि की जांच की।
उनकी जाँच की गई, लेकिन उनके इस दावे का कोई सबूत नहीं मिला कि वे एमआईटी या कैलटेक (अमेरिकी विश्वविद्यालय) गए थे। लाज़र का दावा है कि ये विसंगतियाँ संभवतः सरकार द्वारा उन्हें बदनाम करने के लिए गढ़ी गई हैं। अलौकिक प्रौद्योगिकी के बारे में उनके कथनों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, इन शोधकर्ताओं और वृत्तचित्र फिल्म निर्माताओं जैसे लोग पहले उनके अतीत के बुनियादी तथ्यों को सत्यापित करने में बहुत समय व्यतीत करते हैं और शायद ही कभी उस चरण से आगे बढ़ पाते हैं।
हालांकि, लाज़र के पास इसका अपना प्रमाण है: उसके कुछ दोस्त हैं जो
उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने उसे कैलटेक से उठाया और वहीं छोड़ा था। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने लॉस अलामोस नेशनल लेबोरेटरी में काम किया था, जिसका प्रमाण एक फोन बुक और एक समकालीन समाचार पत्र के लेख से मिलता है, हालांकि प्रयोगशाला ने उनके वहां काम करने से इनकार किया था।
यह वही पुरानी कहानी है: जब महत्वपूर्ण खुलासे होते हैं, तो... अमेरिकी खुफिया एजेंसी इसे सेंसर करने के लिए हर संभव प्रयास करती है और यदि आवश्यक हो तो इसे धरती के नक्शे से मिटाने तक की कोशिश करती है।
बॉब की डॉक्यूमेंट्री में, उन्होंने एलिमेंट 115 का विशेष रूप से उल्लेख किया है।
यह लाजर द्वारा सुनाई गई पूरी कहानी के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक है।

डॉक्यूमेंट्री में, वह कहता है कि तत्व 115 न केवल मौजूद था 1989 में जब वह S4 में थे, तब उन्होंने यह संकेत दिया था कि एक स्थिर संस्करण ही एलियन अंतरिक्ष यान के प्रणोदन को शक्ति प्रदान करता है। लाजर ने अतीत में संकेत दिया था कि मीडिया में सब कुछ प्रकट करने से पहले उन्हें S4 से कुछ मिला था, हालांकि उन्होंने दशकों से इसका खंडन किया है और वृत्तचित्र में इस बारे में बात करने से साफ इनकार कर दिया है।
इस तथ्य में आश्चर्यजनक बात यह है कि वास्तव में तत्व 115 ऐसा करता है
यह पदार्थ मौजूद है और इसे मोस्कोवियम के नाम से जाना जाता है, जिसे पहली बार 2003 में रूसी और अमेरिकी वैज्ञानिकों की एक टीम द्वारा संश्लेषित किया गया था, लाजर द्वारा इस पर टिप्पणी करने के कई वर्षों बाद। जैसा कि शोध पत्र में उल्लेख किया गया है, मोस्कोवियम अत्यंत अस्थिर है और लाजर के दावे के अनुसार कार्य करने के लिए इसके एक स्थिर संस्करण की आवश्यकता होगी।
एरिया 51, जहां लाजर का दावा है कि उसने काम किया था, एक अति- गुप्त स्थान था।
तब तक इस बारे में किसी ने बात नहीं की थी। लेकिन जब उन्होंने खुलकर कहा कि वहां उड़न तश्तरियों की रखवाली की जा रही है, तो उनके शब्दों की सत्यता और वास्तव में वहां क्या होगा, इस बारे में दुनिया भर में काफी जिज्ञासा और उत्सुकता पैदा हो गई। लाज़र के शब्दों में: "हमारा काम यह देखना था कि क्या यह संभव था।"
"उन जहाजों की तकनीक को पृथ्वी पर उपलब्ध सामग्रियों और प्रणालियों से पुन: प्रस्तुत करना।" बेस पर अपने प्रवास के दौरान उन्हें कई यूएफओ देखने का अवसर मिला और उन्होंने उनमें

से एक के अंदर प्रवेश भी किया। "यह अंदर और बाहर दोनों तरफ से एक ही रंग का था (धात्विक)। इसमें एक केंद्रीय स्तंभ था जो फर्श से छत तक जाता था। इसमें कोई कोण नहीं थे; ऐसा लग रहा था जैसे यह एक ही टुकड़े से बना हो... कुर्सियाँ बहुत छोटी थीं; ऐसा लग रहा था जैसे वे बच्चों के लिए बनाई गई हों। इससे मुझे लगा कि यह जहाज छोटे कद के अलौकिक प्राणियों के लिए बनाया गया था, न कि मनुष्यों के लिए।"
इसके अलावा, लाजर ने साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने दस्तावेज़ देखे थे।
उन उड़न तश्तरियों की उत्पत्ति के बारे में एक प्रश्नोत्तर: "कुछ दस्तावेज़ों से संकेत मिलता है कि यह यूएफओ ज़ेटा रेटिकुली तारामंडल से आया था। मुझे नहीं पता कि उन्हें यह कैसे पता चला। यह केवल इतना ही नहीं था कि यह ज़ेटा रेटिकुली तारामंडल से आया था, बल्कि उस स्थान से आया था जिसे वे ZR3 कहते थे। यह उस तारामंडल का तीसरा ग्रह था। इसके अलावा कोई अन्य जानकारी नहीं थी, सिवाय इसके कि माना जाता है कि यह यान वहीं से आया था।"
जब लाज़र से पूछा गया कि इन वस्तुओं के अंदर क्या था, तो उन्होंने कहा, "इसमें बहुत कुछ था।"
एक अजीब सा डर लग रहा था क्योंकि सब कुछ एक ही रंग का था। यह गहरे पीतल के रंग जैसा था। कहीं भी समकोण नहीं था। ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने एक मॉडल लिया और उसे मोम से ढाला और फिर थोड़ी देर के लिए गर्म किया जिससे सब कुछ पिघल गया। सब कुछ पिघला हुआ सा लग रहा था। हर चीज में एक त्रिज्या थी, एक वक्रता थी जहाँ दो वस्तुएँ मिलती थीं। यह बहुत ही अजीब चीज थी। एक छोटे से

फोल्डिंग हैच के अलावा लगभग कुछ भी पहचानने योग्य नहीं था। यह सब सचमुच अलौकिक था।
कई अलग-अलग यूएफओ थे: "एक ऐसा दिखता था जिसे मैंने कहा था..." जेली मोल्ड। यह लहरदार किनारों वाला एक क्लासिक जेली मोल्ड जैसा दिखता था। एक बिल्कुल चपटी डिस्क थी, जैसे कोई पुआल की टोपी हो। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि बॉब के अनुसार, उन वस्तुओं में से एक बहुत पुरानी लग रही थी: "उनमें से कम से कम एक पुरातात्विक खुदाई का हिस्सा थी। तो... वह पुरानी थी। मुझे नहीं पता कि यह वही थी जिस पर मैंने काम किया था, लेकिन मुझे पुरातात्विक खुदाई से संबंधित कुछ याद है। इसका मतलब है कि यह न केवल पुरानी थी, बल्कि प्राचीन थी।"
हाल ही में आधिकारिक पुष्टि हुई है कि एक सुरक्षा पहचानकर्ता जो 'स्कैन' किया गया था
ग्रूम लेक सुविधा के कुछ प्रतिबंधित क्षेत्रों में हथेली का उपयोग किया गया था, जैसा कि लाजर ने 1980 के दशक में दावा किया था, यह उनके बयान की सटीक पुष्टि करता है। इसके अलावा, वृत्तचित्र में एफबीआई और अन्य अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा लाजर के कार्यस्थल की तलाशी को दिखाया गया है, जब वे रिकॉर्डिंग कर रहे थे, यह इस बात का सबूत है कि वैज्ञानिक पर अभी भी कड़ी निगरानी रखी जा रही थी।
लेकिन रिपोर्ट का सबसे परेशान करने वाला हिस्सा तब आता है जब बॉब लाजर
स्वयं, खुले तौर पर इसकी पुष्टि किए बिना, संकेत देते हैं कि उनके पास प्रसिद्ध तत्व 115 मौजूद है, हालांकि वे रहस्यमय तरीके से इसके बारे में बात करने या इसे जनता को दिखाने से इनकार करते हैं। वास्तव में, वृत्तचित्र में यह संकेत दिया गया

है कि हाल ही में एफबीआई द्वारा की गई तलाशी में विशेष रूप से तत्व 115 की ही खोज की जा रही थी।

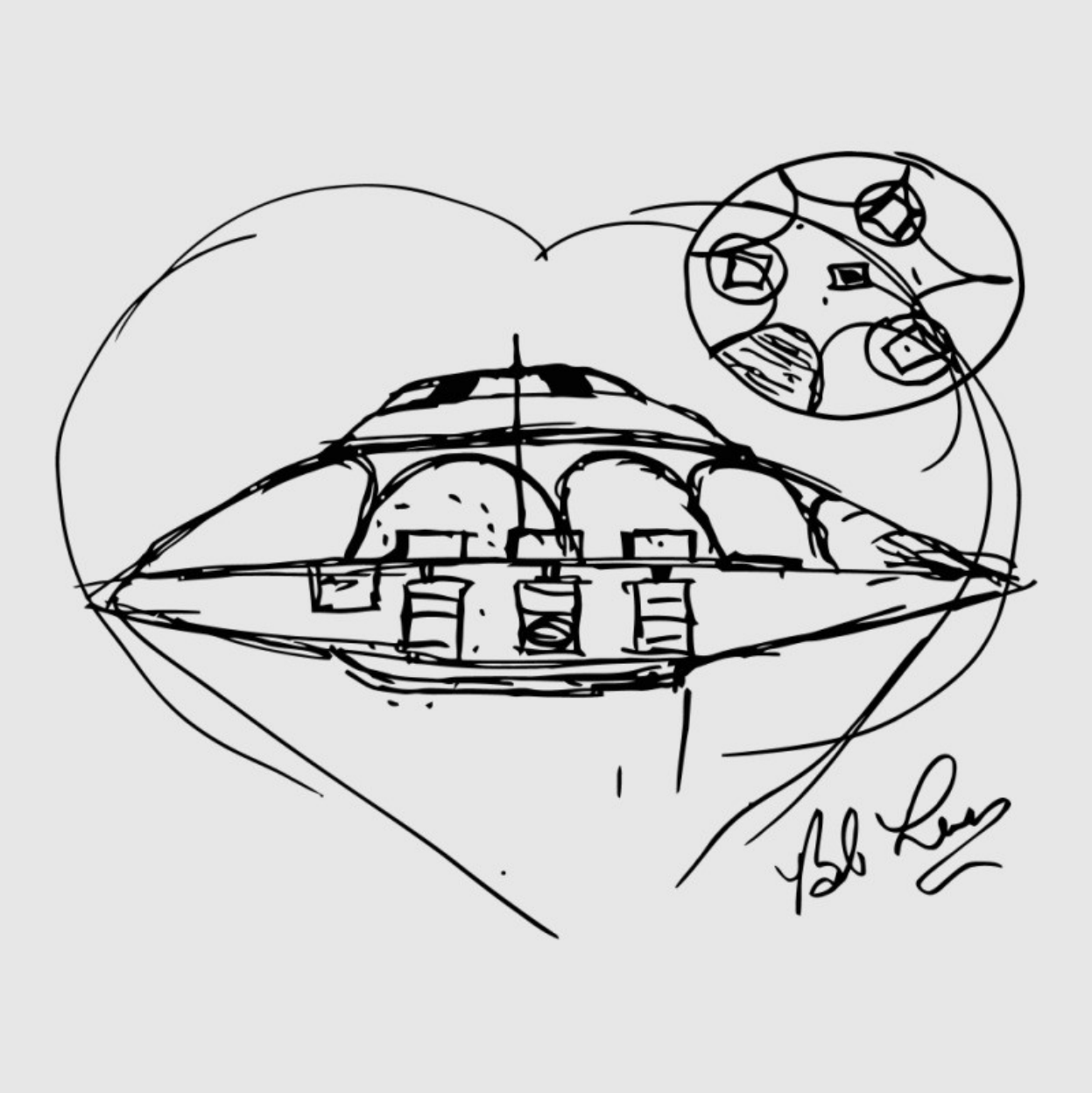

सीज़न 4 में बॉब ने जिस जहाज पर काम किया था, उसका चित्र।
बॉब के विवरण के साथ, इस अध्याय के शीर्षक का पहला कथन यह है: अच्छी तरह से संश्लेषित:
बाह्य अंतरिक्ष यान का विज्ञान: स्थिर रूप में तत्व 115।
इससे उच्च ऊर्जा उत्पादन के लिए गुरुत्वाकर्षण-विरोधी प्रभावों वाला ऊर्जा स्रोत प्राप्त हुआ।

अब, उन्हें यह तत्व कहाँ से मिला?
बॉब का कहना है कि तत्व 115 को सूर्य से निकाला गया था, क्योंकि उस समय
उस समय पृथ्वी पर इसके अस्तित्व का पता नहीं चला था। फिर भी, इसे अभी भी एक अस्थिर तत्व माना जाता है और इसलिए लाजर के सुझाव के अनुसार इसका उपयोग करने की कोई संभावना नहीं है, या कम से कम अब तक हमें यही बताया गया है।
इसे और बेहतर ढंग से समझने के लिए, आइए कुछ वास्तविक छवियों को देखें।
सूर्य की ओर निरंतर केंद्रित रहने वाली वेधशालाओं और वहां लगातार घूमती रहने वाली असामान्यताओं से प्राप्त जानकारी:

□□□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□

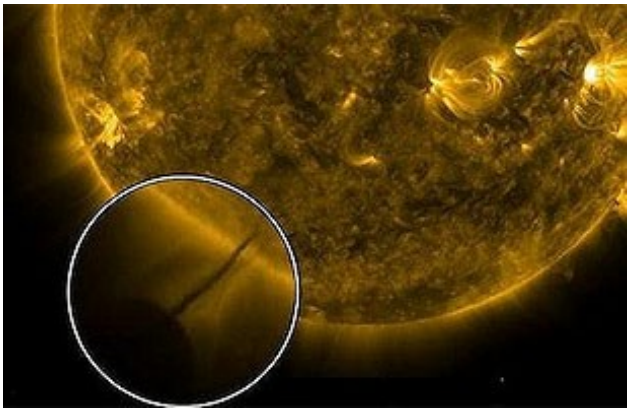

□□□□□ 2012

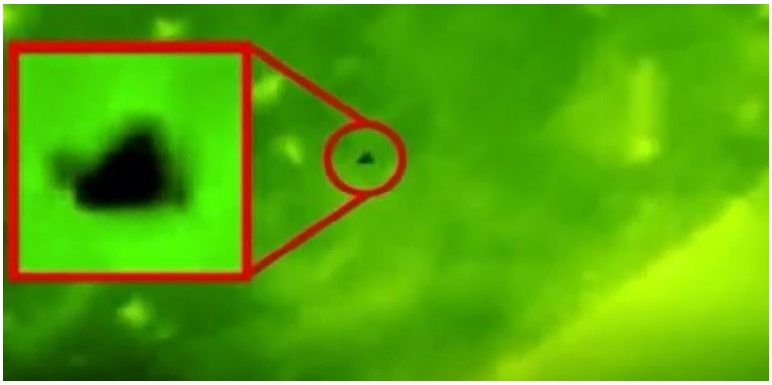

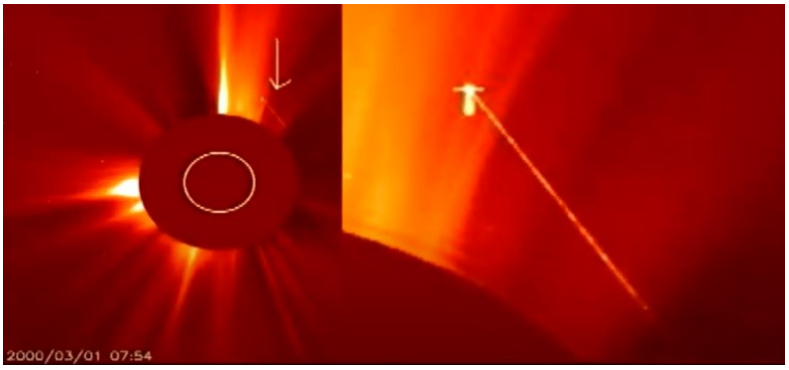

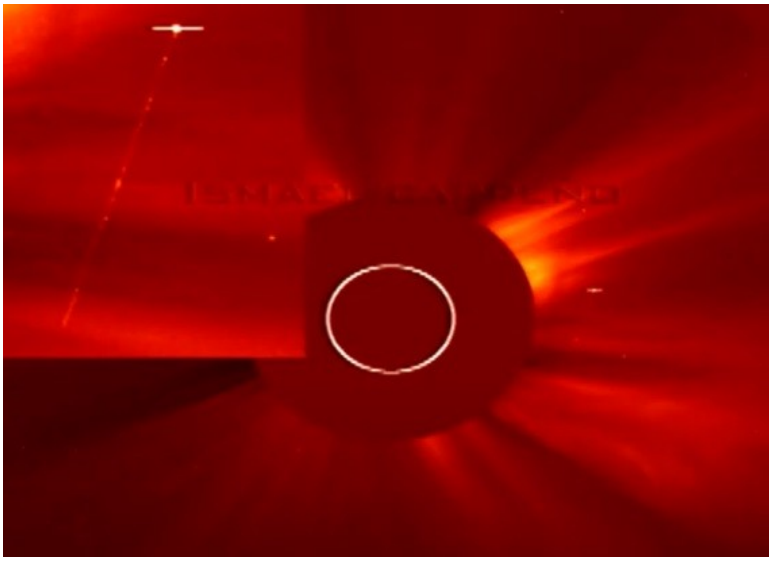

मार्च 2016

2000/03/01 07:54

मार्च 2020

□□□□□ 2000

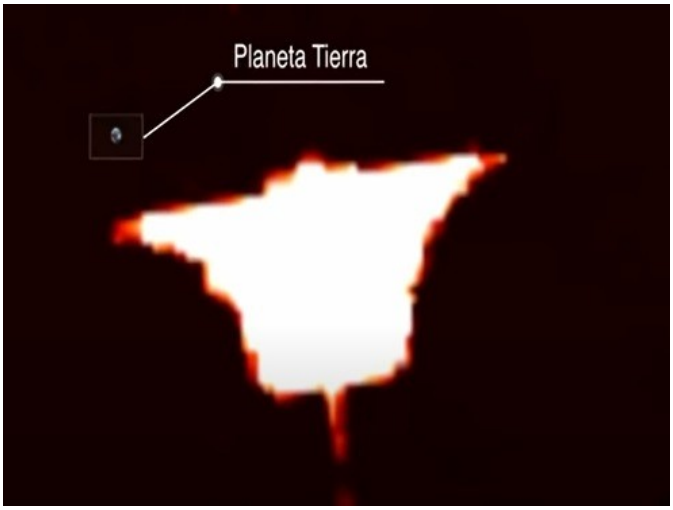

□□□□□ 2011

□□□□ □□□□ □□□ □□□□□, 26 □□□, 2019

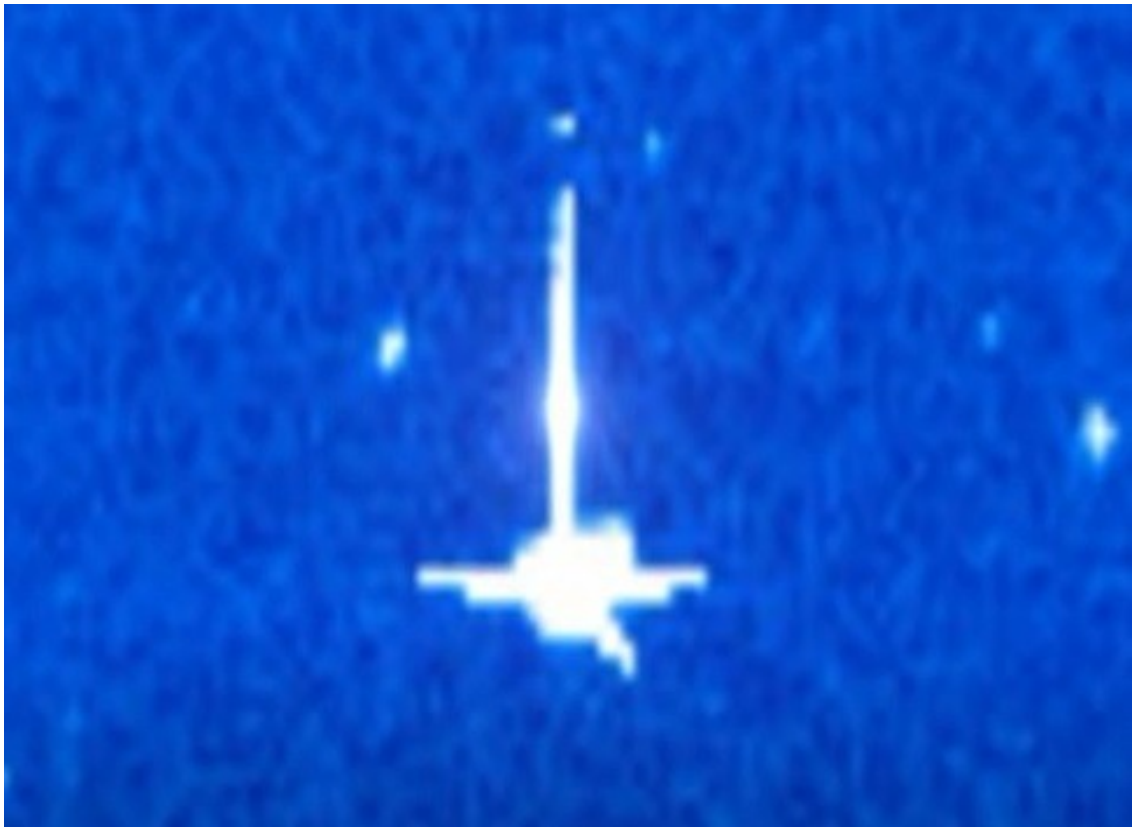

15 □□□, 2016

इनमें से कई अंतरिक्ष यान या वस्तुएं जिन्हें हमने पहले देखा था
चित्र, ग्राफिक दृष्टि से, बहुत विशाल हैं। हम ऐसे आकारों की बात कर रहे हैं जो हमारे ग्रह के आकार से सैकड़ों गुना अधिक हैं।
और जब ऐसा कुछ होता है तो मीडिया और नासा क्या कहते हैं?
क्या ये सब बातें फैल रही हैं? खैर, हो सकता है कि ये महज़ क्षुद्रग्रह, धूमकेतु हों या रिकॉर्डिंग में हुई गलतियाँ। ये रिकॉर्डिंग हाई-टेक कैमरों से की गई हैं, जिन तक आम जनता की पहुँच बहुत कम या लगभग न के बराबर है। विशेष रूप से, 26 जून, 2019 को ली गई तस्वीर मुझे सबसे ज़्यादा चौंकाती है, क्योंकि इसका आकार इतिहास में वर्णित जहाजों से बिल्कुल मिलता-जुलता

है। यह लाज़र द्वारा वर्णित वस्तु से भी मिलती-जुलती लगती है (सिर्फ़, स्पष्ट रूप से, आकार में बहुत बड़ी)।
इससे मेरे मन में निम्नलिखित प्रश्न उठते हैं: क्या ऐसे स्तरों पर, जिनके बारे में हमें जरा भी जानकारी नहीं है, विशालकाय जीव मौजूद हैं?
क्या ये और भी विशालकाय जहाजों में बसे हुए हैं? क्या ये मानवयुक्त हैं या ये स्वायत्त जहाज हैं जो शायद सूर्य से ऊर्जा निकालने का काम करते हैं? यदि वे वास्तव में एलियन अंतरिक्ष यान हैं, तो वे वहां क्या कर रहे हैं? क्या वे हमारे निर्माता हैं या वे कुछ ऐसा जानते हैं जो हम अभी तक नहीं जानते?
भले ही मेरे मन में ये सारे सवाल हों, लेकिन सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि हम
एक ही आयाम में भी। मुझे नहीं लगता कि वे हमें वैसे देखते हैं जैसे हम चींटियों को देखते हैं, या शायद वैसे भी। लेकिन इससे एक बात बिल्कुल स्पष्ट हो जाती है: वे यहाँ निरंतर मौजूद हैं, और हमारी सोच से कहीं अधिक करीब हैं।
इस भाग को समाप्त करने के लिए, एलियंस का अक्षय ऊर्जा स्रोत यह हो सकता है:
सूर्य या कोई भी तारा जिससे वे ऊर्जा प्राप्त कर सकें।
और चूंकि हम विशाल चीजों के विषय पर चर्चा कर रहे हैं, मुझे लगता है कि यह है
यह अच्छी बात है कि हम थोड़ा और गहराई से पड़ताल करते हैं ताकि इसे नजरअंदाज न किया जाए और आपके दिमाग में वास्तविक जानकारी हो।
YouTube पर "स्टार कंपैरिजन" शीर्षक वाला एक वीडियो है, जिसे मैं बहुत पसंद करता हूँ।

[illegible]

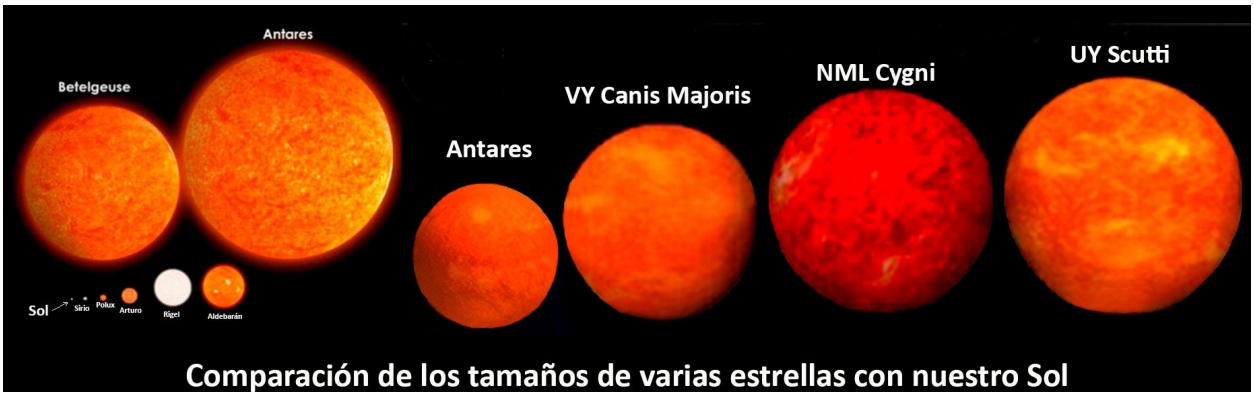

Comparación de los tamaños de varias estrellas con nuestro Sol

[illegible] 1,294,000 [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]

बहुत ही विचित्र आकृतियों के साथ, लेकिन इन वैज्ञानिक आंकड़ों का क्या? यह छवि देखें:

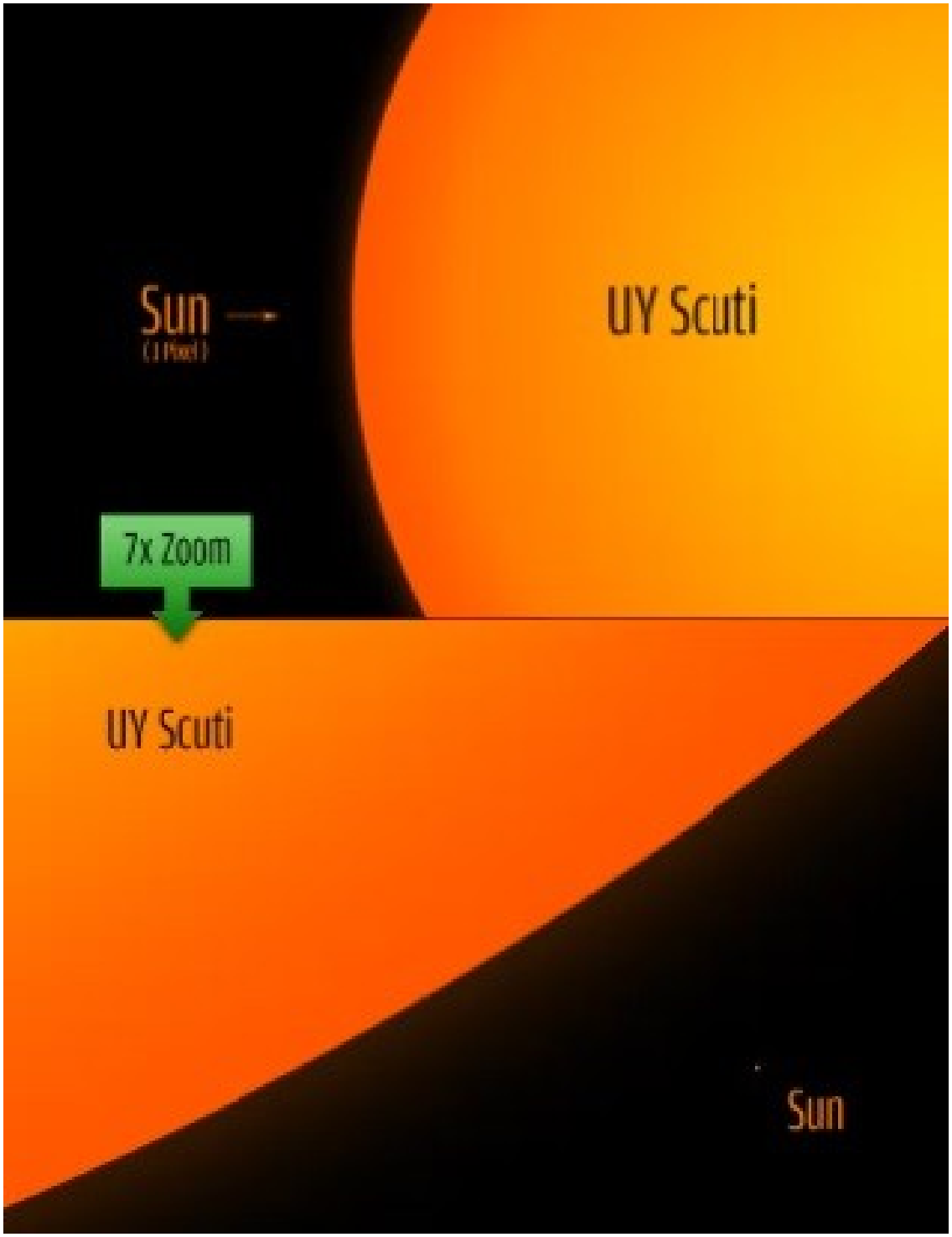
Sun
(1 Pixel)
UY Scuti
7x Zoom
UY Scuti
Sun

सूर्य की तुलना यूवाई स्कट से की गई
यह तारा फिलहाल हमारे ब्रह्मांड का सबसे बड़ा तारा माना जाता है।
आकाशगंगा, और आखिरी वाले पर ध्यान दें, केवल हमारी आकाशगंगा में।
तो, अगर आपके सिर पर अभी भी वह ढक्कन है जो मस्तिष्क को सुरक्षित रखता है, तो पकड़ें
ताकि यह अन्य छवियों के साथ गायब न हो जाए:

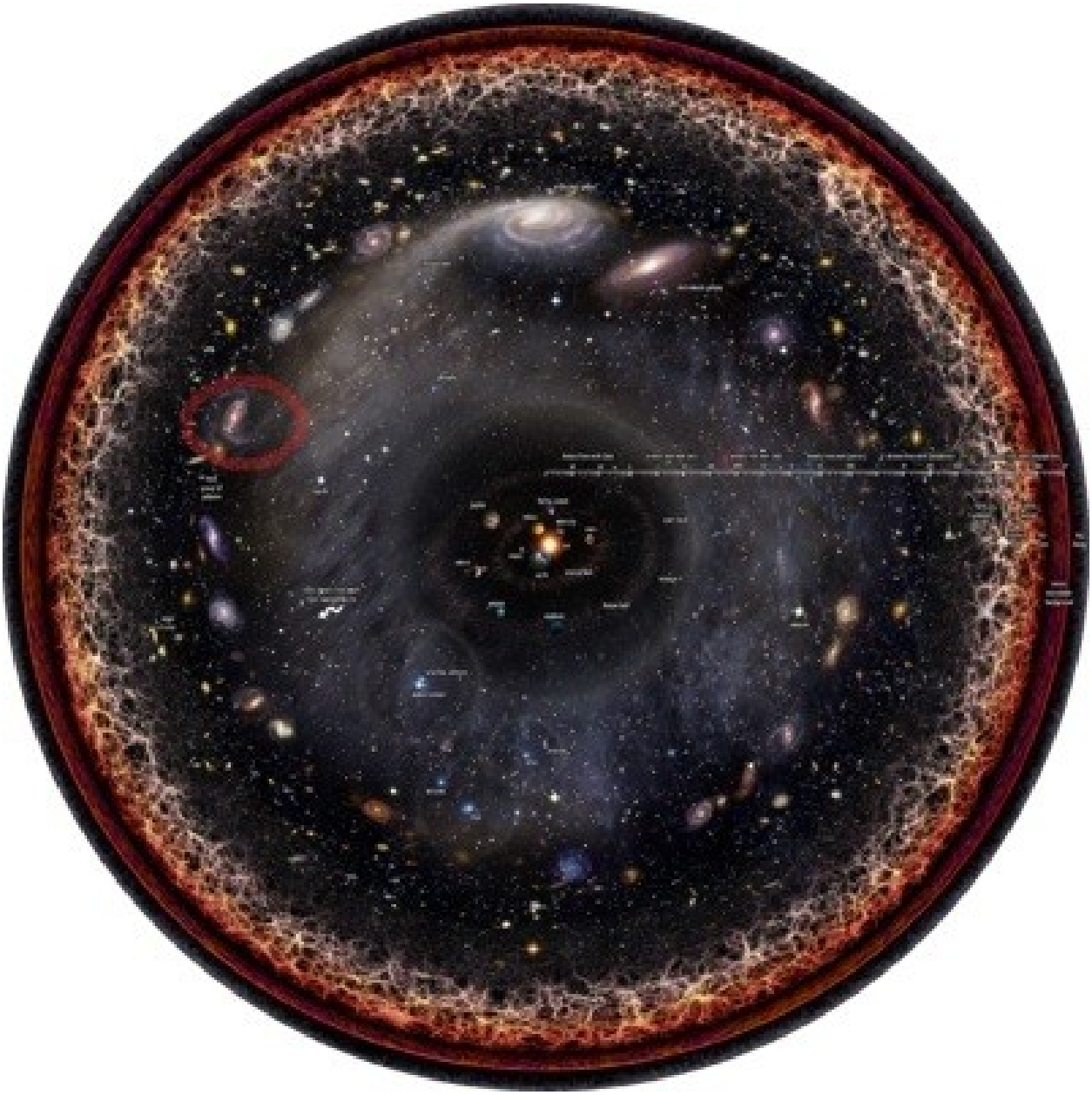

□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□

"□□□□□□□□□□□" □□□□ □□□□□□□□□□□ □□□

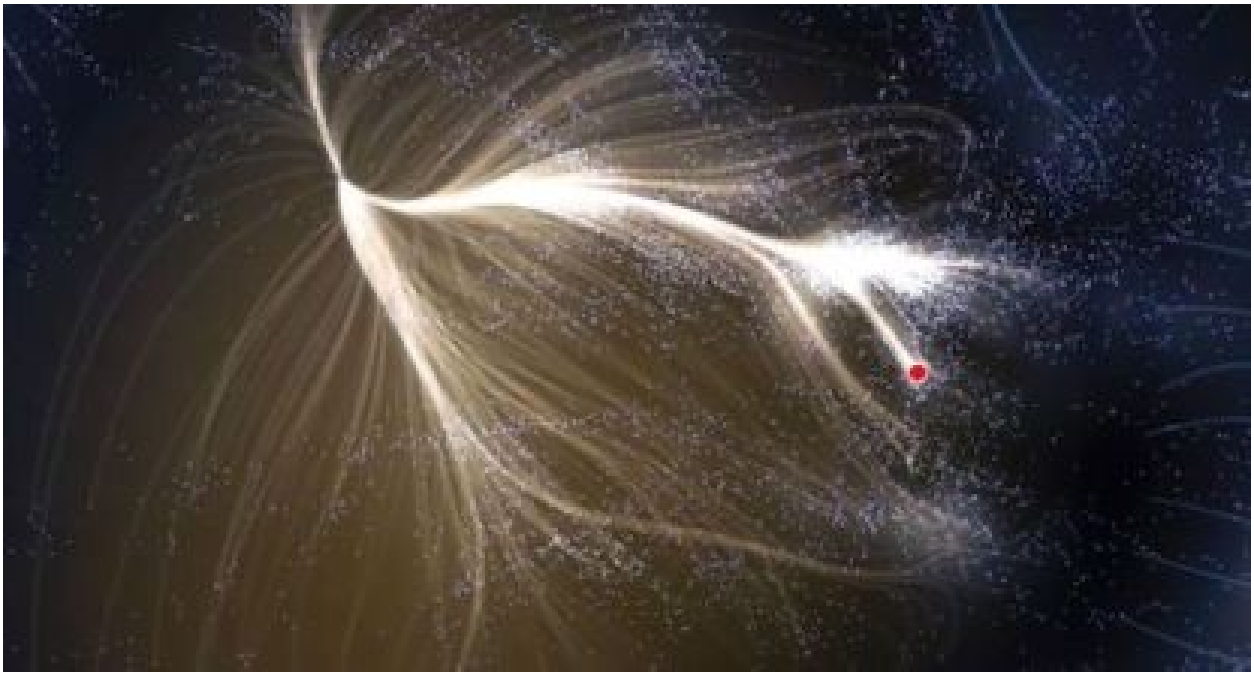

□□□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□, □□□□□□ □□□□□□ □□ (□□□) □□□□□ □□ □□□) □□ 100,000 □□□□ □□□□□□□□□□□

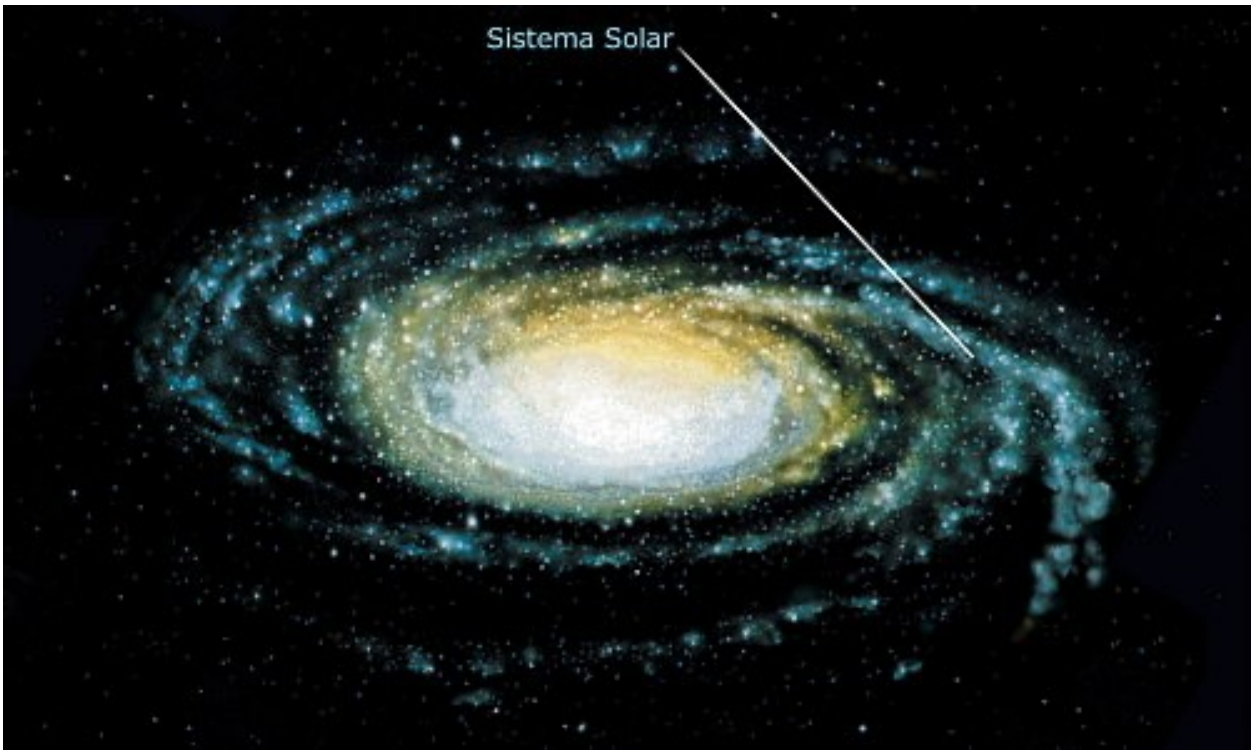

हमारी आकाशगंगा, जहाँ हमारा सौर मंडल स्थित है। जिसका द्रव्यमान है
10 की घात 12 सौर द्रव्यमान।
और बाकी तो आप जानते ही हैं। सौर मंडल से हम ग्रह की ओर बढ़ते हैं।
पहले पृथ्वी, फिर आपका देश, आपका शहर, आपका मोहल्ला, उस मोहल्ले की गली और अंत में आपका घर। मुझे लगता है कि हम ऐसी भव्यता को देखकर बस विस्मय में खड़े रह सकते हैं।
तो, इससे पहले कि हम अपने ग्रह पृथ्वी में गहराई से उतरें, मैं चाहता हूं कि हम एक
यह प्राचीन काल की संभावित वास्तविकता को उजागर करता है और इस सवाल को और अधिक गुंजाइश देता है कि क्या वास्तव में विशालकाय जीव मौजूद हैं, क्योंकि वास्तव में, ऐसे बहुत सारे सबूत हैं जो कहते हैं कि हाँ, वे थे, लेकिन पृथ्वी पर।

मानव जाति के पूर्वज
इस बिंदु के संदर्भ में, अंततः जो बात बहुत मायने रखती है वह यह है कि कोई भी
एक बात उन सबूतों का खंडन करती है जो हम नीचे देखेंगे। तार्किक स्तर पर, हम जिस विशालता का हिस्सा हैं, उसे देखते हुए, यह मानना कि अतीत में पृथ्वी पर विशालकाय जीव रहे होंगे, कोई बहुत दूर की बात नहीं होगी। लेकिन जैसा कि आप जानते हैं, हम केवल तार्किक विश्लेषण तक ही सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन सच्चाइयों के संभावित प्रमाणों पर भी गौर करेंगे जिन्हें उन्होंने हमसे छिपाने की कोशिश की है। मज़े की बात यह है कि जब आप छानबीन शुरू करते हैं, तो बस यही होता है कि आपको सूचना का वह विशाल भंडार मिल जाता है जो हमारे सामने रखा गया है ताकि हम संभावनाओं की अनंत दुनिया तक पहुँच सकें और मानव अस्तित्व की निरर्थकता का आनंद ले सकें।
उन दिनों पृथ्वी पर विशालकाय लोग भी थे, और
इसके बाद, जब परमेश्वर के पुत्रों का मनुष्यों की पुत्रियों से मिलन हुआ और उन्होंने उनसे पुत्रों को जन्म दिया, तो ये प्राचीन काल के वीर और प्रसिद्ध पुरुष थे। -उत्पत्ति 6:4
दिग्गजों के पदचिह्न
मानव इतिहास में, बड़े संस्थानों ने मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया है।
विशालकाय प्राणियों के अस्तित्व के सभी सबूतों को पूरी तरह से मिटाने के प्रयास किए गए। इसका प्रमाण तब मिला जब अमेरिकी सरकार द्वारा प्रायोजित विश्व प्रसिद्ध स्मिथसोनियन संस्थान (वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र) को 2015 के अंत में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गोपनीय दस्तावेज़ों को सार्वजनिक करने के लिए

मजबूर किया गया, जिससे यह साबित होता था कि संस्थान ने 1990 के दशक में हजारों विशालकाय मानव कंकालों को नष्ट कर दिया था। हालांकि, मुकदमे के दौरान, एक गवाह सामने आया जिसके पास एक विशालकाय व्यक्ति की जांघ की हड्डी थी, जो स्मिथसोनियन संस्थान के एक पूर्व अधिकारी की थी। उस अधिकारी ने 1920 में संस्थान के गोदामों में हजारों विशालकाय हड्डियों के भंडार होने की घटना का लिखित बयान दिया था।

इसी कारण संस्थान के पास यह पुष्टि करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था कि वे
उन्होंने पृथ्वी पर विशालकाय प्राणियों के अस्तित्व के सभी पुरातात्विक और जीवाश्मवैज्ञानिक साक्ष्यों को खारिज कर दिया था।
संस्थान ने जिस एकमात्र बात पर ध्यान नहीं दिया, वह यह है कि पृथ्वी के चारों ओर देखे गए सैकड़ों विशाल पदचिह्न इतनी आसानी से मिटाए या छिपाए नहीं जा सकेंगे, इसलिए सबूत अभी भी बहुत ठोस हैं।

}

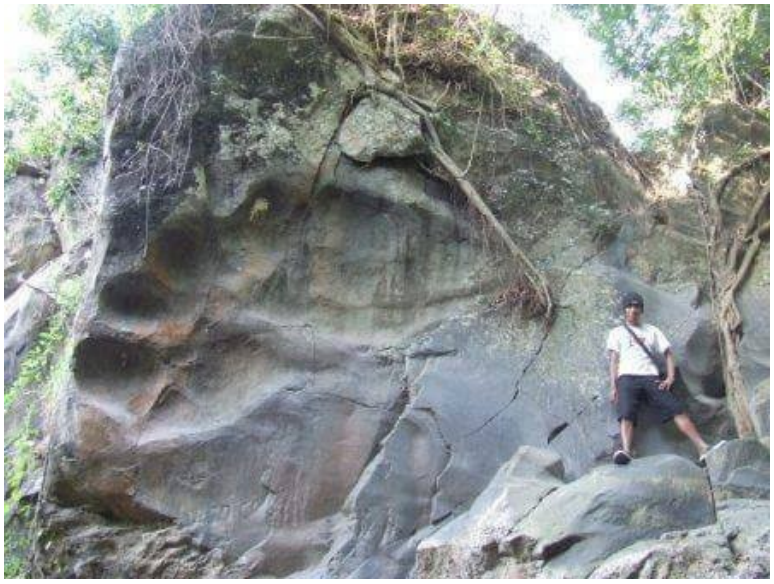

सवाल यह है कि इतने विशाल आकार के प्राणी क्या कर रहे होंगे? क्या वे नंगे पैर पृथ्वी पर घूमते थे? यह सवाल भले ही हास्यास्पद लगे, लेकिन लगता है कि इस तरह के सवाल का कोई तर्कसंगत जवाब हमारे पास अभी तक नहीं है। सच्चाई यह है कि हमें इस बात का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है कि वे कौन थे या क्या कर रहे थे, असल बात यह है कि उन्होंने अपने यहाँ होने के स्पष्ट प्रमाण छोड़े हैं।

हमें एक अंदाजा देने के लिए, इन पदचिह्नों का आकार 45 से लेकर है।
लंबाई 1.30 सेंटीमीटर से लेकर 1.30 मीटर तक होती है। यह मनुष्यों के समान होती है, जिसमें 5 उंगलियां, एड़ी और तलवे होते हैं।
दिग्गजों के हाथ
पुरातत्वविदों की एक टीम ने एक प्राचीन स्थल के आसपास एक भयावह खोज की है।
मिस्र के एक महल में चार अलग-अलग गड्ढों से 3,600 वर्ष पुराने 16 कटे हुए हाथ मिले। सभी अवशेष दाहिने हाथों के हैं और सभी बड़े आकार के हैं (25 से 31 सेंटीमीटर लंबे)। इससे संकेत मिलता है कि ये हाथ लगभग 2.70 से 2.90 मीटर ऊँचाई वाले वयस्क व्यक्तियों के हो सकते हैं।
ऑस्ट्रियाई पुरातत्वविद् मैनफ्रेड बीटेक, जो निर्देशन करते हैं
मिस्र के पुरातत्व पत्रिका को दिए गए एक अध्ययन में, प्राचीन शहर अवारिस में हुई खुदाई में मिले कटे हुए हाथ इस बात का पहला सबूत हो सकते हैं कि प्राचीन मिस्र के लेखों में कुछ सैनिकों द्वारा अपने गिरे हुए दुश्मनों का दाहिना हाथ काटने की कला का उल्लेख है, क्योंकि प्रतीकात्मक रूप से यह माना जाता था कि ऐसा करने से दुश्मन की सेना कम हो जाती है।

□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□□□□□□ □□, □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□

पुरातात्विक साक्ष्यों या निशानों के साथ-साथ पैरों के निशानों से भी यह स्पष्ट होता है कि प्राचीन काल में पृथ्वी पर आज के औसत मनुष्य की तुलना में कहीं अधिक बड़े प्राणी मौजूद थे। मेगा निर्माण
एक और सुराग जो यह दर्शाता है कि पृथ्वी पर कहीं अधिक बुद्धिमान प्राणी मौजूद थे
या यह कि वे हमारे समय के प्राणियों से श्रेष्ठ थे या वे विशालकाय प्राणी थे, ये ऐसी धारणाएं हैं जिनकी सटीक व्याख्या आज तक कोई नहीं कर पाया है।
चलिए सबसे प्रसिद्ध और विवादास्पद व्यक्ति से शुरुआत करते हैं।
सभी: गीज़ा के पिरामिड।

इनका निर्माण 23 लाख से अधिक ग्रेनाइट ब्लॉकों से किया गया था, जिनमें से प्रत्येक

2.5 टन से लेकर 60 टन तक के वजन वाले ब्लॉक।

□□□□□□ □□□□□□□ □□□, □□□□□ □□□ □□□□□□□□□□□ □□, □□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□

□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ 3093 □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□ 9 □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□, □□ 90, 125 □□ 350 □□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□

□□ □□□□□□ □□□ □ □□□□ □□□, □□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□...
□□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ 12 □□ 40 □□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□

□□□□ □□□□, 120 □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□

एशिया में, बालबेक चबूतरा, जो चट्टानों के बड़े-बड़े टुकड़ों से बना है, जिनका वजन काफी अधिक है।
900 से 1100 टन के बीच। उसी क्षेत्र में, प्लेटफार्म से लगभग 7 किलोमीटर दूर, 1000, 1242 और 1650 टन के लगभग 3 मीटर लंबे विशालकाय पिंड पाए गए हैं, जिनकी उत्पत्ति भी लगभग अज्ञात है। रोचक बात यह है कि एनोक की पांडुलिपि के अध्याय 7 में कहा गया है कि ईश्वर
दुदैल के रेगिस्तान को खोला गया, ताकि पतित स्वर्गदूतों और मानवता को परेशान करने वाले स्वर्गदूतों को कैद किया जा सके। यह रेगिस्तान लेबनान में स्थित है, जहाँ 1650 टन वजनी विशालकाय शिलाखंड मौजूद हैं।
प्राचीन मनुष्य इस प्रकार की स्थापत्य कला का निर्माण करने में कैसे सक्षम थे?

क्या ये वो कृतियाँ थीं जिनकी आज तक नकल करना लगभग असंभव है? क्या उन्हें अलौकिक शक्तियों से मदद मिली थी या क्या वहाँ ऐसे विशालकाय जीव थे जो इतने टन भार उठाने में सक्षम थे?
शायद दोनों। और हालांकि हमारे पास इन सवालों का कोई स्पष्ट जवाब नहीं है।
इन सवालों के बावजूद, हम उन आश्चर्यजनक सबूतों से बच नहीं सकते जो इन ऐतिहासिक स्थलों पर हमारी नाक के ठीक नीचे मौजूद हैं। इससे पहले कि हम स्पष्ट और अस्पष्ट बातों में और गहराई से उतरें, आइए...
एक ऐसे ऐतिहासिक दस्तावेज को देखिए जिसमें 7 मीटर से अधिक लंबी महिला के अस्तित्व का उल्लेख है:
1984 में इक्वाडोर में एक विशालकाय महिला के अवशेष मिले थे। जो अवशेष मिले थे, वे पादरी कार्लोस वाका को सौंप दिए गए थे, जिनकी मृत्यु के बाद ऑस्ट्रियाई वैज्ञानिक क्लाउस डोना ने उनका विश्लेषण किया, जिन्होंने 2011 में जर्मनी में आयोजित एक सम्मेलन में उस अध्ययन के परिणाम प्रस्तुत किए। वैज्ञानिक ने खुलासा किया कि ये अवशेष एक विशालकाय महिला के थे, जिसकी लंबाई 7.60 मीटर थी और जो लंगनाटेस पर्वत श्रृंखला में निवास करती थी।

स्विट्जरलैंड के जुंगफ्राउ पार्क में कंकाल
इन मामलों के अलावा, और भी कई प्रशंसापत्र हैं।
ऐसे दस्तावेज़ मौजूद हैं जो पृथ्वी के विभिन्न हिस्सों में निवास करने वाले 3 मीटर से 3.50 मीटर की ऊंचाई वाले प्राणियों के अस्तित्व से संबंधित हैं, लेकिन वे पहले वाले प्राणियों की तुलना में कुछ भी नहीं हैं, जिन्हें हम कह सकते हैं कि वे

प्राचीन काल के विशालकाय प्राणियों की दुनिया में असामान्य मामले थे।
आधुनिक समय में हमें इस तरह के बड़े पैमाने के मामले देखने को नहीं मिलते, भले ही
ऐसे इंसान भी हैं जिनकी लंबाई दो मीटर से अधिक है, विश्व रिकॉर्ड ढाई मीटर ऊंचा है, जो प्राचीन काल के उन विशालकाय लोगों से बहुत दूर है जिनकी लंबाई 3 मीटर या उससे भी अधिक थी।
यह सब ब्रह्मांड के विशाल आयामों से संबंधित है।
'हैबिटेट' की खासियत यह है कि यह पूरी तरह से काल्पनिक नहीं लगता, बल्कि समझ में आने लगता है। इसीलिए मुझे लगता है कि हमें अंधेरे में रखा गया है और सच्चाई टुकड़ों-टुकड़ों में सामने आई है। इस किताब में हम उन टुकड़ों को जोड़ रहे हैं ताकि हम कम से कम पहेली का 1 प्रतिशत तो देख सकें।
अब, ऐतिहासिक तथ्यों में और अधिक रहस्य जोड़ने के लिए, आइए याद करें
हमारे पूर्वज स्वर्गदूतों, अलौकिक जहाजों और प्रकाशमान गोलों में पहले से ही विश्वास करते थे, इतना अधिक कि उन्होंने उनके प्रमाण हर जगह छोड़ दिए।
हर जगह यूएफओ
बहुत से लोगों का मानना है कि यह यूएफओ घटना कोई नई चीज है।
कुछ ऐसा जिसके बारे में हमें अभी-अभी थोड़ी-बहुत जानकारी मिलनी शुरू हुई है। लेकिन यह वास्तविकता से बहुत दूर है। सदियों से, प्राचीन संस्कृतियों में ऐसे जहाजों और प्राणियों का ज़िक्र मिलता रहा है जो पृथ्वी के प्रतीत नहीं होते। विश्वभर में, गुफाओं, चित्रों और पेंटिंग्स में ऐसी आकृतियाँ देखी गई हैं। हम नीचे इस पर चर्चा करेंगे। मैंने इस विषय से संबंधित सभी

छवियों को यहाँ शामिल करते समय किसी भी प्रकार की पाबंदी नहीं लगाई है, क्योंकि मैं कुछ भी छोड़ना नहीं चाहता, या कम से कम जितना संभव हो उतना कम छोड़ना चाहता हूँ। मैं यह बताना चाहूँगा कि इनमें से कुछ छवियों की व्याख्या पौराणिक कथाओं से भी जुड़ी है, तो चलिए सबसे प्रसिद्ध, ऑस्ट्रेलियाई आदिवासियों के वोंडजिना (या वांडजिना) से शुरुआत करते हैं, जो एक शिकारी समाज था जिसके साक्ष्य 174,000 ईसा पूर्व से मिलते हैं।

वांडजिना पर चित्रकारी
ऑस्ट्रेलिया
इस समुद्री देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित, ये
मानवरूपी चित्र वर्षा और बादलों की आत्माओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, और पृथ्वी पर जीवन के निर्माता थे। इसके अलावा, उनके पास बाढ़ और तीव्र बिजली उत्पन्न करने जैसी विशेष शक्तियां थीं।
मानवरूपी प्राणियों का एक और मामला जिसने जिज्ञासा जगाई, वह था भारत में, छाईगढ़ के बस्तर के आदिवासी क्षेत्र में खोजा गया। और इससे हमें क्या पता चलता है? कि प्राचीन काल में मनुष्य देखते थे, या
काल्पनिक प्राणी, ब्रह्मांड के किसी अन्य भाग से आ रहे हैं।

कुछ चित्र
छाईसगढ़ की गुफाएं (द इंडियन टाइम्स)
जैसा कि आप देख सकते हैं, ये आकृतियाँ 10 हजार वर्ष पुरानी हैं, और इनमें से
उनमें ऐसी आकृतियाँ हैं जो यूएफओ घटना और विचित्र प्राणियों की ओर इशारा करती हैं।
भारत में भी, एक अन्य खोज ने अपने कारण विवाद उत्पन्न किया। समझ से परे। नर्मदा घाटी में, जहाँ देश की सबसे पुरानी मानव खोपड़ी मिली थी, शोधकर्ताओं के एक समूह (आर.पी. पांडे, वसीम खान और के.डब्ल्यू. शाह) ने राजतोले नामक एक आश्रय स्थल में एक चित्र की खोज की, जो एक जहाज के बगल में एक अजीब आगंतुक और यहाँ तक कि एक वर्महोल को भी दर्शाता प्रतीत होता है, साथ ही फर्श पर बिखरे हुए मध्यपाषाण काल के कई छोटे पत्थर के औजार भी मिले।

नर्मदा घाटी में स्थित राजतोले आश्रय स्थल की आकृतियाँ। उदाहरण के लिए, इटली में यूनेस्को द्वारा संरक्षित वैल कैमोनिका घाटी है।
जिसमें नवपाषाण काल से लेकर लौह युग तक के लगभग 200,000 शिलाचित्र हैं, जो इसे यूरोप और दुनिया में शैल कला का सबसे बड़ा संग्रह बनाता है।
इनमें से कुछ तस्वीरें प्राचीन काल के अनुयायियों द्वारा ली गई हैं।
अंतरिक्ष यात्री सिद्धांत को अन्य ग्रहों के प्राणियों की अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाता है - उनके सिर के हेलमेट जैसे आकार के कारण, हालांकि पुरातत्वविदों के लिए वे केवल एक अनुष्ठान की अभिव्यक्ति हैं।

□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□

□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□, □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□ (□□□□□□ □□□)

(□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□) □□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□, □□□□ □□□, □□□□□□ □□□□□□ □□□, □□□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□, □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□

□□□□□□□□ □□□, 1950 □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□

□□□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□ (1998 □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□), □□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□, □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□

ऊपर: एक शिलाचित्र
यूटा। नीचे: अर्जेंटीना के ला रियोजा में पाए जाने वाले मानवाकार प्राणी, और उनके बगल में समाइपाटा किले की 'उड़न तश्तरी'।
इसके अलावा, मेक्सिको के प्यूब्ला में, खजाना खोजने वालों के एक समूह ने 2017 में कुछ वस्तुओं का एक सेट खोजा था।
नक्काशीदार जेड पत्थर जो दोहरी व्याख्याओं के लिए बहुत कम गुंजाइश छोड़ते हैं: माया सभ्यता के लोग बड़े, लंबे सिर वाले प्राणियों की भेंट का आदान-प्रदान करते हुए देखे जा सकते हैं।

□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□, □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□, □□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□

चित्रों में ही नहीं, बल्कि पुस्तकों और ग्रंथों में भी हमें पृथ्वी पर आने वाले विचित्र प्राणियों और वस्तुओं के संकेत मिलते हैं। पहली ज्ञात पुस्तक जिसमें अपने समय के अनुरूप कुछ असंगत आकृतियाँ हैं, वह चौथी शताब्दी की 'प्रॉडिगियोरम लिबर' है, जिसमें हम पढ़ते हैं: "एनेरिया में, जब लिवियो ट्रोसो इतालवी युद्ध की शुरुआत में कानूनों का प्रचार कर रहे थे, भोर में, आकाश में एक भयानक शोर हुआ, और उत्तर में आग का एक गोला लपटों में प्रकट हुआ। स्पोलेटम के क्षेत्र में, सुनहरे रंग का आग का एक गोला घूमता हुआ पृथ्वी पर गिरा। फिर ऐसा प्रतीत हुआ कि उसका आकार बढ़ रहा है, वह पृथ्वी से ऊपर उठा और आकाश में चला गया, जहाँ उसने अपनी चमक से सूर्य को ढक लिया। वह आकाश के पूर्वी भाग की ओर मुड़ गया।"
जूलियस ऑब्सीक्वेन्स ने लगभग 91 ईस्वी में घटी घटना का वर्णन इस प्रकार किया था।
ईसा पूर्व

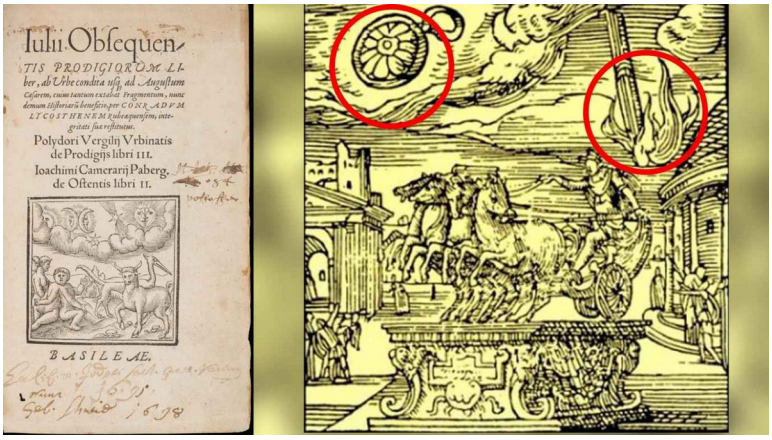
Iulii Obſequen-
TIS PRODIGIORVM LI-
ber, ab Vrbe condita uſq; ad Auguſtum
Cæſarem, cum tantum extaſſet Fragmentum, nunc
demum diligenter à bonarſcia per CONR. ADAM
LICOSTHENEM Rubeaquenſem, inte-
gritati ſuæ reſtitutum.
Polydori Vergilij Vrbinatis
de Prodigijs libri III.
Ioachimi Camerarij Paberg.
de Oſtentis libri II.
BASILEAE.

□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□

□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□ □□□ □□

□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□, □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□ □□ □□ □□ □□□□□

□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□, □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□ □□ □□ □□...

□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□□□□ □□□ □□ □□□

अवशेष पात्र के अंदर
छठी या सातवीं शताब्दी की यह अनमोल कृति चित्रित चित्रों से सुसज्जित है।
ढक्कन के अंदरूनी हिस्से पर एक सटीक आरोही क्रम में (बाएं से दाएं और नीचे से ऊपर की ओर) लिखावट है, जो "क्रिसमस" चक्र (जन्म और जॉर्डन में बपतिस्मा के साथ) को दर्शाती है, जिसके बाद एक और उतना ही संक्षिप्त "ईस्टर" चक्र (कब्र पर तीन मरियम और

स्वर्गारोहण के साथ) आता है, जो क्रूस पर चढ़ाने के केंद्रीय दृश्य द्वारा विभाजित है।
इन चित्रों में से एक में मरियम को कब्र पर दर्शाया गया है।
यीशु की मूर्ति के पीछे एक अजीब सी वस्तु उभरती है, जिसमें एक गुंबद है जिसके विभिन्न प्रवेश द्वार या खिड़कियां हैं जिनसे प्रकाश की एक किरण निकलती है।

"अच्छे रीति-रिवाजों की पुस्तक" से।
1338 के पाठ के आंतरिक चित्रों में से एक, जो कि इसमें है

फ्रांस में स्थित मुसी कॉम्टे डी चैंटिली में आकाश में तैरता हुआ एक विशाल गोला प्रदर्शित है, जिसे कुछ लोग खगोलीय चित्रण या किसी विचित्र प्रकार का जहाज मान सकते हैं।
लगभग उसी समय Annales Laurissenses Maiores नामक एक अन्य पुस्तक भी थी।
यह पुस्तक 12 वीं शताब्दी ईस्वी की है, लेकिन इसमें 6 वीं शताब्दी की कहानियाँ वर्णित हैं। इसमें एक चित्र है जिसमें दो वस्तुएँ आधुनिक अंतरिक्ष यान जैसी दिखती हैं। ऐसा लगता है मानो वे किसी दहन प्रणाली से निकल रही हों, हालाँकि आधिकारिक व्याख्या के अनुसार वे धूमकेतु या उल्कापिंड हैं।
"...और उसी दिन, जब वे एक और हमले की तैयारी कर रहे थे
किले में रहने वाले ईसाइयों के खिलाफ, ईश्वर की महिमा किले के गिरजाघर के ऊपर प्रकट हुई। बाहर चौक में देख रहे लोगों में से कई आज भी जीवित हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने कुछ ऐसा देखा जो लाल रंग की दो बड़ी जलती हुई ढालों जैसा लग रहा था, जो गिरजाघर के चारों ओर घूम रही थीं," अज्ञात लेखकों की रचना में यह बताया गया है।

"एनालेस लॉरिसेंसेस मायोरेस" से।
कुछ सबसे विवादास्पद कृतियों पर लौटते हुए, हमारे पास है...

पुनर्जागरण काल में चित्रित सैन जियोवानिनो की मैडोना की यह पेंटिंग आज फ्लोरेंस के पलाज़ो वेकियो में देखी जा सकती है। कैनवास पर बने इस तेल चित्र के रचनाकार का नाम अज्ञात है, हालांकि विशेषज्ञों के दो संभावित दावेदार हैं: सेबेस्टियानो मैनाडी या जैकोपो डेल सेलाइओ।
मैरी, उनके बेटे और एक छोटे से संत जॉन की प्रस्तुति
कला के इस काल में यह एक बहुत लोकप्रिय विषय था। बोटिसेली, लियोनार्डो, राफेल और माइकल एंजेलो ने इसके अपने-अपने संस्करण बनाए, हालांकि इस चित्र में एक विशेषता है: मैरी के सिर के दाहिनी ओर पृष्ठभूमि में एक अजीब सी उड़ने वाली वस्तु दिखाई देती है।

"□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□"

इसके अलावा, कलाकार यह भी नहीं चाहता था कि यह आकृति अनदेखी रह जाए, और
इसी कारण उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति का चित्र भी बनाया, जो संभवतः एक चरवाहा था, और अपने पालतू जानवर के साथ उस कलाकृति को बड़े ध्यान से देख रहा था।
यह इकलौती धार्मिक पेंटिंग नहीं है जिसमें कुछ अजीबोगरीब चीज दिखाई देती है।
आकाश में विराजमान। एक अन्य उल्लेखनीय उदाहरण इतालवी कलाकार कार्लो क्रिवेली द्वारा निर्मित सेंट एमिग्डियो के साथ घोषणा (1486) है।
यह रचना घोषणा की याद में बनाई गई थी।
प्रधान देवदूत गेब्रियल द्वारा कुंवारी मरियम को दी गई रोशनी की किरण, हालांकि जिस आकृति से प्रकाश की किरण निकलती है उसकी व्याख्या इस बात पर निर्भर करती है कि आप किससे पूछते हैं।

"सेंट एमिग्डियो के साथ घोषणा" और "ईसा मसीह का बपतिस्मा"। इसी तरह के विवाद पर आधारित एक अन्य कृति "ईसा मसीह का बपतिस्मा" (1710) है।
डच कलाकार एर्ट डी गेल्डर, जो रेम्ब्रांट के शिष्य थे, बाइबिल के नए नियम के मैथ्यू 3:16 में वर्णित अंश से प्रेरित थे, "आकाश खुल गया, और आत्मा कबूतर के रूप में उस पर उतरी।"
इस कलाकृति में, आकाश में एक वृत्त खुलता है और उससे प्रकाश की किरणें निकलती हैं।
दृश्य के केंद्र में, एक छोटा पक्षी नीचे उतरता हुआ प्रतीत होता है।
लेकिन सभी टुकड़ों की व्याख्या इतनी सरल नहीं होती। उदाहरण के लिए,
ग्रीष्म ऋतु की विजय (Triumph of Summer) एक टेपेस्ट्री है, जिसे 1538 में बेल्जियम के ब्रुग्स शहर में बनाया गया था और इसमें एक शासक के सत्ता में आने का चित्रण किया गया है। यह वर्तमान में जर्मनी के बवेरियन राष्ट्रीय संग्रहालय में है।

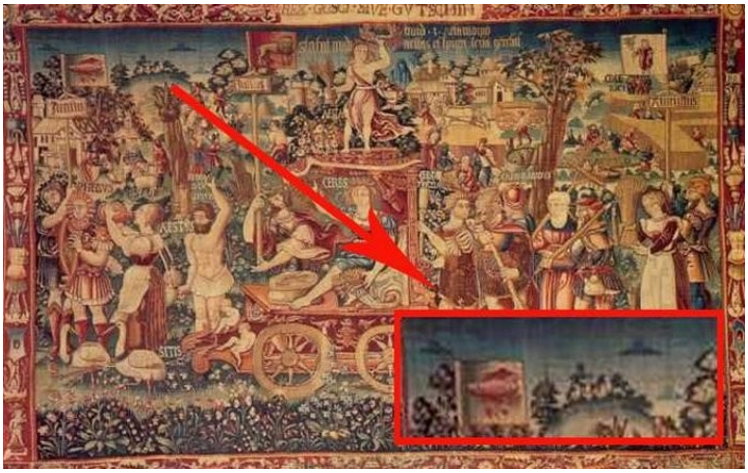

ग्रीष्म ऋतु की विजय
इस सजावटी वस्तु में बाईं और दाईं दोनों ओर कई आकृतियाँ हैं। टोपी के आकार की वस्तुएं या एक क्लासिक उड़ने वाले जहाज: चालक दल के गुंबद वाली एक डिस्क।
नोट्रे-डेम डी बेसिलिका में पाई गई वर्जिन मैरी की जीवनी फ्रांस के बरगंडी प्रांत में स्थित ब्यून शहर का निर्माण 13 वीं शताब्दी में हुआ था और इसमें गोथिक और पुनर्जागरण काल की वास्तुकला के तत्व मौजूद हैं। लेकिन धार्मिक पर्यटकों और आम तौर पर जिज्ञासु लोगों का ध्यान मुख्य रूप से इसकी वास्तुकला से नहीं, बल्कि इसमें मौजूद पंद्रहवीं शताब्दी की एक खूबसूरत टेपेस्ट्री से आकर्षित होता है।

□□□□□□-□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□ "□□□□□□ □□□□ □□ □□□□" □□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□

यह परंपरा 19 वीं शताब्दी में शुरू हुई और लगभग 1530 तक चली, जब ट्रेंट की परिषद ने उन सभी चीजों को हटाने का आदेश दिया जो श्रद्धालुओं को धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने से रोकती थीं। इनके सामने, जो बाइबिल की कहानियों - विशेष रूप से कुंवारी मरियम और यीशु की कहानियों - को बताने के लिए बनाई गई थीं, आमतौर पर गायन मंडलियां रखी जाती थीं। इस टेपेस्ट्री में एल ट्रायम्फो डेल वेरानो की आकृतियों से काफी मिलती-जुलती आकृतियाँ दिखाई देती हैं।
लेकिन ये उड़न तश्तरी की आकृति के सबसे शुरुआती चित्रण नहीं हैं।
प्रज्ञापारमिता सूत्र (ज्ञान की पूर्णता के सूत्र) से लिया गया 10 वीं शताब्दी का एक टुकड़ा, जो लगभग 100 ईसा पूर्व और 600 ईस्वी के बीच भारतीय मूल की लगभग 40 कहानियों का संग्रह है, उसमें रहस्यमय तरीके से कई जहाज के आकार की वस्तुएं भी उभरती हैं।
इतालवी चित्रकार वेंचुरा द्वारा रचित यूचरिस्ट के महिमाकरण (1600) में
सलीमबेनी की कलाकृति में, प्रकाश के गोले (ऑर्ब) की आकृति एक बार फिर दिखाई देती है। इस वेदी चित्र ने यूएफोलॉजी में ख्याति अर्जित की क्योंकि यीशु और ईश्वर के बीच बनी वस्तु का आकार प्रसिद्ध स्पुतनिक से बहुत मिलता-जुलता है, जो एक रूसी उपग्रह है जिसने 1957 में अमेरिका के साथ अंतरिक्ष दौड़ शुरू की थी।

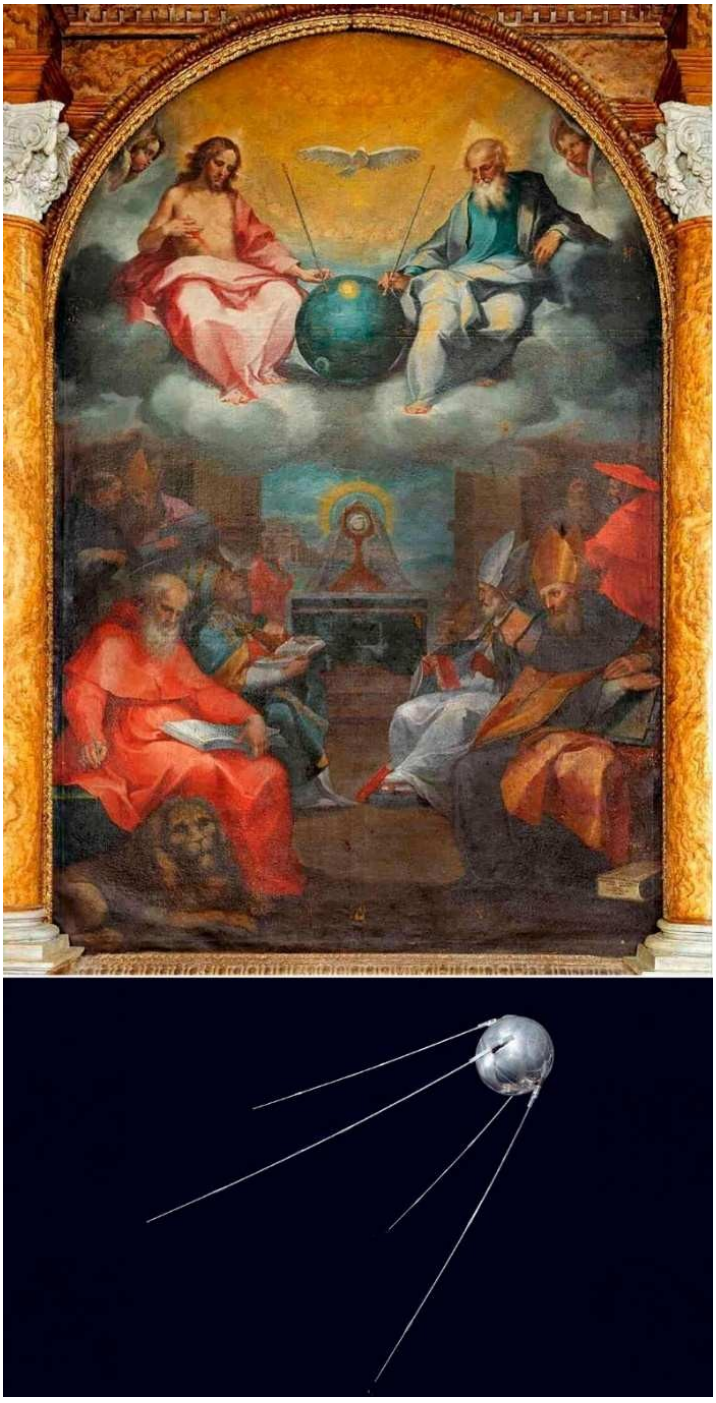

"□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□" □□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□

"उत्सुरो-ब्यून" का चित्रण,
'उमे-नो-चिरी' (1844) में नागाहाशी माताजीरौ द्वारा।
जापान में तीन ऐसे ग्रंथ हैं जो अनुभवों का वर्णन करते हैं। उत्सुरो-बुने (जापानी में खोखली नाव): तोएन शोसेत्सु (1825), ह्योर्यू किशु (1835) और उमे-नो-चिरी (1844)। इसमें 1803 में पूर्वी जापान के हिताची प्रांत के तट पर बहकर आई एक रहस्यमय वस्तु के उतरने का वर्णन है।
यह चित्र नाविकों द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तु की विशेषताओं को दर्शाता है।
समुद्र में तैरती हुई एक वस्तु मिली। उस "खोखली नाव" से एक महिला उतरी, जो जापानी भाषा नहीं जानती थी, इसलिए वह अपनी नाव पर लौट गई और समुद्र में लापता हो गई। जापानी लोककथाकारों के लिए यह महज एक कहानी है, जबकि यूएफओ विशेषज्ञों के लिए यह अकाट्य प्रमाण है।

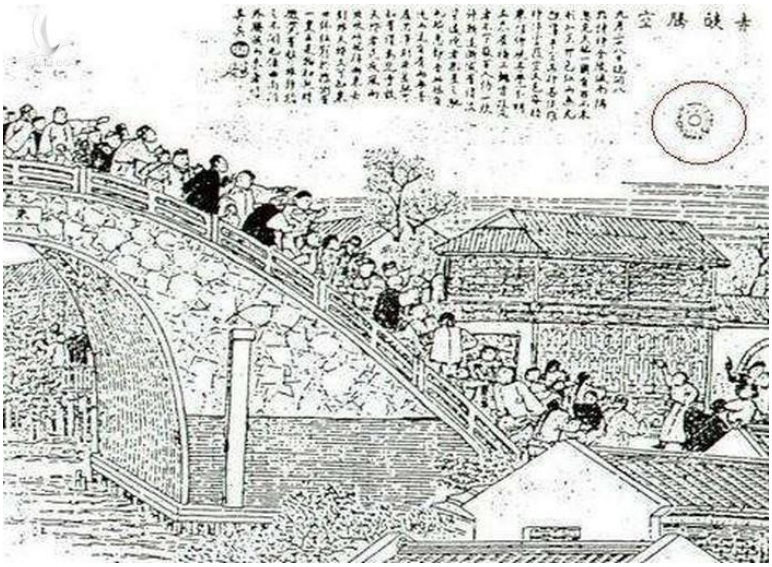

"आसमान में लाल लपटें", द्वारा
वू योरु.
कुछ दशकों बाद, 1892 में, वू योरू, पहले चीनी लोगों में से एक थे।
कार्टूनिस्ट ने अपनी कृति "आसमान में लाल ज्वालाएँ" प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने नानजिंग में फ़ूज़ी मंदिर के पास स्थित झूके पुल पर घटी एक विचित्र घटना को दर्ज किया है।
एशिया में भी एक तिब्बती पांडुलिपि है, जो 10 वीं शताब्दी की है।
शताब्दी में, प्रज्ञापारमिता सूत्र (ज्ञान की पूर्णता के सूत्र) के एक अंश में, हिंदू मूल के एक उड़ने वाले वाहन, विमानों का वर्णन किया गया है। ग्रंथ में कहा गया है कि यह "हवा की गति" से उड़ता था और "मधुर ध्वनि" उत्पन्न करता था।

Prajnaparamita Sutra
यह इन वाहनों का सिर्फ एक उदाहरण है, जो कि
धार्मिक व्यवस्था कई रचनाओं में दिखाई देती है, जैसे कि द फ्लावर शिप (1916), जो चित्रा रामायना नामक पुस्तक के लिए बाला साहिब द्वारा बनाया गया एक चित्र है।

"फूलों का जहाज" (1916), बाला साहिब द्वारा बनाया गया एक चित्र। खैर, यह सब इस तथ्य की ओर इशारा करता है कि उड़ने वाली वस्तुएं और अलौकिक प्राणी
ऐसी कोई चीज नहीं है जिसे पहले कभी नहीं देखा गया हो। और आज के समय पर थोड़ा और ध्यान दें तो, न केवल सूर्य या प्राचीन चित्रों में वस्तुएँ दिखाई देती हैं, बल्कि चंद्रमा में भी दिखाई देती हैं।

ये दोनों तस्वीरें 4 अप्रैल, 2020 की हैं, और हालांकि इनकी गुणवत्ता
यह सबसे अच्छा नहीं है, हम चंद्रमा की सतह के चारों ओर चक्कर लगाते हुए दो गोले देख सकते हैं, जिनके बारे में कोई नहीं जानता कि वे क्या हैं।
हालांकि, इन सबसे कहीं ज्यादा चौंकाने वाली बात भी है। तस्वीरें। एक अज्ञात वस्तु कुछ समय तक हमारे ऊपर उड़ती रही और इसे पहली बार 19 अक्टूबर, 2017 को देखा गया था।
ओउमुआमुआ: अंतरतारकीय आगंतुक

यह विचित्र वस्तु पहली बार अक्टूबर 2017 में दिखाई दी और इसे नाम दिया गया।
हवाई विश्वविद्यालय के पैन स्टार्स निरंतर ध्वनि प्रणाली के खगोलविदों द्वारा (ओउमाउआमुआ का अर्थ है "दूर से आने वाला संदेशवाहक जो सबसे पहले पहुंचता है")।
दूरबीनें लगभग तीन दिनों तक इसके पथ का अनुसरण करने में सक्षम थीं।
जब तक वह उनकी नजरों से ओझल नहीं हो गया। कहा जाता है कि वह कोई सामान्य वस्तु नहीं थी, क्योंकि वह 400 मीटर लंबी थी और उसकी चौड़ाई दस गुना कम थी। उसकी सतह भी लाल रंग की थी।
पहले तो यह माना जाता था कि ओउमुआमुआ दो चीजों में से एक हो सकता है:

या तो यह एक धूमकेतु था या एक क्षुद्रग्रह। लेकिन बहुत जल्द यह संभावना सामने आई कि वास्तव में इसकी उत्पत्ति कृत्रिम हो सकती है।
यह कहकर कि यह कृत्रिम हो सकता है, हमारा मतलब है कि यह पूरी तरह से
किसी अलौकिक सभ्यता द्वारा जानबूझकर पृथ्वी के निकट भेजा गया एक परिचालनशील यंत्र।
इस संभावित सिद्धांत में इसके असामान्य व्यवहार और अन्य बातें भी शामिल हैं।
इसकी विशेषताओं के साथ-साथ यह तथ्य भी है कि यह सौर मंडल में खोजी गई पहली ऐसी वस्तु है जिसकी उत्पत्ति सौर मंडल के बाहर हुई है।
इसके अलावा, ओउमुआमुआ मुख्य रूप से नाइट्रोजन से बना है, जो कि एक
यह एक दुर्लभ तत्व है जो केवल प्लूटो पर पाया गया है, और बौने ग्रह के कुल द्रव्यमान का केवल 0.5% है। इतना ही नहीं, वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारे अंतरतारकीय संदेशवाहक के आकार की वस्तु बनाने के लिए ब्रह्मांड में पर्याप्त नाइट्रोजन मौजूद नहीं है।
तो क्या ओउमुआमुआ इस बात का अकाट्य प्रमाण हो सकता है कि पृथ्वी पर जीवन मौजूद है?
अन्य ग्रह?
शायद हाँ और शायद ना, लेकिन यह हमें इसके और भी करीब ले आएगा। यह एक ऐसी दुनिया है जो काफी हद तक सभी मनुष्यों के लिए अज्ञात है।

जैसा कि शर्लक होम्स ने कहा था, "जब आप सभी तार्किक समाधानों को खारिज कर देते हैं।"
किसी समस्या के लिए, जो अतार्किक है, भले ही वह असंभव हो, वही हमेशा सत्य होता है।"

अंतरिक्ष यात्रियों, पूर्व सीआईए एजेंटों और अन्य लोगों के अनुभवजन्य बयान
एयरलाइन पायलटों ने अपने देखे गए दृश्यों के बारे में बताया हेलेन शर्मन
1991 में, हेलेन शरमन ने अंतरिक्ष में आठ दिन बिताए, जहाँ उन्होंने भाग लिया।
सोवियत संघ के मीर अंतरिक्ष स्टेशन मिशन के दौरान, वह 27 वर्ष की थीं और उन्होंने बहुत ही सशक्त बयान देते हुए कहा कि अलौकिक जीवन का अस्तित्व है और ब्रह्मांड में अरबों तारों के साथ, जीवन के विभिन्न रूपों की व्यापकता अवश्य ही संभव है।
एडगर मिशेल
वह 'अपोलो 14' चंद्र मिशन के पायलट थे। मिशेल का दावा है कि उन्होंने बताया कि अपने करियर के दौरान उन्हें पृथ्वी पर कई यूएफओ यात्राओं की जानकारी रही है, लेकिन वे सभी गुप्त थीं। उन्होंने इन अलौकिक प्राणियों को छोटे आकार के जीव बताया, "जो हमें अजीब तरह से देखते थे।"

डेके स्लेटन
डेके ने मर्करी प्रोजेक्ट में भाग लिया, जो एक ऐसा कार्यक्रम था जिसका उद्देश्य था
यह अंतरिक्ष यात्री मनुष्य को चंद्रमा पर ले जाने वाला था। यह अंतरिक्ष यात्री नासा के कई उड़ान दल मिशनों में शामिल था; हालांकि, अपने काम के दौरान, उसने कथित तौर पर एक बेहद अजीब यान देखा और कहा: "यह 45 डिग्री के कोण पर एक तश्तरी जैसा दिख रहा था, थोड़ी देर बाद यह चालू हुआ और उड़ गया, और मैं इसे फिर कभी नहीं देख सका।"
ब्रायन ओ'लेर्ली
नासा ने अपने शुरुआती वर्षों में यात्रा करने की एक परियोजना को अंजाम देने की योजना बनाई थी।
मंगल ग्रह की यात्रा। ओ'लेर्ली भी इस योजना का हिस्सा थे, हालांकि, यह रद्द हो गई। फिर भी, ब्रायन कार्ल सागन के साथ कॉर्नेल विश्वविद्यालय में एक शिक्षाविद बन गए। अपनी सेवानिवृत्ति के बाद, पूर्व अंतरिक्ष यात्री ने पृथ्वी पर अलौकिक प्राणियों के अस्तित्व के बारे में आश्वासन दिया; उन्होंने यह भी कहा कि ये प्राणी हमारे ग्रह की तकनीकी उन्नति में योगदान देंगे।
ओ'लेर्ली ने निम्नलिखित बातें कहीं:
"अन्य सभ्यताएं लंबे समय से हम पर नजर रख रही हैं। उनकी पश्चिमी दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह रूप विचित्र है।
गॉर्डन कूपर
उन्होंने अंतरिक्ष में कम से कम 222 घंटे बिताए। वह उन लोगों में से एक थे जिन्होंने अंतरिक्ष में अपना समय व्यतीत किया।

नासा के मरकरी कार्यक्रम में अंतरिक्ष यात्रियों के साथ काम करने वाले वे 1963 में 34 घंटे से अधिक समय तक फेथ 7 अंतरिक्ष यान के पायलट रहे। उन्होंने जेमिनी 5 मिशन का भी नेतृत्व किया। वे 1970 में नासा से सेवानिवृत्त हुए। 1985 में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के समक्ष गवाही दी कि संयुक्त राज्य अमेरिका प्रतिदिन अपने रडारों पर अज्ञात वस्तुओं का पता लगा रहा था और अमेरिकी सरकार अंतरिक्ष यात्रियों और वैज्ञानिकों को इस जानकारी को गुप्त रखने के लिए मजबूर कर रही थी।
इस प्रकार गॉर्डन कूपर ने कहा:
मुझे लगता है कि वे अलौकिक यान और उनके दल पृथ्वी पर आ रहे हैं। अन्य ग्रहों के प्राणी स्पष्ट रूप से हमसे कहीं अधिक तकनीकी रूप से उन्नत हैं। मेरा मानना है कि हमें विभिन्न प्रकार की मुलाकातों से संबंधित ग्रहों के डेटा को एकत्र करने और वैज्ञानिक रूप से विश्लेषण करने के लिए एक उच्च स्तरीय समन्वित कार्यक्रम की आवश्यकता है, ताकि हम अपने आगंतुकों के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करने का सर्वोत्तम तरीका निर्धारित कर सकें। सार्वभौमिक टीम के पूर्ण सदस्य के रूप में स्वीकार किए जाने से पहले, उन्हें यह दिखाना आवश्यक होगा कि हमने अपनी समस्याओं को शांतिपूर्वक हल करना सीखा है, न कि युद्ध से। मुझे यकीन है कि यह स्वीकृति हमारी दुनिया को शानदार अवसर प्रदान करेगी।
जी
सभी क्षेत्रों में प्रगति की संभावनाएं। वर्षों से मैं एक रहस्य छिपाए जी रहा था, वह रहस्य जो सभी विशेषज्ञों और अंतरिक्ष यात्रियों पर गुप्त रखा गया था। अब मैं यह खुलासा कर सकता हूं

कि संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिदिन हमारे रडार अज्ञात आकार और प्रकृति की वस्तुओं का पता लगाते हैं।
इस बात को साबित करने के लिए हजारों प्रत्यक्षदर्शी रिपोर्ट और दस्तावेज मौजूद हैं।
हमारे पास ये जानकारी है, लेकिन कोई इन्हें प्रकाशित नहीं करना चाहता। क्यों? अधिकारियों को डर है कि लोग किसी भयानक आक्रमणकारियों की कल्पना करने लगेंगे। इसलिए नारा यही है: हमें हर कीमत पर घबराहट से बचना चाहिए।

हेइडेमेरी स्टेफनीशिन-पाइपर
यूएफओ से जुड़े सबसे असाधारण और स्पष्ट मामलों में से एक घटना घटी।
2006 में शू ले अटलांटिस के एसटीएस-115 मिशन के दौरान, शू ले के पास अजीबोगरीब उपकरण देखने वाले चालक दल के सदस्यों में हाइडेमेरी स्टेफनिशिन-पाइपर भी शामिल थीं; इन वस्तुओं को वीडियो में कैद किया गया था: पांच गोले और एक प्रकार का सिलेंडर। यह स्पष्ट था कि किसी चीज ने अटलांटिस के पृथ्वी की ओर आने के दौरान उसे "रोक" दिया था, लेकिन... अंतरिक्ष यात्रियों से बेहतर कौन बता सकता था कि उन्होंने वास्तव में क्या देखा था? यह जिम्मेदारी हाइडेमेरी स्टेफनिशिन-पाइपर को सौंपी गई थी, लेकिन उनका लाइव प्रसारण नाटकीय रूप से समाप्त हो गया जब वे जो कुछ देखा था उसे समझाने की कोशिश करते हुए बेहोश हो गईं।
"ऐसा पहले कभी नहीं देखा गया था," महिला ने कहा।
उस नासा प्रेस कॉन्फ्रेंस में अंतरिक्ष यात्री मौजूद था।
कुल मिलाकर दो बार लगातार बेहोशी के दौरे पड़े। उसने कोशिश की... बोलते हुए अचानक लड़खड़ा गए और बेहोश हो गए। बाद में आधिकारिक स्पष्टीकरण क्या दिया गया? अंतरिक्ष का मलबा, बर्फ के क्रिस्टल आदि।
ये वृत्तांत अमेरिकी सशस्त्र बलों के पूर्व अंतरिक्ष यात्रियों और पायलटों के हैं।
कुछ ताकतें हमें स्पष्ट सबूत देती हैं कि उनके पास ऐसी जानकारी है जिसे वे हमें "सुरक्षित रखने" के सरल कारण से प्रकट नहीं करना चाहतीं और यह कि वर्षों से हजारों बार ऐसी घटनाएं देखी गई हैं और होती रहती हैं।

इन गवाहियों पर विश्वास करने या न करने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि
इनके पीछे एक सरल सी बात है: वहाँ कुछ वस्तुएँ मौजूद हैं और यद्यपि हम नहीं जानते कि वे क्या हैं, वे हमें यह नहीं बताना चाहतीं कि वे क्या जानती हैं।

[illegible]

[illegible]

[illegible] 1971 [illegible] [illegible] [illegible]

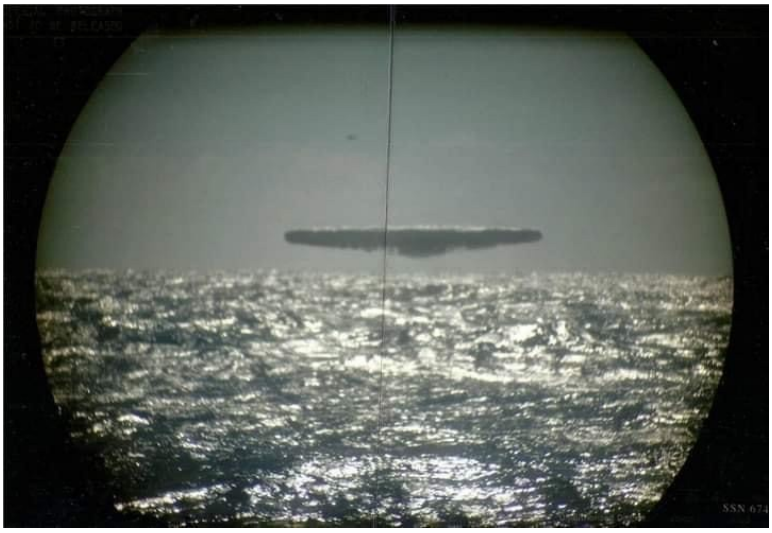

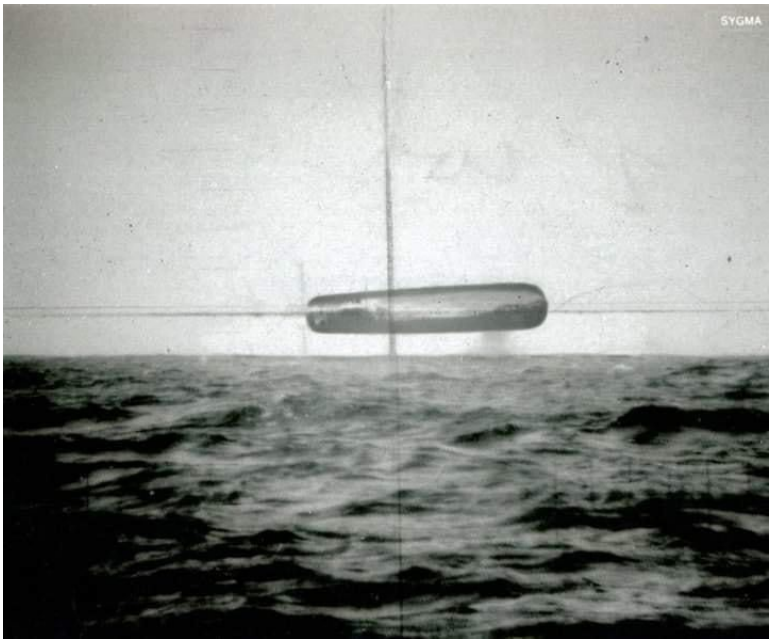
SYGMA

इस पूरी यात्रा में, जो समझ से परे और अवास्तविक है, मुझे लगता है कि हम

इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है: हमें किसी भी चीज़ का कोई ज्ञान नहीं है, कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगता है, लेकिन एक ऐसी चीज़ है जिससे हम बच नहीं सकते: पृथ्वी पर उड़ने वाली वस्तुओं, विशालकाय वस्तुओं, हमसे मिलने आने वाली वस्तुओं, पृथ्वी पर निवास करने वाले विशालकाय प्राणियों के आसन्न प्रमाण, और यह कि अभिजात वर्ग, या जो भी हम इसे कहना चाहें, ने हमसे अधिकांश

जानकारी छिपा रखी है। मुझे लगता है कि यह सब हमारे मानवीय मन के लिए समझ से परे हो सकता है, लेकिन हमारे भीतर कुछ ऐसा है जो इससे प्रतिध्वनित होता है। मुझे लगता है कि जब कोई सत्य को महसूस करता है तो उसे पहचान लेता है। यह अवास्तविक भी है, क्योंकि हमारी इंद्रियां, हमारा मन, ऐसे आयामों में विश्वास करने के लिए अनुकूलित नहीं है, जो इसके अस्तित्व को नकार दें और बदले में, इसे संपूर्ण का हिस्सा बना दें।
इसीलिए, अगले और अंतिम अध्याय में हम इस बारे में बात करेंगे। शून्यता और सब कुछ…

शून्यता और सब कुछ

एक ही सिक्के के दो पहलू। सब कुछ और शून्यता का अस्तित्व नहीं है।
और साथ ही साथ अस्तित्व में भी रहें।
इस अंतिम अध्याय में हम अपनी सीमाओं से परे जाने वाले हैं। ध्यान रखो, क्योंकि यहाँ इसकी आवश्यकता नहीं है। यह आवश्यक नहीं है कि तुम कुछ समझने का प्रयास करो, बस अपने आप को अनसमझ की प्रचुरता में डूबने दो, इसे तुम्हें सार्वभौमिक स्तरों तक ले जाने दो जहाँ सब कुछ अर्थपूर्ण लगता है, और साथ ही कुछ भी अर्थपूर्ण नहीं लगता।
जिस बिंदु से सब कुछ बना है, वही बिंदु शून्यता को भी बनाता है। इसीलिए इनके बारे में बात करने से आप बिना पूछे ही संतुलन के बिंदु में डूब जाते हैं। चलिए, इस पर और गहराई से विचार करें: जब आप अंतरिक्ष-समय को "सब कुछ जो मौजूद है" के रूप में समझने लगते हैं, तो वह सब कुछ क्या है? वह कहाँ है?
शोध के अनुसार, "सब कुछ" में खाली जगह के अलावा कुछ भी नहीं है। और यह हमारे द्वारा देखी जाने वाली वस्तुओं और हमारे द्वारा परिकल्पित वास्तविकता में कैसे प्रकट होता है? आसान है, वस्तुओं और आकृतियों की भौतिक संरचना के रूप में दुनिया की हमारी 3 डी धारणा के माध्यम से।
दिलचस्प बात यह है कि हमने सदियों से खुद को यही विश्वास दिला रखा है।

इस सत्य का। यह सत्य कि जो हम अनुभव करते हैं वही एकमात्र चीज़ है, या एकमात्र वास्तविक चीज़ है।
हमारी दृष्टि के दायरे से हम इससे अधिक कुछ भी नहीं देख पाते। ब्रह्मांड में मौजूद सभी विद्युत चुम्बकीय तरंगों के एक बहुत छोटे हिस्से से भी कम को मनुष्य देख पाता है। डॉ. करण राज के अनुसार, मनुष्य की आंख वास्तविकता का केवल 0.0035% ही देख पाती है।
"जो आवश्यक है वह आँखों से अदृश्य है।" - द लिटिल प्रिंस
यह एक बहुत ही स्पष्ट बात की पुष्टि करता है: हमारी वास्तविकता सीमित है, या
बल्कि, सीमित रूप से गलत।
और ऐसा इसलिए नहीं कि यह पूरी तरह से अवास्तविक है, बल्कि इसलिए कि हम विश्वास करते हैं।
यह सच है।
यह समझना महत्वपूर्ण है कि सब कुछ और कुछ भी नहीं
यही हमें उस बिंदु तक ले जाता है जो उन्हें समाहित करता है, जहां शून्यता और सब कुछ किसी चीज में एकीकृत होते हैं।
वह चीज़ क्या है? अगले अध्यायों में हम देखेंगे।
ऐसे कई अलग-अलग बिंदु हैं जो हमें उस प्रश्न का उत्तर देने के करीब ला सकते हैं।
हम समग्रता और शून्यता के बारे में बात करेंगे। सबसे पहले, इसके अंतर्गत...
आध्यात्मिक बिंदुओं पर चर्चा करने के बाद, हम कुछ सिद्धांतों पर विचार करेंगे जो पृष्ठ दर पृष्ठ बनाए गए हैं।
उन लोगों द्वारा जिन्होंने इन अवधारणाओं को अधिक तकनीकी शब्दों में व्यक्त करने का प्रयास किया।

सितारों का संगीत
मानवता के सबसे बड़े रहस्यों में से एक को समझने और जानने के लिए
"सब कुछ और कुछ नहीं" को एक साथ मिलाकर, ध्वनिक उत्तोलन के बारे में बात करने से हमें यह समझने में मदद मिल सकती है कि यह ब्रह्मांड कैसे काम करता है।
ध्वनिक उत्तोलन अंतरिक्ष में किसी वस्तु या वस्तु को ऊपर उठाने का अनुभव है।
किसी ज्ञात भौतिक कारक के हस्तक्षेप के बिना किसी वस्तु या व्यक्ति का हवा में तैरना। हम उत्तोलन को हवा में तैरने के रूप में समझ सकते हैं, जिसमें वस्तु या व्यक्ति को सहारा देने वाला कोई कारक न हो। और जब हम ध्वनिक उत्तोलन की बात करते हैं, तो हमारा तात्पर्य यह है कि वस्तु या व्यक्ति के तैरने का कारण कोई ध्वनि या ध्वनि आवृत्ति है जो उसे उत्तोलित करती है।
सबसे पहले तो यह सोचना होगा कि यह कैसे संभव है? इसे थोड़ा और स्पष्ट करने के लिए, आइए हम ब्रह्मांड को उसके सामान्य संदर्भ में देखें।
यह ऊर्जावान आवृत्तियों से बना है, यानी सब कुछ ऊर्जा से बना है जो संपूर्ण रूप में या स्वयं शून्यता में कंपन करती है। तार्किक निष्कर्ष के आधार पर, आप और मैं भी एक चट्टान की तरह ऊर्जा हैं।
पेड़, आपका कंप्यूटर और आपके आसपास की हर चीज।
इसलिए, कुछ विशेष कंपन तरंगों का उपयोग करके, हम वस्तुएं बना सकते हैं।
हवा में तैरना, या यहाँ तक कि खुद को भी।

ऐसे लोगों के बारे में कई किंवदंतियाँ प्रचलित हैं जो हवा में उड़ने की क्षमता रखते हैं।
वे ध्यान की गहरी अवस्थाओं में प्रवेश करते थे, जहाँ उनके अनुसार, वे चेतना की परिवर्तित अवस्थाओं तक पहुँचते थे और स्वयं को एक भौतिक शरीर के रूप में देखना बंद कर देते थे, और उस दुनिया में वे कुछ भी करने में सक्षम थे, उनमें से एक तो हवा में उड़ने में भी सक्षम था।
इन कहानियों में से जितनी हमें वेब पर मिल सकती हैं, और वे हालांकि ये बातें सच लगती हैं, लेकिन कई ऐसे सिद्धांत भी हैं जो उनकी हरकतों को गलत साबित करते हैं और अंततः यह साबित करते हैं कि वे लोगों को धोखा देने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मात्र चालें थीं, इसलिए मैंने किसी विशिष्ट सिद्धांत का उल्लेख करना प्रासंगिक नहीं समझा।
फिर भी, एक मूर्तिकार का एक बहुत ही प्रभावशाली उदाहरण है जिसने एक पार्क का निर्माण किया।
चट्टानी द्वारों को, अकेले, बिना किसी (ज्ञात) उपकरण या लोगों की मदद के।
1877 में लातविया में जन्मे एडवर्ड लीडस्कलनिन, उन लोगों में से एक बन गए, जिन्होंने
ध्वनिक उत्तोलन की सभी पहेलियों में सबसे प्रभावशाली।
20 वर्ष की आयु में, उन्होंने फ्लोरिडा, अमेरिका में अपना करियर शुरू किया।
जीवन भर की एक असाधारण रचना: उनका रॉक गेट पार्क, एक विशाल पत्थर का शहर जो 1000 टन से अधिक प्रवाल चट्टानों से बना है, जिसमें प्रत्येक पत्थर का वजन 35 टन तक है।

इस मूर्तिकार को जानने वाले लोग यह सोचने लगे कि एक ऐसा व्यक्ति जिसके पास...
तपेदिक अकेले ही उस सारी चट्टान को इधर-उधर कर सकता था, काट सकता था और आकार दे सकता था।
1986 में, उनकी मृत्यु के बहुत समय बाद, पार्क का द्वार, जिसे तब कोरल कहा जाता था,
किला टूट गया था और उसे ठीक करने के लिए 45 टन की क्रेन के साथ छह आदमियों की जरूरत पड़ी।
लीडस्कैलनिन ने कभी अपने रहस्य उजागर नहीं किए, उन्होंने केवल इतना कहा कि वे "जानते थे"।
सितारों के संगीत को कैसे सुनें।"
मूर्तिकार के शब्दों में:
मैंने पिरामिडों के रहस्यों को उजागर किया है और पता लगाया है कि कैसे
मिस्रवासियों और पेरू, युकाटन और एशिया के प्राचीन निर्माताओं ने केवल आदिम औजारों की सहायता से कई टन वजनी पत्थर के ब्लॉकों को उठाया और स्थापित किया।"

इसके अलावा, उनके पड़ोसियों ने दावा किया कि उन्होंने उन्हें गाते हुए सुना था।
उनके मूंगे। साथ ही, किशोरों के एक समूह ने कसम खाकर कहा कि उन्होंने उसे मूंगे के टुकड़ों को हाइड्रोजन गुब्बारों की तरह तैरते हुए देखा था। बिल्कुल सरल।
सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रेडियो उपकरणों का एक बड़ा भंडार वहां पाया गया।
किले की गहराई में, साथ ही एक ध्वनिरोधक और पूरी तरह से सीलबंद कमरा भी है जिसका उपयोग ध्वनि प्रयोगों के लिए किया गया हो सकता है।

एक और रोचक कहानी स्वीडन के डॉक्टर जार्ल नामक व्यक्ति की है, जो...
1930 के दशक में, जार्ल तिब्बत आए, एक ऐसी जगह पर जहाँ पहले बहुत कम लोग गए थे। उन्हें तिब्बत में रहने वाले उनके एक मित्र ने वहाँ एक बीमार पड़े प्रमुख लामा का इलाज करने के लिए आमंत्रित किया था।
जार्ल की यात्रा का विवरण एक जर्मन पत्रिका में प्रकाशित हुआ था।
तिब्बत में बिताए उनके समय और एक असाधारण कहानी का विस्तृत वर्णन:
डॉक्टर के अनुसार, एक दिन उसे एक घास के मैदान में ले जाया गया। ऊँची-ऊँची चट्टानों से घिरा हुआ। इन्हीं चट्टानों में से एक पर, ज़मीन से लगभग 250 मीटर ऊपर, एक गुफा थी और ऐसा लग रहा था मानो स्थानीय लोग पत्थर की दीवार बनाना शुरू कर रहे हों। जार्ल को आश्चर्य हुआ कि ऐसा करना कैसे संभव था, क्योंकि वहाँ तक पहुँचने का एकमात्र रास्ता शायद रस्सी लटकाकर ही था।
उसने उत्सुकता से देखा कि बंजर घास के मैदान में एक विशालकाय जीव था।
बीच में कटोरे के आकार की नक्काशी वाली चिकनी पत्थर की पटिया।
कुछ ही क्षणों में, भारी-भरकम वाद्ययंत्र लिए भिक्षुओं का एक समूह आ उठा।
दृश्य में।
ये भिक्षु अपने साथ लोहे के विशाल ढोल और 3 मीटर लंबे ड्रम लेकर आए थे।
सींग। भिक्षुओं ने बैल की मदद से एक भारी पत्थर को घास के मैदान में मौजूद चिकनी चट्टान पर घसीटा। फिर उन्होंने अपने वाद्य

यंत्र उसके चारों ओर रखे और लोहे के ढोल को चमड़े के हथौड़ों से पीटते हुए और सींग बजाते हुए वादन शुरू किया। इसके बाद जो हुआ उसने जार्ल को चौंका दिया: जैसे ही पत्थर अपनी जगह पर रखा गया, छोटे ढोल के पीछे बैठे भिक्षु ने संगीत शुरू करने का संकेत दिया। छोटे ढोल की आवाज़ बहुत तीखी थी और अन्य वाद्य यंत्रों के भयानक शोर के बीच भी सुनाई दे रही थी। सभी भिक्षु एक प्रार्थना का जाप कर रहे थे, और धीरे-धीरे इस अविश्वसनीय शोर की गति बढ़ा रहे थे। पहले चार मिनट तक कुछ नहीं हुआ, फिर जैसे-जैसे ढोलों की गति और शोर बढ़ा, बड़ा पत्थर का टुकड़ा हिलने लगा और अचानक 250 मीटर ऊँचे गुफा के प्रवेश द्वार के सामने बने चबूतरे की ओर तेज़ी से हवा में उड़ गया।
तीन मिनट की उड़ान के बाद, यह प्लेटफार्म पर उतरा। जार्ल आश्चर्यचकित रह गया।
उसने देखा कि मोजेस इस प्रक्रिया को बार-बार दोहरा रहे थे, हर घंटे 5 से 6 पत्थर हटा रहे थे और धीरे-धीरे पत्थर की दीवार बढ़ती जा रही थी। उसे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हो रहा था, उसे लगा कि शायद उसे सम्मोहित कर दिया गया है या नशा कराया गया है। इसलिए उसने इस प्रक्रिया को रिकॉर्ड करने के लिए एक कैमरा लगाया। जब उसने रिकॉर्ड किया हुआ देखा, तो उसने अपनी बात की पुष्टि कर दी: एक-एक पत्थर जादू की तरह हवा में तैर रहे थे। मज़ेदार बात यह है कि जब जार्ल यूरोप लौटा, तो वैज्ञानिक
जिस संस्था ने उनकी यात्रा को प्रायोजित किया था, उसने उनके वीडियो जब्त कर लिए और बाद में वे गायब हो गए।
तो क्या जार्ल सचमुच सम्मोहित था या इन भिक्षुओं के बीच कोई गुप्त साजिश थी?

क्या यह ज्ञान चट्टानों को हवा में उठा सकता था? क्या यह उसी अनुभव के समान था जो ऊपर वर्णित कहानी में मूर्तिकार ने चट्टानों का उपयोग करके अपना पार्क बनाने के लिए किया था?
पी
आज हम जानते हैं कि ध्वनिक उत्तोलन ऐसी कोई चीज नहीं है जिसे असंभव माना जा सके।
अतः, ये कहानियाँ महज़ किंवदंतियाँ या मिथक ही नहीं होनी चाहिए।
ध्वनिक उत्तोलन में, ध्वनि का उपयोग बल का प्रतिकार करने के लिए किया जाता है।
गुरुत्वाकर्षण के कारण, जब ध्वनि तरंगें किसी सतह से टकराकर वापस आती हैं, तो संपीडन और अपवर्तन के बीच परस्पर क्रिया से व्यतिकरण होता है।
कभी-कभी, परावर्तन और हस्तक्षेप मिलकर ऐसी स्थिति उत्पन्न करते हैं जो
इसे स्थिर तरंग कहते हैं। ये ध्वनि तरंगें होती हैं जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर यात्रा करने के बजाय कंपन करती हुई प्रतीत होती हैं।
मूलतः, जब स्थिर तरंग का अभिविन्यास समानांतर होता है गुरुत्वाकर्षण बल के कारण, इसका प्रभाव उत्तोलन (लेविटेशन) होता है। ये स्थिर तरंगें एक ध्वनिक उत्तोलक (एक ऐसा उपकरण जिसमें एक ट्रांसड्यूसर, ध्वनि उत्पन्न करने वाली कंपन सतह और एक परावर्तक होता है) का उपयोग करके उत्पन्न की जाती हैं। भिक्षुओं के ट्रांसड्यूसर ढोल और तुरही थे,
अवतल सतह वाली चिकनी चट्टान की पटिया परावर्तक।

एक बहुत महत्वपूर्ण बात यह भी है कि हम जिसे कहते हैं उससे दूरी कितनी है।
जिस वस्तु को स्थानांतरित करना है, उसके लिए ट्रांसड्यूसर का बहुत सटीक होना आवश्यक है।
लेकिन हमें इतनी सारी बारीकियों में जाने की ज़रूरत नहीं है, चलिए सीधे मुद्दे पर आते हैं।
इन सबके पीछे क्या रहस्य है: एक अदृश्य क्षेत्र जो कंपन तरंगों द्वारा गतिमान होता है, जहां हर चीज कुछ निश्चित ध्वनियों/आवृत्तियों के माध्यम से एक दूसरे से जुड़ी होती है। "इसका रहस्य संगीत वाद्ययंत्रों की ज्यामितीय स्थिति में छिपा है।"
पत्थरों को हवा में उठाने और ढोल और तुरही की लयबद्ध ध्वनि के संबंध में।"
-ब्रूस कैथी
तो, अगर कोई ऐसा क्षेत्र है जिसका हम सभी हिस्सा हैं, तो वह हमेशा मौजूद रहेगा।
हमारे पास मौजूद ज्ञान, जिसे हम जब चाहें तब उपयोग कर सकते हैं, क्या हम यह दावा कर सकते हैं कि हमारे पास असीम बुद्धि है? मेरा मतलब है, पृथ्वी पर हम जिस भौतिक अनुभव को जी रहे हैं, उसमें हमारी संभावनाओं की सीमा क्या है? क्या हम मनुष्य केवल एक भौतिक शरीर हैं, जिसका काम खाना, सोना और प्रजनन करना है, या क्या हमारे पास इस समस्त पैतृक ज्ञान तक भी पहुंच है, जिससे हम सचमुच जो चाहें, वह बना सकते हैं?
असीम मन
मन, हमारा अनंत मन। ध्वनि उत्तोलन के बारे में हमने जो देखा।

संपूर्ण सत्य। इसलिए, सत्य को समझने के लिए सब कुछ जानना आवश्यक नहीं है, बल्कि कुछ भी न जानना ही पर्याप्त है। या, यह मानना कि हमें कुछ भी जानने की आवश्यकता नहीं है, जिससे हम स्वयं को सत्य का अंश मानकर उस पर चिंतन कर सकें और फिर उसे जी सकें।

वास्तविकता के विभिन्न पहलू
जैसा कि हमने इस अध्याय की शुरुआत में उल्लेख किया था, हम जानते हैं कि हमारा
वर्णक्रमीय स्तर पर देखने की क्षमता 0.1 प्रतिशत से भी कम है। क्या इससे यह स्पष्ट नहीं हो जाता कि हमने इस पुस्तक में जिन बातों के बारे में लिखा है, वे सब सच हैं? याद रखें, संभावनाएं मौजूद हैं।
जब हम किसी चीज को ग्रहण करने की बात करते हैं तो हमारा ध्यान केंद्रित करने का स्तर बहुत सीमित होता है।
ब्रह्मांड की समग्रता। वास्तव में, ब्रह्मांड में जो कुछ भी समाहित है, वह हमारी सभी इंद्रियों से परे है। उन असंख्य चीजों का आकार निर्धारित करना कठिन है जिन्हें हम अनुभव नहीं कर सकते।
इस विषय को और गहराई से समझने के लिए, हम जैकब के कुछ पैराग्राफों का सहारा ले सकते हैं।
ग्रिंगर की पुस्तक 'द सिनर्जिस्टिक थ्योरी' का अध्याय V, जिसे उन्होंने 'द डायरेक्शनैलिटी फैक्टर' नाम दिया है:
किसी भूदृश्य को देखते समय, हम उसकी छवि को समझने का प्रयास कर सकते हैं।
हम चंद्रमा पर मौजूद गड्ढों को देख पाते हैं या किसी दूर की आकाशगंगा को अनुभव कर पाते हैं, क्योंकि जाली के प्रत्येक बिंदु में उनके बारे में जानकारी होती है। परिणामी छवि का किसी अन्य वस्तु या भूदृश्य की होना यह दर्शाता है कि हमने अपना ध्यान केंद्रित किया है। इस घटना को दिशात्मकता कारक कहा जाता है। सोनोरा के शमन डॉन जुआन माटस इसे एंकर पॉइंट कहते हैं। जाली और सहक्रियात्मक बैंडों का अस्तित्व मनुष्य की इस स्थिति को

स्पष्ट करता है कि वह एक अधिक विस्तृत चेतना को ग्रहण करने का साधन है।
ये सभी सापेक्षतावादी प्रभाव अजीब लगते हैं क्योंकि हमारी इंद्रियों से हम
हम चार-आयामी अंतरिक्ष-समय का अनुभव नहीं करते, बल्कि केवल इसके "तीन-आयामी प्रतिबिंब" देख सकते हैं। ये प्रभाव बेतुके लगेंगे यदि हम यह न समझें कि ये केवल चार आयामों में घटित होने वाली घटनाओं के तीन-आयामी प्रक्षेपण हैं, ठीक वैसे ही जैसे परछाईं तीन-आयामी वस्तुओं के प्रक्षेपण होते हैं।
दर्शनशास्त्र के क्षेत्र में खोजबीन करते हुए यह निश्चित रूप से हमें याद दिलाता है कि
प्लेटो के ठोस सिद्धांतों और विशेष रूप से "हाइपरक्यूब" के विचार के अनुसार, एक चित्र त्रि-आयामी घन की परछाई है, ठीक उसी प्रकार जैसे एक घन चार-आयामी हाइपरक्यूब की परछाई है, और प्रत्येक आयाम उच्चतर आयाम की परछाई है। इसी प्रकार प्लेटो ने कहा कि "भौतिक वस्तुएँ विचारों की परछाई हैं"; इस आधार से शुरू करते हुए और यह ध्यान में रखते हुए कि "रूप" और तथाकथित "पदार्थ" केवल प्रक्षेपण हैं, "सत्य", परम (और प्रथम) वास्तविकता को जानने का एकमात्र तरीका रूपों के प्रक्षेपण के कारण प्रकाश को जानना, अनुभव करना और जीना है। यहीं पर नव-प्लेटोवादी रहस्यवादी प्लॉटिनस ने अपने "हाइपोस्टेसिस के सिद्धांत" का प्रतिपादन किया। प्लॉटिनस के सिद्धांत के अनुसार, हाइपोस्टेसिस ही सच्चा पदार्थ, सच्चा अस्तित्व है, और इसकी संरचना इस प्रकार है: पहला हाइपोस्टेसिस: "परम सत्ता", दूसरा हाइपोस्टेसिस: "नूस" (लोगोस के समतुल्य), तीसरा हाइपोस्टेसिस: "आत्मा"।

तो, पाठ को आगे बढ़ाते हुए, सत्य को जानने के लिए हमें बस इतना करना होगा कि...
रहना।
अब जब हम पुस्तक के अंत की ओर बढ़ रहे हैं, तो मैं चाहता हूं कि हम और गहराई से इस विषय पर चर्चा करें।
इस विषय में, एकमात्र सत्य को जानने की चाहत में। मेरे भीतर कुछ ऐसा है जो आपको उत्तर देना चाहता है, आपको एकमात्र सत्य बताना चाहता है, लेकिन एक दूसरा हिस्सा भी है जो मुझे बताता है कि मैंने यह पहले ही कर दिया है, कि इस पुस्तक की रचना करके, वह "एकमात्र सत्य" उस पाठक में प्रकट हो जाएगा जो इससे जुड़ सकता है। और मैं इस पर भरोसा रखूंगा।
चाहे वह पेटेंट हो या उससे संबंधित सभी सिद्धांत
इल्यूमिनाती अभिजात वर्ग, टीवी चैनलों या ताश के खेल की भविष्यवाणियाँ, समुद्र से निकलने वाली अज्ञात उड़ने वाली वस्तुएँ, चंद्रमा, सूर्य या प्राचीन चित्रों में दिखाई देने वाली वस्तुएँ - हर चीज़ उस व्यक्ति के लिए सत्य है जो इसका अनुभव करता है। यही बात प्लेसीबो या नोसेबो प्रभाव या ऊर्जा नियंत्रण शक्तियों जैसे उत्तोलन और इस पुस्तक में उल्लेखित न की गई कई अन्य शक्तियों पर भी लागू होती है। मैं दोहराता हूँ, हर चीज़ हमारे अपने प्रक्षेपण की अभिव्यक्ति है। वास्तविकता की परछाइयाँ।

□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□

अब तक हमने जो कुछ भी देखा है, उसे देखते हुए यह तर्कसंगत भी है कि इसका उद्देश्य
यह अभिजात वर्ग जो हर चीज़ को नियंत्रित करता है, वह यही है कि हम जागृत नहीं होते, हम सच्चाई को नहीं जानते और हम अपने दम पर नहीं सोचते। वे अच्छी तरह जानते हैं कि हम बहुत आसानी से प्रभावित हो जाते हैं और वे इसका फायदा उठाते हैं। हमने जिन बातों पर चर्चा की है, उनके अलावा, अगर यह किताब आपके लिए किसी काम की हो सकती है, तो वह यह है कि आप अपने भीतर झांकें, न कि बाहर की दुनिया में। हो सकता है कि हमने यहां बाहरी दुनिया की कई बातें देखी हों, लेकिन यह उस संदेश का मुख्य केंद्र बिंदु नहीं है जिसमें "एकमात्र सत्य" समाहित है। बाहरी दुनिया में घटित होने वाली हर चीज़ से अचेतन रूप से नियंत्रित होने से बचने के लिए, हमें सबसे पहले अपने जीवन पर नियंत्रण रखना होगा। इस नियंत्रण के साथ यह ज़िम्मेदारी भी आती है कि हम तय कर सकें कि हम चीजों को कैसे लेते हैं। यह किताब आपको इसलिए क्रोधित करने के लिए नहीं है क्योंकि आप नियंत्रित किए जा रहे हैं या क्योंकि आपको बाहर घटित होने वाली हर बात नहीं बताई जा रही है, बल्कि यह आपको सबसे महत्वपूर्ण चीज़ पर ध्यान केंद्रित करने के लिए है: स्वयं पर।
इस अंतिम अध्याय में हम उन लोगों के बारे में बात करेंगे जो इसमें शामिल थे।
बदलाव लाने की कगार पर खड़े ये लोग रहस्यमय तरीके से गायब हो गए। उनके पास अनेक विचार थे और वे मानवता की भलाई के लिए उन्हें साकार करने में लगे थे, लेकिन पल भर में ही उनका फिर कभी कोई अता- पता नहीं चला।

आइए इन कहानियों में गहराई से उतरें, लेकिन फिर से, यह सोचना नहीं है कि "यह कितना अन्यायपूर्ण है,
कुछ नहीं किया जा सकता, लेकिन याद रखना चाहिए कि भले ही वे सब कुछ नियंत्रित करना चाहें, सच्चाई अंततः सामने आ ही जाएगी। आप, मैं और इस पुस्तक को पढ़ने वाले लाखों अन्य लोग उस बदलाव का हिस्सा हैं। हम व्यक्तिगत रूप से अपने भीतर के संसार को बदलने के अलावा कुछ नहीं कर सकते, लेकिन अगर लाखों लोग भी अपने भीतर के संसार को बदलकर सच्चाई तक पहुँचते हैं, तो लाखों प्राणियों का अपने भीतर के संसार में परिवर्तन अप्रत्यक्ष रूप से बाहरी दुनिया को भी बदल रहा है।
तीन लोग जो हमारी आंखें खोलने वाले थे, लेकिन रहस्यमय तरीके से ग़ायब
फ्रैंक सुआरेज़
सबसे पहले हम डॉ. फ्रैंक सुआरेज़ के बारे में बात करेंगे, जिनकी मृत्यु 25 फरवरी, 2021 को प्यूर्टो रिको पुलिस के अनुसार, हाटो रे में पार्के डे लोयोला कॉन्डोमिनियम की नौवीं मंजिल पर स्थित अपने अपार्टमेंट की बालकनी से गिरने के बाद हुई। उनकी मृत्यु की दिलचस्प बात यह है कि यह कैंसर और चयापचय के इलाज पर आधारित उनकी नई पुस्तक के विमोचन से ठीक पहले हुई। फ्रैंक ने दवा कंपनियों की आलोचना करना शुरू कर दिया था। उन्होंने इस प्रकार के उत्पादों के उपयोग की सलाह नहीं दी, क्योंकि उनमें से कई के दुष्प्रभाव होते हैं और वे दोबारा बीमारियाँ पैदा कर सकते हैं। दूसरे शब्दों में, भले ही वे अल्पकालिक रूप से काम करें, लेकिन दीर्घकालिक रूप से वे मानव शरीर के लिए बिल्कुल भी लाभकारी नहीं हैं।

फ्रैंक की मौत के दो दावे हैं। पहला दावा वह है जो हर कोई जानता है क्योंकि यह खबरों में आया था, कि उसने अपने घर की नौवीं मंजिल से गिरकर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने बस इतना कहा कि फ्रैंक ने आत्महत्या इसलिए की क्योंकि एक साल पहले वह बहुत बुरा महसूस कर रहा था और "अवसाद की दवाइयाँ" ले रहा था। उसके दोस्त और परिवार इस बात से सहमत नहीं थे क्योंकि उसके पास कई परियोजनाएँ और काम थे जिन्हें वह करना चाहता था। और यहीं से दूसरा दावा सामने आता है।
कुछ दिन पहले फ्रैंक ने फार्मेसियों और उन दवाओं के बारे में बताना शुरू किया जिनका लोग आमतौर पर सेवन करते थे। उन्होंने इन दवाओं के दुष्प्रभावों और इन फार्मेसियों द्वारा लगातार अधिक से अधिक पैसा कमाने के लिए किए जाने वाले मुनाफे के बारे में बताया। एक वीडियो में उन्होंने कहा: "मेटाबॉलिज्म टीवी में हम जो जानकारी देते हैं, इस विचार के साथ कि आप सभी सिस्टम के शिकार नहीं हैं, अज्ञानता के शिकार नहीं हैं, शरीर की एकमात्र कमी यह है कि कभी-कभी इसका मालिक अज्ञानी होता है।" फ्रैंक ने व्हाइटबोर्ड की ओर रुख किया और "10 सबसे हानिकारक दवाओं, सबसे अधिक बिकने वाली दवाओं की सूची" के बारे में कुछ बातें समझाना शुरू किया और कहा कि वास्तव में कोई भी दवा हानिकारक नहीं है, कोई भी दवा ऐसी नहीं है जिसके दुष्प्रभाव न हों। "एपिसोड #1200, क्या यह मेरी मदद कर रहा है या मुझे नुकसान पहुंचा रहा है?" शीर्षक वाले एक वीडियो में, फ्रैंक ने बताया कि 'निकोलस गोंजालेस' नामक एक प्रसिद्ध डॉक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई, जब वे कैंसर के प्राकृतिक उपचार के तरीकों पर काम कर रहे थे। फ्रैंक ने यह भी बताया कि जो लोग उस क्षेत्र में जाने की कोशिश करते थे, वे खतरे में पड़ जाते थे और रहस्यमय

तरीके से मर जाते थे, बेजान अवस्था में उठते थे और यहां तक कि ऐसी जगहों से भी गिर जाते थे जहां कोई नहीं गिरता। यहीं पर सब कुछ एक साथ जुड़ता हुआ प्रतीत होता है। स्टेनली मेयर
यह उन आविष्कारकों में से एक का मामला है जिन्होंने ऑटोमोटिव उद्योग में एक बड़ा बदलाव लाया होगा। मेयर्स एक उत्तरी अमेरिकी वैज्ञानिक थे जिन्होंने तेल के विकल्प के रूप में नल के पानी का उपयोग करके ऊर्जा का पहला वास्तविक वैकल्पिक स्रोत विकसित, निर्मित और पेटेंट कराया था। विशेष रूप से, एक ऐसा इंजन जो केवल H2O को ऊर्जा स्रोत के रूप में उपयोग करके वाहन चला सकता था। उनके सिद्धांत में 10 से 15 किलोहर्ट्ज़ की आवृत्तियों पर धनात्मक किलोहर्ट्ज़ पल्स द्वारा पानी के अणु को तोड़ना शामिल था। फिर इस मिश्रण को इंजन में इंजेक्ट किया जाता था, जिससे पुनः पानी उत्पन्न होता था। इंजन को और अधिक तरल पदार्थ से रिचार्ज करने की भी आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि निकास पाइप से निकलने वाला घटक स्वतः ही पानी में पुनर्चक्रित हो जाता था, और 50 हॉर्सपावर उत्पन्न करने के लिए प्रत्येक विस्फोट के लिए केवल 7.4 माइक्रोलीटर पानी की आवश्यकता होती थी।
स्टैनली मेयर्स ने नासा के लिए काम किया और 1993 में उन्हें वर्ष का सर्वश्रेष्ठ आविष्कारक चुना गया। हालांकि, अमेरिकी रक्षा विभाग के साथ करोड़ों डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से ठीक एक दिन पहले, 57 वर्ष की आयु में रहस्यमय परिस्थितियों में जहर से उनकी मृत्यु हो गई। कुछ षड्यंत्र सिद्धांतकारों ने तेल उद्योग को उनके हत्यारों के रूप में बताया, और यहां तक कि उनके भाई ने भी दावा किया कि कुछ महीनों बाद मेयर्स की बग्गी और प्रायोगिक उपकरण चोरी हो गए थे।
जैकब ग्रीनबर्ग

पिछले अध्याय में हमने जैकब की खोजों के बारे में बात की थी, लेकिन शायद पाठक को यह जानकारी न हो कि रहस्यमय ढंग से गायब हुए लोगों की सूची में उनका नाम भी शामिल था। जैकब कई ऐसी चीजों से सीधे तौर पर जुड़े हुए थे जो आज भी आम जनता से छिपी हुई हैं। वे पहले से ही मनुष्यों की टेलीपैथी और मानसिक शक्तियों का परीक्षण कर रहे थे। हालांकि पाठक के लिए यह कोई नई बात नहीं है, लेकिन जैकब की खासियत यह थी कि वे इसे पूरी दुनिया में फैला रहे थे और काफी मशहूर हो रहे थे।
वैज्ञानिक 8 दिसंबर, 1994 से लापता हैं, और उनका लापता होना 28 साल से भी अधिक समय से टल रहा है। उनके परिवार ने 12 दिसंबर को इस बात की जानकारी दी, जब उन्होंने उनके जन्मदिन का जश्न मनाने की तैयारी की थी, जिसमें वे कभी नहीं पहुंचे। हालांकि इस बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं है, लेकिन कई तरह की अटकलें हैं कि वे किसी अपराध का शिकार हो सकते हैं, उनकी जांच से सीआईए और एफबीआई परेशान हो गए होंगे, और यहां तक कि उन्हें एलियंस ने अगवा भी कर लिया होगा।
हम इस सूची में और भी लोगों को जोड़ सकते हैं, लेकिन इसकी आवश्यकता नहीं है क्योंकि अंत स्पष्ट है: हमारी बाहरी स्वतंत्रता की एक निश्चित सीमा है, लेकिन हमारी आंतरिक स्वतंत्रता की कोई सीमा नहीं होगी। मृत्यु से डरने की कोई बात नहीं है। बल्कि, हमें अपने जीवन के उद्देश्य से नहीं, बल्कि अभिजात वर्ग द्वारा निर्धारित सांचे में ढलने की चाह से दूर होना चाहिए। हो सकता है कि अभी तक पानी से चलने वाली कार न हो, हो सकता है कि अभी तक कैंसर के इलाज पर कोई सर्वमान्य पुस्तक न हो, हो सकता है कि अभी तक टेलीपैथी और अन्य मानसिक शक्तियां सभी के लिए सुलभ न हों, लेकिन ये सब बहाने मात्र हैं। वास्तविकता में,

ऐसे लोग हैं जिनके पास "अलौकिक" शक्तियां हैं, बीमारियों की रोकथाम और उनके वास्तविक स्वरूप के बारे में बहुत सारी जानकारी उपलब्ध है, और ऐसे कई आविष्कार भी हैं जो मानव जीवन में क्रांति ला रहे हैं। यदि आप उनके बारे में जानना चाहते हैं, तो बस YouTube पर "मानव जीवन में क्रांति लाने वाले आविष्कार" या इसी तरह का कुछ खोजें। बेशक, इस पुस्तक में संपूर्ण सत्य नहीं है, लेकिन इसमें एकमात्र सत्य है: आप अपना जीवन स्वयं बनाते हैं।

अंतिम चिंतन
मैंने शीर्षक चुना: किसी बात को व्यक्त करने और उत्पन्न करने के लिए एकमात्र सत्य को जानना
आपके मन में अचानक एक झटका लगता है। मेरे पास एकमात्र सत्य नहीं है और न ही भविष्य में ऐसा करने का मेरा कोई इरादा है। इस पुस्तक को लिखते समय मैंने अपनी नोटबुक में लिखा था कि मैं चाहता हूँ कि दूसरे लोग भी इसे पढ़ें क्योंकि यह उस विशाल और विचित्र संसार को जानने का आनंद देती है जिसमें हम रहते हैं। विचित्र, अच्छे अर्थ में, वह भाव जो आपको झकझोर देता है और कई चीजों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करता है। यह दुनिया अद्भुत है और मुझे आशा है कि अब जब आपने पुस्तक पढ़ ली है, तो आप भी इसे अद्भुत मानेंगे। जीवन के इस खेल में, मुझे लगता है कि दिलचस्प बात यह नहीं है कि खेल को पास करने की कोशिश की जाए, या जीता जाए, या हारने से डरा जाए, बल्कि बस खेला जाए। आप एक पात्र हैं, लेकिन आप उस फिल्म के निर्देशक भी हैं जिसे आप बना रहे हैं। हम सभी हैं, हम सभी खेलते हैं, बस हम इसे इतनी गंभीरता से लेते हैं कि आनंद लेना भूल जाते हैं। कहते हैं कि सत्य आपको मुक्त कर देगा, लेकिन पहले यह आपको थोड़ा परेशान करेगा। मुझे पता है कि मैंने यहाँ कुछ ऐसे अध्याय और बातें लिखी हैं जिनसे विवाद उत्पन्न हो सकता है और आप किसी ऐसे बिंदु पर पहुँच सकते हैं जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा, या शिकायत कर सकते हैं, जो भी हो, बस एक बात याद रखें: आपकी स्वतंत्रता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि आप कहाँ हैं या किसके साथ हैं, बल्कि इस बात पर निर्भर करती है कि आप कैसे सोचते हैं। आप अपने साथ होने वाली घटनाओं के निर्माता नहीं हैं, बल्कि इस बात के निर्माता हैं कि आप उन पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। इस कर्म-प्रधान दुनिया में, कारण

[illegible]

***** [illegible] *****

sjeet